समान प्रावधानों को रद्द करने के बाद वही सुधार कानून कैसे लागू हुआ : न्यायालय
- 12

चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 7 प्रतिशत बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये
- 12

इस्लामाबाद में अदालत के बाहर आत्मघाती विस्फोट में 12 की मौत
- 13

दिल्ली की टीम रणजी में 65 साल में पहली बार जम्मू कश्मीर से हारी
- 14

आज का मौसम
27.0° अधिकतम तापमान
12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.32
सूर्यास्त 05.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अष्टमी 10:58 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082
बुधवार, 12 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 353, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

धमाके में पुलवामा का डॉ. उमर शामिल

फरीदाबाद की अल फला मेडिकल कॉलेज में था डॉक्टर, आतंकवादी मॉड्यूल से थे संबंध

उमर की मां के डीएनए नमूने लिए, दोस्त सज्जाद गिरफ्तार, भाई-पिता हिरासत में

नई दिल्ली/श्रीनगर, एजेंसी

पुलिस ने मंगलवार को लाल किला विस्फोट मामले की जांच आतंकवादी हमले के रूप में शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस की प्राथमिकी में 'बम विस्फोट' करार दे इस घटना में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी हमले की साजिश व सजा से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने बताया कि विस्फोट में इस्तेमाल आई 20 कार को पुलवामा का डॉक्टर मोहम्मद उमर नबी लेकर पहुंचा था।

उमर, फरीदाबाद की अल फला मेडिकल कॉलेज में था डॉक्टर, जो आंतकवादी मॉड्यूल से जुड़ा था। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए धमाके को पुलिस फरीदाबाद से बरामद 360 किग्रा विस्फोट सामग्री से जोड़कर देख रही है। माना जा रहा है कि सोमवार शाम हुए विस्फोट में डॉ. उमर नबी की मौत हो गई है। इस विस्फोट में 12 लोग मारे गए थे।

मंगलवार को जम्मू कश्मीर पुलिस ने उमर की मां का डीएनए नमूना लिए, ताकि अवशेषों की पुष्टि हो सके। वहीं मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डॉ. उमर के दोस्त डॉ. सज्जाद गिरफ्तार कर लिया है, साथ ही पुलवामा से उमर के भाई और मां-बाप को हिरासत में लिया है। लाल किले पर सोमवार शाम को हुए विस्फोट से कुछ ही घंटे पहले जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ था, जिसमें तीन डॉक्टर समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था और 2,900 किलोग्राम विस्फोटक जब्त किया गया था। सोमवार को गिरफ्तार किए गए लोगों में डॉ. मुजम्मिल गनई और डॉ. शाहीन सईद भी शामिल थे जो फरीदाबाद स्थित अल फला विश्वविद्यालय से जुड़े थे, जहां से 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विस्फोट की जांच मंगलवार को एनआईए को सौंप दी। उमर की भाभी मुजम्मिल ने बताया कि वह बचपन से ही अंतर्मुखी था। फरीदाबाद के कॉलेज में संकाय सदस्य के रूप में काम कर रहा था।

दिल्ली ब्लास्ट

नई दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी।

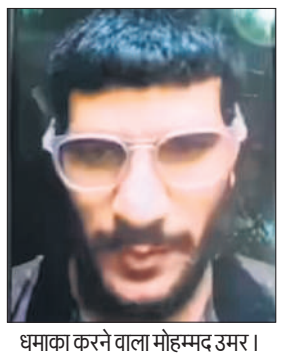

धमाका करने वाला मोहम्मद उमर।

धमाके में मरने वालों में यूपी के 5 लोग, अमरोहा में दो की मौत से कोहराम

लखनऊ/अमरोहा। धमाके में जान गंवाने वालों में से पांच लोग यूपी के रहने वाले थे। अमरोहा में हसनपुर तहसील के गांव मंगरोला निवासी डीटीसी के संविदा कर्मी अशोक और हसनपुर नगर निवासी खाद विक्रेता लोकेश अग्रवाल के शव पहुंचे तो कोहराम मच गया। लोकेश अस्पताल में अपनी समधन को देखने गए थे। उन्होंने दोस्त अशोक से मिलने को फोन किया। जब दोनों मिले तभी विस्फोट हो गया।

विस्फोट के साजिशकर्ताओं को नहीं बख्शेंगे : मोदी

थिंपू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा। घटना की जांच कर रही एजेंसियां मामले की तह तक जाएंगी और इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों को न्याय के शिकंजे में लाया जाएगा। मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की घटना के मद्देनजर वह भारी मन से थिंपू आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सोमवार को पूरी रात विस्फोट की जांच कर रही एजेंसियों के संपर्क में रहे। मोदी ने कहा, भारत और भूटान के बीच सदियों से गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। इसलिए, इस खास मौके का हिस्सा बनना भारत और मेरी प्रतिबद्धता थी। उन्होंने कहा, लेकिन आज मैं भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी को बहुत दुखी किया है। मैं प्रभावित परिवारों का दुख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

एजेंसियां विस्फोट में संलिप्त हर दोषी की करेंगी तलाश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली विस्फोट मामले में संलिप्त प्रत्येक दोषी की तलाश करें। उन्होंने कहा कि इस विस्फोट में संलिप्त सभी लोगों को सुरक्षा एजेंसियों के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। शाह ने यह निर्देश राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक सोमवार शाम हुए विस्फोट के मद्देनजर आयोजित दो सुरक्षा समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करने के बाद दिये। सूत्रों ने बताया कि पहली बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के महानिदेशक सदानंद वसंत दाते शामिल हुए। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के डीजीपी भी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल, कश्मीर में 4 हिरासत में

पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से यह संकेत मिलता है कि लाल किले के पास हुए विस्फोट में संभवतः अमोनियम नाइट्रेट, ईंधन तेल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया है। विस्फोट और आतंकी मॉड्यूल की जांच जारी रहने के बीच अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के एक व्यक्ति तारिक को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसने उमर मोहम्मद को हुंदै आई20 कार दी थी। कश्मीर में छापेमारी के दौरान चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। इन चारों में से दो को दिल्ली विस्फोट और अंतर्राज्यीय आतंकी मॉड्यूल में उनकी भूमिका के आरोप में संयुक्त पूछताछ के लिए ले जाया गया है।

जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग की प्रमुख थी लखनऊ की डॉ. शाहीन

जांच अधिकारियों के अनुसार, फरीदाबाद से गिरफ्तार शाहीन भारत में जैश-ए-मोहम्मद की महिला भर्ती शाखा का नेतृत्व कर रही थी। वह समूह की महिला शाखा जमात-उल-मोमिनात की प्रमुख थी। उमर भी अल फला से भी जुड़ा है तो आई20 कार चला रहा था जिसमें यह शक्तिशाली विस्फोट हुआ था। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने शाहीन की पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी जुटाने के लिए दस्तावेज एकत्र किये और परिवार के सदस्यों तथा पड़ोसियों से पूछताछ की।

लखनऊ समेत चार जिलों में छापेमारी, 7 हिरासत में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ, सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर में हुई कार्रवाई

अमृत विचार: दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार धमाके के बाद यूपी एटीएस ने मंगलवार सुबह राजधानी समेत चार जिलों में छापेमारी शुरू की।

देर शाम तक हुई कार्रवाई में सात संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उनसे अलग-अलग स्थानों पर पूछताछ की जा रही है। छापेमारी लखनऊ, सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर में हुई। वहीं, पूरे प्रदेश में धमाके के बाद हाई अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस व एटीएस की टीमें संदिग्धों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस मुख्यालय के अधिकारी के मुताबिक सहारनपुर में एटीएस ने डा. अदील अहमद के करीबी बताए जा रहे तीन लोगों को हिरासत में लिया है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। वहीं, दो अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है। वहीं, लखनऊ के मड़ियांव स्थित आईआईएम रोड में डॉ. परवेज अहमद अंसारी के घर पर जम्मू-कश्मीर पुलिस, एटीएस व कमिश्नरेट पुलिस ने छापा मारा। मौके से डॉ. परवेज नहीं मिला।

बिलाल से कनेक्शन की पुष्टि के बाद छापेमारी

एटीएस व सुरक्षा एजेंसियों ने फरीदाबाद आतंकी माड्यूल में शामिल आदिल को गिरफ्तार किया। आदिल के करीबियों से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान एटीएस के हाथ बिलाल खान भी लगा। बिलाल का सीधा कनेक्शन पाकिस्तानी हैंडलर से मिला। उसके मोबाइल की जांच की गई तो 4000 से अधिक संदिग्ध नंबर मिले। जिनसे वह लगातार संपर्क में था। एटीएस की टीम इन नंबरों की जांच कर रही है।

गिरफ्तार डॉ. शाहीन डाक्टर का भाई है परवेज

एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लखनऊ के मड़ियांव इलाके में डा. परवेज के यहां छापेमारी की है। फरीदाबाद माड्यूल में एक दिन पहले ही गिरफ्तार डा. शाहीन शाहिद का डॉ. परवेज भाई बताया जा रहा है। घर छापेमारी के दौरान कोई मिला तो नहीं है लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने यहां के कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रानिक साक्ष्य कब्जे में लिए हैं। डाक्टर के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जा रही है। एजेंसियों ने बताया कि फिलहाल डॉ. परवेज की तलाश जारी है।

ब्रीफ न्यूज

मुंबई के व्यवसायी को डिजिटल अरेस्ट कर 53 लाख रुपये ठगे

मुंबई। दक्षिण मुंबई के 60 वर्षीय एक व्यवसायी को साइबर ठगों ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों का वरिष्ठ अधिकारी होने का दावा करते हुए रात भर 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा और कथित तौर पर उससे 53 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि ठगों ने व्यवसायी पर धनशोधन के एक मामले में संलिप्त होने का आरोप लगाया और यह कहते हुए उसे पूरी रात वीडियो कॉल पर रहने के लिए मजबूर किया कि अगले दिन अदालत में उसकी ऑनलाइन जमानत पर सुनवाई है तथा उसे उच्चतम न्यायालय का एक फर्जी नोटिस भी जारी किया।

सबरीमला मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष एन वासु गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने के मामले की छानबीन कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एन वासु को गिरफ्तार कर लिया। वावासु टीडीबी के अध्यक्ष नियुक्त होने से पहले दो बार इसके आयुक्त भी रह चुके थे। राज्य सरकार के शीर्ष नेतृत्व के कथित करीबी वासु की गिरफ्तारी इस मामले की सबसे चर्चित गिरफ्तारियों में से एक है। केरल उच्च न्यायालय एसआईटी जांच की निगरानी कर रहा है।

वंदे मातरम् का विरोध करने वालों को पहचानिए : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बाराबंकी

- मुख्यमंत्री बाराबंकी में सरदार पटेल जयंती समारोह व एकता दौड़ में हुए शामिल

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भी कुछ लोग है- रहेंगे हिंदुस्तान में, खाएंगे हिंदुस्तान में, लेकिन 'वंदे मातरम्' नहीं गाएंगें। हमें उनकी मंशा को समझना होगा। उन्होंने लोगों को सावधान करते हुए कहा कि इन चेहरों को पहचानो, जो शासकीय योजना में हड़पने की होड़ में पहली लाइन में खड़े होते हैं, लेकिन जब वंदे मातरम् गान की बात होती है तो कहते हैं कि हम नहीं गाएंगे। उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी नहीं चाहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल को उचित सम्मान मिले।

मुख्यमंत्री मंगलवार को बाराबंकी में लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती समारोह और एकता दौड़ (रन फॉर यूनिटी) में शामिल होने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसके पहले उन्होंने 1,734 करोड़ की 254 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए। योगी ने कहा कि वंदे मातरम् का विरोध भारत माता का विरोध है। राष्ट्रगीत किसी मजहब, जाति या उपासना विधि के प्रति आग्रह नहीं करता, बल्कि यह भारत माता की वंदना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने प्राकृतिक मेंथा पर जीएसटी 18% से घटाकर 5% किया है, जिससे बाराबंकी और आसपास के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा सहित कई किसानों के कार्यों की सराहना की।

बाराबंकी में पटेल की 150वीं जयंती समारोह में वंदे मातरम का गायन करते सीएम योगी।

काशी की तर्ज पर बनेगा महादेवा कॉरिडोर

योगी ने कहा कि राज्य सरकार बाबा लोधेश्वर नाथ की पावन धरा को श्री काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर महादेवा कॉरिडोर में बदलने जा रही है। हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू की हवेली को भव्य स्पोर्ट्स म्यूजियम के रूप में विकसित किया जाएगा। रामसनेही घाट के कंदई गांव में 232 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक जिले में कम से कम 100 एकड़ भूमि पर सरदार पटेल इंडस्ट्रियल एंड एम्प्लॉयमेंट ज़ोन स्थापित किए जाएंगे।

भारत पर शुल्क घटाएंगे ट्रंप, कहा-ट्रेड डील जल्द

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- कहा- भारत के साथ व्यापार समझौता करने के बेहद करीब है अमेरिका
- प्रेसिडेंट बोले- भारतीयों को मुझसे अभी प्यार नहीं, लेकिन फिर से करने लगेंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, भारत के साथ न्यायसंगत व्यापार समझौते पर पहुंचने के काफी करीब है। साथ ही उन्होंने कहा कि वह भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) को एक समय कम कर देंगे।

यह दो हफ्ते से भी कम समय में दूसरी बार है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर मुहर लगने की उम्मीद जताई है। ट्रंप ने कहा, हम

भारत के साथ एक समझौता कर रहे हैं, यह पहले की तुलना में बहुत अलग है। इसलिए अभी वे मुझे पसंद नहीं करते लेकिन वे हमें फिर से पसंद करेंगे। उन्होंने ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जहां उपराष्ट्रपति वेंस ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका के न राजदूत के रूप में शपथ दिलाई। ट्रंप ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा साझेदार बताते हुए कहा कि मोदी के साथ अमेरिका के शानदार संबंध हैं।

एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज में 100%, मूलधन में 25% तक छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बिजली बिल को लेकर दी बड़ी राहत

अमृत विचार: राज्य सरकार ने बिजली बिल के मद्देनजर बकाया धनराशि को एक मुश्त जमा करने पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत और मूलधन में 25 प्रतिशत तक छूट देने का निर्णय लिया है। इस योजना से एक ओर जहां सरकारी खजाने में भारी राजस्व की वृद्धि होगी, वहीं दूसरी ओर घरेलू व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को बड़ी आर्थिक राहत प्राप्त होगी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने उत्तर प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं के हित में निर्णय लेते हुए बिजली बिल राहत योजना 2025 लागू करने की घोषणा की है। इस योजना के अंतर्गत कभी न भुगतान करने वाले और लंबे समय से बिल न भरने वाले उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी। एके शर्मा ने यह घोषणा मंगलवार को यहां एक प्रेसवार्ता में की।

बिहार चुनाव | मैट्रिज के सर्वेक्षण के अनुसार राजग को 147 से 167 सीटें, महागठबंधन को 70 से 90 सीटें

एग्जिट पोल में राजग को प्रचंड बहुमत, महागठबंधन पिछड़ा

- पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकता है राजग : चाणक्या स्ट्रेटजीज

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद आए लगभग सभी सर्वेक्षणों (एग्जिट पोल) में संभावना जताई गई है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रचंड बहुमत के साथ एक बार फिर सरकार बना सकता है।

यदि असल नतीजे भी चुनाव बाद आए इन सर्वेक्षणों के आंकड़ों की तरह रहते हैं तो एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, वाम दल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के 'महागठबंधन' के लिए सत्ता दूर की कौड़ी साबित होगी। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राजग में जदयू, भाजपा, रामविलास, हिंदुस्तान अवामी मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) शामिल हैं। बिहार में मतदान संपन्न होने के बाद आए लगभग सभी सर्वेक्षण एजेंसियों के एग्जिट पोल में राजग को बड़ी जीत मिलने की भविष्यवाणी की गई है। 'मैट्रिज' के सर्वेक्षण के अनुसार, राजग 147 से 167 सीटों के साथ दो तिहाई बहुमत का आंकड़ा हासिल कर सकता है। इसके एग्जिट पोल में कहा गया है कि महागठबंधन को 70 से 90 सीटें मिल सकती हैं तथा जन सुराज को शून्य से दो सीट ही मिलने के आसार हैं। एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र के सर्वेक्षण में कहा गया है कि राजग को 145 से 160 सीटें मिल सकती हैं, जबकि महागठबंधन को 73 से 91 सीटें ही मिलने का अनुमान है। 'पीपुल्स पल्स' के एग्जिट पोल में भी राजग के एक बार फिर से चुनाव जीतने की संभावना जताई गई है।

इस सर्वेक्षण के अनुसार राजग को 133 से 159 सीटें मिल सकती हैं, जबकि महागठबंधन को 75 से 101 सीटों से ही संतोष करना पड़ सकता है। इस सर्वेक्षण ने जनसुराज को शून्य से पांच सीट मिलने की संभावना जताई है। 'चाणक्या स्ट्रेटजीज' के एग्जिट पोल में कहा गया है कि राजग 130 से 138 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकता है, जबकि महागठबंधन को 100 से 108 सीटों के साथ एक बार विपक्ष में बैठना पड़ सकता है।

दूसरे चरण में रिकॉर्ड 67.14 प्रतिशत मतदान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में मंगलवार को रिकॉर्ड 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है। इस चुनाव को राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के नेतृत्व पर जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है। राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, दूसरे चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों में शाम पांच बजे तक 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो छह नवंबर को पहले चरण में हुए 'रिकॉर्ड' 65.09 प्रतिशत मतदान से लगभग दो फीसदी अधिक है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 12 नवंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

16 को पटेल की स्मृतियों पर होगा कार्यक्रम

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर के एक बरात घर में 16 को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर कार्यक्रम होगा। सपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव दिव्या गंगवार, उनके पति चौधरी प्रदीप सिंह पटेल इसमें भीड़ जुटाने के लिए संपर्क कर रही है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार होंगे।

रैन बसेरा का संचालन कराने की मांग

पीलीभीत, अमृत विचार : बढ़ रही ठंड को देखते हुए राहगीरों और गरीबों के लिए रैना बसेरे की शुरूआत कराने की मांग की गई है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष अनूप अग्रवाल ने जिलाधिकारी को इस संबंध में पत्र लिखा है। जिसमें बताया कि शीतकालीन मौसम की शुरुआत हो चुकी है। गरीब लोगों के लिए एकमात्र ठंड से बचने का सहारा रैन बसेरा ही होता है। ऐसे में आग्रह किया गया कि शीघ्र ही रेन बसेरा का संचालन शुरू किया जाए। उसमें अधिकारी, कर्मचारी का मोबाइल नंबर भी अंकित किया जाए। ताकि कोई परेशानी हो तो फोन करके सूचित किया जा सके। यह भी कहा कि अगर संभव हो सकता है तो उनके द्वारा भी एक रैन बसेरा गोद लिया जा सकता सकता है।

किराना की दुकान से चोरी करने वाला पकड़ा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : परौर क्षेत्र में किराने की दुकान में चोर नकदी चुराकर ले गए। दुकान मालिक ने डायल 112 को सूचना दी। सूचना पर डायल के सिपाही मौके पर पहुंचे और दुकान मालिक से जानकारी की। पुलिस ने चोर को गांव कोही से गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया चोर अंकित निवासी दमुलिया थाना परौर है। पुलिस ने उसके पास से चोरी के 1773 रुपये बरामद कर लिए है।

युवती ने खाया जहरीला पदार्थ, गंभीर

बीसलपुर, अमृत विचार : एक युवती ने जहरीला पदार्थ खा लिया, परिजन उसे इलाज के लिए पहुंचे। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शिवपुरी नवदिया की एक युवती को मंगलवार को सीएचसी लाया गया। चिकित्सकों ने जहरीला पदार्थ खाने की आशंका जताते हुए प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

सड़क पर सजने लगीं साप्ताहिक बाजार की दुकानें, राहगीरों का निकलना दूभर

सख्ती के बाद कुछ समय तक सुधरे दिखे हालात, अब फिर बेपरवाह हुए जिम्मेदार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: साप्ताहिक मंगल बाजार को लेकर चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान लंबे समय बाद भी नहीं हो सका है। पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने बीते दिनों सख्ती की तो कुछ समय के लिए हालात सुधरे दिखे। मगर, अब जिम्मेदारों के निगाह फेरने के बाद हालात बदतर होना शुरू हो गए हैं। पूर्व की भांति सड़क पर ही बेतरतीब तरीके से दुकानें सजाई जाने लगी। नजदीक में ही अस्पताल, स्कूल होने से जाम परेशानी का सबब बना हुआ है। दिन में कई बार मौके पर जाम के हालात बने और राहगीर परेशान होते रहे।

शहर की सड़कों पर जाम की समस्या लंबे समय से है। इसके पीछे अतिक्रमण को एक मुख्य वजह माना जाता है, लेकिन उसका भी स्थायी समाधान नहीं हो सका है। मुख्य मार्गों पर जाम की दिक्कत से राहगीरों को प्रतिदिन जूझना पड़ता है। साप्ताहिक बंदी के दिन मंगलवार को जामा मस्जिद के पास साप्ताहिक बाजार लगती है। बताते हैं दुकाने लगाने के लिए जामा मस्जिद घेर का परिसर चिन्हित है। सड़क पर दुकान लगाने पर प्रतिबंध है। इसे लेकर कई बार शिकायतें हो चुकी है। बीते दिनों प्रशासनिक अधिकारियों ने कमान संभाली । थाना पुलिस की जिम्मेदारी तय कर दी गई थी, ताकि जाम न लग सके। व्यापार मंडल की ओर से भी शिकायत अधिकारियों से की जा चुकी है। शिकायतों का संज्ञान लेकर कई बार सड़क पर सजी दुकानों को हटवाया गया। बेतरतीब खड़े वाहनों पर भी कार्रवाई चली। अब कुछ समय से दोबारा से दुकानें सजाए जाने पर सड़क और सिकुड़ जाती है। इस इलाके में आयुर्वेदिक कॉलेज , तहसील, निजी अस्पताल और स्कूल भी हैं। मंगलवार को भी कई दुकानें सड़क तक सजाई गई। जिससे जाम की दिक्कत बनी रही। उधर, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर का कहना है कि इस मामले में पूर्व में ही निर्देशित किया जा चुका है। कहीं कोई लापरवाही बरती जा रही है, तो इसे दिखवाया जाएगा।

सड़क पर सजी दुकानों के बाद निकलने की जगह नहीं। ● अमृत विचार

ई-रिक्शा के प्रवेश से आई दिक्कत, फिर काटे चालान

साप्ताहिक मंगल बाजार को लेकर पहले ही हालात बदतर हो चुके थे। इसके अलावा ई-रिक्शा भी बेतरतीब तरीके से पहुंचना शुरू हो गए। वाहनों को जहां-तहां खड़ा कर दिया गया। इससे व्यवस्था और बिगड़ी रही। हालांकि बाद में यातायात पुलिस ने सख्ती की और कई वाहनों के चालान किए गए। अन्य वाहनों को भी हटवाया गया लेकिन दुकानें सड़क पर लगी हुई थी।

साप्ताहिक मंगल बाजार में भीड़ के बीच प्रवेश करते ई-रिक्शा को रोकता पुलिसकर्मी।

स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक मंत्र बना वंदे मातरम

वंदे मातरम का सामूहिक गायन करते विद्यार्थी व प्रवक्ता।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- यह गीत विरोध प्रदर्शन, सत्याग्रह जुलूस, सभाओं में गाया जाने लगा

अमृत विचार: डिवाइन कॉलेज में वन्दे मातरम के राष्ट्रीय एकता एवं स्वतंत्रता संग्राम में योगदान विषय पर मंगलवार को विचार गोष्ठी और जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसका उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीयता, एकता और स्वतंत्रता आन्दोलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया गया। मुख्य वक्ता प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार जायसवाल ने कहा बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक मंत्र बना। जिसने अंग्रेजी शासन के विरूद्ध भारतीयों में अदम्य राष्ट्रभक्ति, वीरता, साहस, एकता की भावना जागृत की। वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ.हरचरन लाल ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लाला लाजपत राय, अरविन्द घोष, विपिन चंद्र पाल, महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस जैसे महान नेताओं ने वंदे मातरम को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का नैतिक बल के रूप में प्रयोग किया। यह गीत विरोध प्रदर्शन, सत्याग्रह जुलूस, सभाओं और क्रांतिकारी आंदोलनों के दौरान राष्ट्रभक्तों की प्रेरणा का स्त्रोत बना। इस मौके पर प्रिया सिंह, हेमन्त, रतन प्रभा, राखी, अंश मोहन, सौरभ, सलोनी, जीसुख लाल, सलोनी श्रीवास्तव, आरती, पूर्णा राजपूत आदि ने प्रतिभाग किया। निर्देशिका चारु धवन और चेयरमैन आरके धवन ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाकियू चढ़ूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुंचे पूरनपुर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- धान खरीद में आ रही समस्याएं जल्द दूर करने की कही बात

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी मंगलवार दोपहर पूरनपुर मंडी समिति पहुंचे और धान खरीद की स्थिति परखी। धीमी गति से खरीद और धान रिजेक्ट होने के संबंध में अधिकारियों से मांग की गई कि इसका सुधार कराया जाए।

धान खरीद की शुरुआत के वक्त ही भाकियू चढ़नी के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह पर हमला किया गया था। उन पर फायरिंग की गई थी। उस वक्त भी 11 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी आए थे। डीएम-एसपी से मुलाकात कर धान खरीद में किसान को एमएसपी का लाभ दिलाने पर जोर दिया था। इसके एक माह बाद अब 11 नवंबर को दोबारा वह धान खरीद की हकीकत परखने के लिए पूरनपुर मंडी समिति पहुंचे। उन्होंने खरीद व्यवस्था का जायजा लिया और सुधार कराने की बात कही। मंडी परिसर में मौजूद किसानों से भी उनकी वार्ता हुई। इस दौरान क्रय केंद्रों पर धीमी गति से तौल और धान रिजेक्ट किए जाने की कुछ समस्याएं रखी गई। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि धान खरीद के दौरान किसानों के सामने आ रही समस्याओं का जल्द समाधान कराया जाए।

युवक से लूट का आरोप, पुलिस ने मारपीट बताया

पीलीभीत, अमृत विचार: बाइक सवार ने दो लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस घटना को मारपीट का मामला बता रही है।

दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पिपरइया निवासी संजीव कुमार मंगलवार सुबह साढ़े छह बजे ग्राम नौगवां बाइक से जा रहे थे। जंगल में पुलिया के पास पहुंचते ही दो लोगों ने उसे रोका। आरोप है 12.500 हजार रुपये लूट लिए। ये भी कहना था कि छीना झपटी के दौरान एक व्यक्ति के मुंह से खून भी बहने लगा। इसके बाद उनकी पिटाई की। बाइक में बंधी रस्सी से उसको बांधकर डाल दिया। कुछ लोगों ने उनको बंधनमुक्त किया।

मुरझाए चेहरों को हंसी से सींच लेता हूं : अजीत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- उपाधि महाविद्यालय में हुआ कवि सम्मेलन, श्रोताओं ने किया स्वागत
- हास्य से लेकर श्रृंगार तक, कवियों की रचनाओं ने बांधा समां

अमृत विचार : उपाधि महाविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव नव प्रवाह के अंतर्गत सोमवार रात कवि सम्मेलन हुआ। हास्य, वीर और श्रृंगार रस से ओतप्रोत कविताओं ने श्रोताओं को न केवल गुदगुदाया बल्कि भाव-विभोर भी किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुल्तान जहां की सुमधुर सरस्वती वंदना से की गई। प्रबंध समिति के सचिव मुरली मनोहर अग्रवाल, मुख्य अतिथि समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू, पूर्व प्राचार्य डॉ. शिवकिशोर शर्मा, प्राचार्य डॉ.दुष्यंत कुमार, महोत्सव समन्वयक डॉ. विनय गर्ग ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्जवल किया। हास्य कवि उमेश त्रिगुणायत को सुन श्रोताओं की हंसी थमने का नाम नहीं ले रही थी। उन्होंने कहा सब्र का फल है बहुत मीठा बड़े बता गए। फल चखा इतना की हैवी डायबिटिक हूं आजकल। सुल्तान जहां ने कहा कि मेरे मुंशिफ मेरे रहबर तू अब तो फैसला कर दे... वृंदावन की रितु राधिका ने श्रृंगार और भक्ति का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। वहीं शायर जितेश राज नक्श ने संवेदनाओं की कोमलता को शब्दों में पिरोया। हास्य कवि अजीत शुक्ला ने अपनी चुटीली रचनाओं से गुदगुदाते हुए कहा मुरझाए चेहरों को हंसी से सींच लेता हूं। सभी कवियों को सम्मानित करते हुए महाविद्यालय प्रशासन ने काव्य परंपरा को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। महोत्सव के आयोजन सचिव डॉ. अमित सक्सेना ने सभी अतिथियों और कवियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर प्रबंध समिति के सह सचिव डॉ. प्रदीप अग्रवाल, जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. राजीव शर्मा, नरेश अग्रवाल, डॉ. अंग्रेज सिंह, डॉ. प्रणव शर्मा, डॉ. राखी मिश्रा, डॉ. विपिन नीरज, डॉ. जितेंद्र नाथ मिश्रा, दुर्गेश धर द्विवेदी, डॉ. गजेंद्र कौशल किशोर आदि मौजूद रहे।

उपाधि महाविद्यालय में कवि सम्मेलन में कविता पाठ करती कवयित्री। ● अमृत विचार

रोटरी शरद मेले में हंसाएंगे कॉमेडियन एहसान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

रोटरी शरद मेले के ब्रोशर के अनावरण के मौके पर मौजूद पदाधिकारी व सदस्य। ● अमृत विचार

- एक होटल में बैठक कर मेले के ब्रोशर का किया गया अनावरण
- राम इंटर कॉलेज मैदान में 12 से 16 दिसंबर तक होगा आयोजन

अमृत विचार: रोटरी शरद मेले के ब्रोशर का कमेटी की ओर से अनावरण किया गया।इस दौरान मेले को लेकर तय की गई जिम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी साझा की गई। इस पांच दिवसीय मेले में झूले,स्टॉल के साथ ही मनोरंजन को लेकर भी तैयारियां की गई हैं।

मेला मीडिया प्रभारी डॉ. एसपीएस संधू ने बताया कि रोटरी क्लब पीलीभीत की ओर से शहर के राम इंटर कॉलेज मैदान पर 12 दिसंबर से 16 दिसंबर तक रोटरी शरद मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके ब्रोशर का अनावरण एक होटल में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष डॉ. अनिल सक्सेना ने सदस्यों एवं एनिज का स्वागत किया। मेला चेयरमैन देवेश बंसल ने मेले की व्यवस्थाओं के बारे में बताया। कहा कि मेले में आकर्षक झूले, किड्स जोन, लाइव म्यूजिक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, कॉमेडी नाइट,मैजिक शो, बच्चों एवं बड़ों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं, प्रतिदिन हाऊजी, विभिन्न प्रकार के आकर्षक व्यंजन, फैंसी ज्वेलरी, हैंडीक्राफ्ट व गिफ्ट आइटम, खिलौने और ढेरों डिस्प्ले स्टाल लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त पंजाब की भांगड़ा टीम और प्रसिद्ध कॉमेडिन एहसान कुरैशी विशेष आकर्षण रहेंगे। मेला एडवाइजर डॉ. परविंदर सिंह सैहमी व सतीश जायसवाल ने विचार रखे। को-चेयरमैन अवधेश गुप्ता और रवि अग्रवाल ने क्रमशः स्टाल व लक्की ड्रॉ के संबंध में जानकारियां दीं। क्लब सचिव कपीश अग्रवाल, अंकुर जायसवाल,देवेंद्र सिंह छाबड़ा, केतन अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, माणिक मित्तल, निवर्तमान अध्यक्ष पंकज महातिया, रचित अग्रवाल, संदीप गोयल, शैशव अग्रवाल आदि मेला कमेटी में योगदान देंगे। बैठक में आईएमए के आगामी अध्यक्ष डॉ. पीएन सक्सेना, डॉ. शैलेन्द्र गंगवार, वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र सिंह छाबड़ा, डॉ मनोज गुप्ता, आशीष अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, डॉ. भरत कंचन, कुलदीप आनंद, अनुरीता सक्सेना, मोनिका बंसल, मधु गुप्ता, लक्ष्मी जायसवाल, रणजीत सैहमी, हरमेश संधू, शिल्पी अग्रवाल, नीना मेहरोत्रा, मुनिता अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

कुंभकरण वध की सूचना से रावणदल में खलबली

बिलसंडा, अमृत विचार: मेला श्री रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित मेले में कलाकारों ने कुंभकरण वध की लीला का मंचन किया। मंचन में दिखाया गया कि रावण के दूतों द्वारा कुंभकरण को जगाया जाता है। जागने के बाद वह रावण से मिलने जाता है।

रावण युद्ध के दौरान हुई जनहानि के बारे में कुंभकरण को बताता है। यह सुन कुंभकरण दुःखी होता है। भगवान राम की शरण में जाने की सलाह देता है, लेकिन रावण नहीं मानता और कुंभकरण को युद्ध में जाने के लिए कहता है। भाई की आज्ञा मानकर कुंभकरण रामादल से युद्ध करने पहुंचता है। कुंभकरण के विशाल शरीर के आगे रामादल के योद्धा परास्त हो जाते हैं। इस मौके पर रमेश चंद्र गुप्ता, अनुपम दीक्षित,राकेश सिंह,सुशील कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

आरक्षियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पुलिस लाइन में आयोजित शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण कराते प्रशिक्षणाधीन आरक्षी।

- एसपी के निर्देशन में लगा शिविर मेडिकल कॉलेज से पहुंची टीम
- 15 तक पुलिस लाइन में संचालित किया जाएगा स्वास्थ्य शिविर

अमृत विचार: रिजर्व पुलिस लाइन में प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जोकि पंद्रह नवम्बर तक चलेगा। शिविर में मेडिकल कॉलेज की चिकित्सकीय टीम द्वारा प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों का फुल बॉडी चेकअप, सम्पूर्ण रक्त गणना (सीबीसी), यकृत क्रियात्मक परीक्षण (एलएफटी), गुर्दा क्रियात्मक परीक्षण (केएफटी), टाइफाइड परीक्षण, थायराइड प्रोफाइल परीक्षण एवं मूत्र परीक्षण आदि किया जा रहा है।

पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. विभूति गोयल , माइक्रोबायोलॉजी विभाग से डॉ. दीपिका वर्मा और बायोकेमिस्ट्री से डॉ. शिखा सक्सेना टीम के साथ शामिल हुई। सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल, डॉ .ज्ञान प्रकाश के समन्वयन में मंगलवार को भी स्वास्थ्य शिविर संचालित हुआ। बताया कि शिविर का उद्देश्य प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों के स्वास्थ्य की संपूर्ण जांच कर उन्हें स्वस्थ एवं फिट बनाए रखना है। प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ. संगीता अनेजा ने बताया कि यह स्वास्थ्य शिविर प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। इससे पुलिस कर्मियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ेगी और वे अधिक सक्षम रूप से समाज सेवा में योगदान दे सकेंगे।

अप्सरिया नदी पर नौ करोड़ से बनेगा पुल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अप्सरिया नदी पर बना जर्जर पुल। ● अमृत विचार

> अमरिया क्षेत्र के अप्सरिया नदी पर पुल बनाए जाने के लिए काफी समय से क्षेत्र की जनता मांग कर रही थी। इसके लिए शासन स्तर पर प्रयास करने के बाद अब मंजूरी मिली है। पुल के नवनिर्माण से क्षेत्र की बड़ी आबादी को आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।
> – **संजय सिंह गंगवार**, राज्यमंत्री एवं सदर विधायक

अमृत विचार: लंबे समय से जर्जर हालत में चले आ रहे अप्सरिया नदी पुल के दिन जल्द ही बहुरेंगे। नौ करोड़ की लागत से इस पर काम कराया जाएगा। राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के प्रयास के बाद इसकी मंजूरी मिल गई है।

अमरिया ब्लॉक क्षेत्र में भौनी गांव से करगैना पीरा मार्ग पर अप्सरिया नदी पर पुल है। ये पुल लंबे समय से जर्जर हालत में है। स्थानीय लोगों की मांग का संज्ञान लेते हुए राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने प्रयास किए और अब करीब नौ करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की गई है। लोक निर्माण विभाग की सेतु विंग ने निर्माण के लिए धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर लोक निर्माण विभाग को धनराशि जारी कर दी है। अब स्थानीय लोगों की मांग हो पूर हो जाएगी। इस पुल के निर्माण से क्षेत्र के तमाम गांव के लोगों को आवागमन की सुविधा प्राप्त हो सकेगी। प्रदेश शासन के अनुसचिव शिव कुमार ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को धनराशि जारी करते हुए निर्माण कार्यों को शीघ्र अतिशीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए है। पुल के नवनिर्माण होने की सूचना से क्षेत्रवासियों ने राहत महसूस की है।

एक छत के नीचे मिलेगी प्राइमरी से लेकर इंटर तक शिक्षा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मरौरी ब्लॉक के कुठिया रते गांव में चिन्हित की गई पांच एकड़ भूमि, 11.89 करोड़ की पहली किस्त जारी
- मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय योजना के तहत जारी की गई ग्रांट बीसलपुर में भी जगह चयनित

अमृत विचार : एक छत के नीचे छात्र-छात्राओं को कक्षा एक से 12 तक की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए मरौरी ब्लॉक के कुठिया रते में कंपोजिट कॉलेज खोला जा रहा है। मुख्यमंत्री योजना के तहत इस कॉलेज के लिए 22 करोड़ का बजट स्वीकृत हुआ है।

निर्माण कराने के लिए शासन की ओर से पहली किस्त के रूप में 11 करोड़ 79 लाख रुपये जारी किए गए हैं। यह कॉलेज पांच एकड़ में बनाया जा रहा है। इस कॉलेज का कार्य सीएनडीएस की ओर से कराया जा रहा है। हालांकि अन्य ब्लॉकों में भी इस तरह के कॉलेज खोलें जाएंगे। जिसके लिए जगह चिन्हित की जा रही है।शासन के निर्देश पर अब आंगनबाड़ी केंद्र, प्री-प्राइमरी से लेकर इंटरमीडिएट तक की कक्षाएं अब एक छत के नीचे संचालित होंगी। इसी क्रम में जिले में एक मॉडल स्कूल बनने का प्रस्ताव पास हुआ है। इस मॉडल स्कूल के लिए शिक्षा विभाग के अफसरों ने मरौरी ब्लॉक के कुठियारते गांव में पांच एकड़ जमीन चिन्हित की है। इस स्कूल में हिंदी के साथ अंग्रेजी माध्यम से कक्षाएं संचालित होंगी। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं उत्तर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से आयोजित होंगी। बाकी कक्षाओं का संचालन बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से कराया जाएगा। स्कूल में छोटे बच्चों के लिए स्कूल परिसर में आंगनबाड़ी केंद्र भी संचालित होगा। इसके साथ ही कक्षा एक से पांच तक प्राथमिक और कक्षा छह से 12वीं तक माध्यमिक विद्यालय स्तर की कक्षाओं में छात्र-छात्राएं एक विद्यालय परिसर में शिक्षण ग्रहण कर सकेंगे। इस स्कूल में करीब 70 से अधिक कमरे बनाए जाएंगे। साथ ही शौचालय, बाथरूम, इत्यादि कक्ष बनाए जाएंगे। इस स्कूल पर 22 करोड़ का बजट खर्च होगा। 26 अप्रैल को जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बैठक कर मॉडल स्कूल की योजना की शुरुआत की थी। जिसके लिए अब शासन की ओर से पहली किस्त की रूप में 11 करोड़ 79 लाख का बजट दिया है। बजट मिलने के बाद मंगलवार को बीएसए अमित कुमार सिंह और जिला समन्वयक निर्माण पंकज शाक्य के साथ विचार विमर्श करते हुए निर्माण प्रक्रिया को आगे बढ़ा दिया है। योजना की सफलता के आधार पर इसी तरह के मॉडल स्कूल को जिले से अन्य स्तर पर शुरू किया जाएगा। हालांकि बीसलपुर ब्लॉक के दियोरिया में भी पांच एकड़ जमीन चिन्हित कर ली गई है। फिलहाल अभी बजट नहीं मिल सका है। जल्द ही निर्माण प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

80 शिक्षकों की होगी तैनाती

मॉडल स्कूल के संचालन के लिए तैयारियां शुरु कर दी गई है। जिले में यह पहला स्कूल बन रहा है। जहां एक साथ दो हजार से अधिक बच्चे पढ़ाई कर सकेंगे। यहां प्री प्राइमरी के अलावा 12 वीं तक की कक्षाओं का संचालन होगा। जहां करीब 80 से अधिक शिक्षक तैनात किए जाएंगे। इस योजना के पीछे शासन की मंशा है कि बच्चे को एक छत के नीचे ही उसे पूरी प्रारंभिक शिक्षा मिल सके। अभी तक बच्चों को स्कूल बदलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अन्य ब्लॉक में भी जमीन देखी जा रही है।

शहर में आज

- भाजपा कार्यालय पर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह की प्रेसवार्ता सुबह 11.45 बजे।
- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे से।
- गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर में खेल महोत्सव के तहत प्रतियोगिताएं सुबह 10 बजे से।
- मझोला महोत्सव के तहत रंगारंग कार्यक्रम शाम 5 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

व्यापारियों को पेंशन मिलनी चाहिए: कंछल

पीलीभीत, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बनवारी लाल कंछल का मंगलवार को जनपद आगमन हुआ। व्यापारियों ने स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने जिलाध्यक्ष अनूप अग्रवाल के कार्यालय पर व्यापारियों के साथ बैठक की। संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। कहा कि व्यापारियों को पेंशन मिलनी चाहिए। व्यापारी को एक कार्ड मिले, जिसकी शासन में मान्यता हो। व्यापारियों की समस्याएं सुनीं। कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। जिला महामंत्री शैली अग्रवाल ने भी कई मांगों को रखा और आश्वासन मिला।

214 वाहन का चालान जुर्माना डाला

पीलीभीत, अमृत विचार : इन दिनों यातायात माह नवंबर अभियान चल रहा है। पुलिस यातायात नियम का पालन करा रही है। बिना सीट बेल्ट लगाए कार चालकों को सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित किया। दो पहिया वाहन चालकों को सड़क पर सुरक्षित चलने का संदेश दिया गया। नशे में वाहन चलाने वाले व्यक्तियों का ब्रेथ एनालाइजर से टेस्ट कर आवश्यक कार्रवाई की गई। टीएसआई राघवेंद्र सिंह ने बताया कि 214 वाहन का चालान कर 2.40 लाख रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। 65 डग्गामार वाहनों पर भी कार्रवाई की गई है।

काव्य गोष्ठी में सुनाई रचनाएं

पीलीभीत, अमृत विचार : ग्रेस पब्लिक स्कूल में उर्दू दिवस पर कार्यक्रम हुआ। इस दौरान काव्य गोष्ठी हुई। जिसकी सदारत मोहम्मद लइक खां कामिल ने की। मुख्य अतिथि नसीम खां रहे और संचालन जियाउद्दीन जिया ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत देवेंद्र कन्हैया के देश भक्ति गीत से हुई। कुमार कौशल, सोहेल बरेलवी, अभिषेक अग्निहोत्री, रिजवान फरीदी, पीयूष गोयल बेदिल, असलम वारसी, कुलदीप कल्प, जुल्फिकार नाजिश समेत अन्य रहे।

ब्रिटिशकाल के सप्त सरोवर में सैलानियों को लुभाती हैं कम बजट वाली टेंट व ग्रीन हट

पीटीआर: रात में नेचर कैंप का आनंद लेना है तो सप्त सरोवर आइए

पारंपरिक बंगाली भोजन का भी ले सकते हैं स्वाद, 167.90 लाख से विकसित किया गया है पर्यटन स्थल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: यदि गुलाबी ठंड की रातों में आपको जंगल में नेचर कैंप का मजा लेना है तो इसके लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व का टूरिज्म स्पाट सप्त सरोवर सबसे मुफीद जगह है। ब्रिटिश हुकूमत के दौरान बने सप्त सरोवर को लाखों रुपये खर्च कर पर्यटन स्थल का रूप दिया गया है। खास बात यह है कि हरी भरी वादियों के बीच बना यह टूरिज्म स्पॉट पॉकेट फ्रेंडली भी है। सैलानी यहां बेहद कम बजट में टैंट हट व ग्रीन हट समेत अन्य हटों में ठहर सकते हैं। इतना ही नहीं, सप्त सरोवर जाने वाले सैलानी पारंपरिक बंगाली भोजन का भी स्वाद ले सकते हैं।

देश-दुनिया में बाघों के लिए मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र शुरू हो चुका है। जंगल की हरी-भरी वादियों के बीच बना इको टूरिज्म स्पॉट, जिसे उत्तर प्रदेश का मिनी गोवा भी कहा जाता है, देशी-विदेशी सैलानियों की पहली पसंद बनता आ रहा है। इसके अलावा चारों ओर जंगल से घिरा एक और टूरिज्म स्पॉट सप्त सरोवर है। ब्रिटिश काल में बने सप्त सरोवर को 167.90 लाख रुपये खर्च कर टूरिज्म स्पॉट के रूप में पिछले वर्ष ही विकसित किया गया है। ब्रिटिश काल के दौरान बने सप्त सरोवर में सैलानियों के रात्रि विश्राम के लिए फेंसिंग कराने के साथ दो टेंट हट, वुडेन हट और ग्रीन हट बनाई गई है। सप्त सरोवर में सुबह-सवेरे ताजी हवा, पक्षियों का कलरव और रात के सन्नाटे में बाघों के दहाड़ सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस टूरिज्म स्पॉट की सबसे खास बात यह है कि यह सैलानियों के पॉकेट फ्रेंडली है। सैलानी महज 2000 रुपये से लेकर 3000 रुपये खर्च कर यहां ठहर सकते हैं। इतना ही नहीं, सप्त सरोवर कैंपस में ही इको विकास समिति द्वारा संचालित कैंटीन भी है। इस कैंटीन की खास बात यह है कि यहां सैलानी शुद्ध पारंपरिक बंगाली भोजन का भी स्वाद ले सकते हैं। मॉर्निंग स्नेक्स में यहां की पकौड़ी सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। इसके अलावा सप्त सरोवर के पास ही सेल्हा गांव भी हैं। इसे टूरिज्म विलेज के रूप में विकसित किया गया है। यहां होम स्टे की सुविधा उपलब्ध है। इन होम स्टे में सैलानी जंगल घूमने के बाद महज 1000 रुपये में रात्रि विश्राम कर सकते हैं। सप्त सरोवर जाने वाले सैलानी बंगाली संस्कृति से रूबरू होने के साथ नजदीक ही शारदा सागर डैम पर सन सेट व्यू का भी आनंद ले सकते हैं। सप्त सरोवर पहुंचने के लिए शारदा डैम होते हुए सेल्हा गांव तक जाना होगा। यहां वाहन खड़ा कर पैदल सप्त सरोवर तक जाया जा सकता है।

सन सेट के दौरान कुछ यूं दिखता है पीटीआर के सप्त सरोवर का नजारा।

ब्रिटिश हुकूमत में बनी सात झील ही बन गई अब सप्त सरोवर

सप्त सरोवर को पूर्व में सात झाल के नाम से जाना जाता था, ब्रिटिश काल के दौरान बनी सात झाल एक पुरानी नहर का अवशेष है। जानकारों के मुताबिक वर्ष 1926 में जब बाइफरकेशन परियोजना के तहत नहरों का निर्माण कराया गया था, तो उस दौरान अतिरिक्त पानी शारदा में छोड़े जाने के लिए एक आउटलेट नहर बनाई गई थी। वर्ष 1951 में जब शारदा सागर डैम बनाया गया तो इस नहर को बंद करके डैम को भरने के लिए सीधी नहर बना दी गई। पुरानी नहर के अवशेष ही सात झील के रूप में जाने जाते हैं। जिसे अब सप्त सरोवर कहते हैं। बताते हैं कि सात झाल का निर्माण ब्रिटिश हुकूमत ने बंदियों से कराया था।

पर्यटन सत्र के दौरान सैलानियों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत सप्त सरोवर को टूरिज्म स्पॉट के रूप में विकसित किया गया है। यहां टैंट हट के अलावा अन्य हट बनाई गई है। कई अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। कम बजट में सैलानियों के ठहरने के लिए यह एक बेहतर टूरिज्म स्पॉट है। - **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीटीआर

कर्ज चुकाने के लिए छात्र को किया था अपहरण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मेडिकल छात्र के पिता से मांगी थी 50 लाख की फिरौती

अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी स्थित मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के तृतीय वर्ष के छात्र का किसी और ने नहीं बल्कि उसके सहपाठी ने ही बाहरी युवकों के साथ मिलकर अपहरण किया था।

छात्र को घंटों चलती कार में घुमाते हुए धमकाया गया। उसके मोबाइल से यूपीआई के जरिये 60 हजार रुपये भी ट्रांसफर कराए गए। इसके बाद अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस सहपाठी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने कर्ज चुकाने के लिए अपहरण की योजना बनाई थी। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। राजश्री मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस छात्र गौरव वरपे निवासी सोनई गांव अहिल्यानगर महाराष्ट्र ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कॉलेज में कुछ साथियों के बीच यह चर्चा फैली कि उसके बैंक खाते में करोड़ों रुपये हैं। उसने कई बार मजाक कहकर बात को टाल दिया, लेकिन रविवार शाम इसी अफवाह ने उसे मुसीबत में डाल दिया। गौरव अपने दो सहपाठियों दिविज बहल और गौरवेंद्र सिंह के साथ स्कूटी से घूमने निकला था। राधाकृष्ण मंदिर के पास ईको कार आकर रुकी और उसमें सवार बदमाशों ने तीनों को जबरन उठा लिया। चलते वाहन में गौरव को घंटों धमकाया गया और मोबाइल से यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिये 60 हजार रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर लिए गए। आरोप है कि बदमाशों के साथ उसका सहपाठी दिविज बहल भी शामिल था। दिविज ने ही पिता और उसके दोस्त कपिल को फोन कर 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी और धमकी दी कि पुलिस को सूचना दी तो बेटे की जान ले लेगा। एमबीबीएस छात्र के हॉस्टल से लापता होने की सूचना में तलाश में जुटी पुलिस की गाड़ियां देखकर अपहर्ता गौरव को सड़क किनारे छोड़ फरार हो गए। पुलिस जांच में सामने आया कि गौरव के अपहरण की साजिश दिविज बहल ने ही रची थी। वह काफी कर्ज में डूबा है। कर्ज चुकाने के लिए उसने गौरव के अपहरण की साजिश रची थी।

सैलानियों को बाघिन संग दो शावकों के हुए दीदार

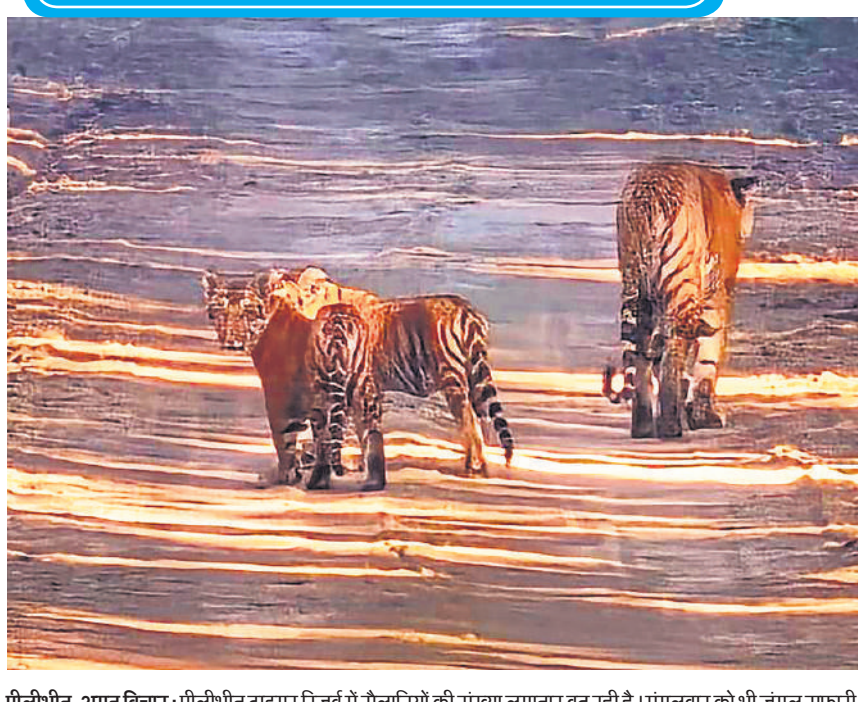

पीलीभीत, अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में सैलानियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मंगलवार को भी जंगल सफारी की गई। इस दौरान सैलानियों को बाघिन दो शावकों के साथ चहलकदमी करते दिखाई दी। यह नजारा देख सैलानियों ने वीडियो बनाया और शेयर भी किया है। बता दें कि मंगलवार को दोनों शिफ्टों में 300 से अधिक सैलानी पहुंचे। रेंजर सहेंद्र यादव ने बताया कि जंगल सफारी की बुकिंग में तेजी आई है। सैलानी जंगलों और बाघों के दीदार के लिए पहुंच रहे हैं।

जानवरों का शिकार रोकने शुरू की एंटी स्नेयर वॉक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे इलाकों समेत अन्य स्थानों पर वन्यजीवों का शिकार करने के लिए लगाए गए फंदों के मामले सामने आने के बाद टाइगर रिजर्व प्रशासन सजग हुआ है। सभी रेंजों में जंगल सीमा से सटे इलाकों में सघन गश्त के साथ ही अब फंदों की खोजबीन के लिए एंटी स्नेयर वॉक शुरू की गई है। वन अफसरों के नेतृत्व में महोफ रेंज में जंगल एवं जंगल सीमा से सटे इलाकों में एंटी स्नेयर वॉक के जरिए फंदों की खोजबीन की गई।

26 सितंबर को कलीनगर तहसील क्षेत्र के नगरिया कट के समीप एक तेंदुआ फंदे में फंस गया था। शासन से अनुमति मिलने के बाद करीब चार घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद तेंदुआ को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया गया था। हालांकि तेंदुआ की देर रात पिंजड़े में ही उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में 6 आरोपियों के विरुद्ध केस भी दर्ज किया गया था। इसके बाद 1 नवंबर को शहर से सटे मरौरी ब्लॉक के गांव लदपुरा में एक तेंदुआ फंदे में फंसा पाया गया था। इस तेंदुआ को भी ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया गया था। दोनों घटनाओं में लोहे के तार के बने फंदे का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ ही 17 अक्टूबर को रुटीन गश्त के दौरान बराही रेंज की टीम ने सीमावर्ती क्षेत्र में एक खेत में 75 रेशम के फंदे बरामद किए थे। इस मामले में एक आरोपी को भी हिरासत में लिया था। इधर सर्दी के मौसम में अवैध शिकार के बढ़ने की आशंका और लगातार वन्यजीवों के फंदे (स्नेयर) में फंसने की घटनाएं सामने आने के बाद टाइगर रिजर्व प्रशासन सजग हुआ है। इसको लेकर रेंजों में एंटी स्नेयर वॉक के निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में महोफ रेंज में वन अफसरों के नेतृत्व में एंटी स्नेयर वॉक की गई। इस दौरान टीम ने जंगल एवं जंगल से सटे इलाकों में फंदे और जाल आदि की खोजबीन की। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि एंटी स्नेयर वॉक महोफ के अलावा माला एवं बराही रेंज में कराई जाएगी।

महोफ रेंज के सीमा पर एंटी स्नेयर वॉक के दौरान फंदों की खोजबीन करते वनकर्मी।

- महोफ रेंज में संवेदनशील स्थानों पर की गई फंदों की खोजबीन, माला व बराही भी तैयारी
- पिछले दिनों दो तेंदुओं के फंदे में फंसने की घटनाओं के बाद शुरू हुई कवायद

यह होती है एंटी स्नेयर वॉक

एंटी स्नेयर वाक जंगल समेत जंगल सीमा में शिकार के लिए बिछाए गए फंदों को खोज कर उनके हटाने के लिए एक अभियान है। इसका उद्देश्य अवैध शिकार को रोकना और जंगली जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। वन अफसरों के मुताबिक एंटी स्नेयर वॉक के दौरान एक चुंबकयुक्त छड़ी का प्रयोग किया जाता है।

वाटर वर्क्स से हटाई जाएंगी कूड़े की गाड़ियां

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बरातघर निर्माण के लिए शासन से मिला है 10 करोड़ का बजट

अमृत विचार : वाटर वर्क्स में बन रहे बरातघर को लेकर वहां खड़ी होने वाली सफाई विभाग की कूड़ा गाड़ियों को हटाने का आदेश दे दिया गया है। इससे पहले वहां बिछी पानी की लाइन को भी शिफ्ट किया जा रहा है। गाड़ी हटाने को आदेश मिलते ही सफाई विभाग की मुश्किलें खड़ी हो गई है। वाहनों को चार से पांच जगह पर खड़ा किया जा रहा है। फिलहाल अभी जगह निर्धारित नहीं हो सकी है।

नगरपालिका की ओर से शहरवासियों के लिए बरातघर की सौगात मिल रही है। बरातघर के लिए शासन की ओर से 10 करोड़ बजट जारी किया है। जिसका निर्माण सीएनडीएस करा रही है। इसका निर्माण वाटर वर्क्स में खाली पड़ी जगह पर बन रहा है, लेकिन सीएनडीएस ने काम चालू कराने से पहले वहां खड़े पेड़ और बिछी पुरानी पाइप लाइन को शिफ्ट करने के लिए पालिका को पत्राचार किया था। इसके बाद नगरपालिका ने विचार करते हुए पाइप लाइन शिफ्टिंग करने के निर्देश दिए थे। साथ ही पेड़ कटान की अनुमति भी दे दी गई। मगर अब वहां खड़ी होने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉली, जेसीबी मशीन, कैटल कैचर, मैजिक, ई-रिक्शा आदि को भी हटाने के लिए कहा गया है। कार्यदायी संस्था का कहना है कि वहां वाहन हटाने के बाद ही निर्माण कार्य शुरु हो सकेगा। इसके बाद नगरपालिका की ओर से बोर्ड बैठक में मदीनाशाह में खाली पड़ी जगह में खड़े करने का प्रस्ताव पारित किया गया था।

हादसों में मां-बेटे समेत सात घायल

बीसलपुर, अमृत विचार: सड़क हादसों में मां-बेटे समेत सात लोग घायल हो गए। बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव गाजीपुर कुंडा निवासी हरिपाल पत्नी गीता देवी और बेटे यश के साथ बाइक से गांव जा रहे थे। बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम पकड़िया मंगली मोड़ के पास पहुंचते ही सामने से आ रही दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। दूसरी बाइक से पुरैनिया गांव का विजय प्रताप चला रहा था। दोनों बाइकों पर सवार लोग घायल हो गए। इसके अलावा ग्राम मंडरा सुमन निवासी सुनील कुमार अपने साथी कुंवरसेन और अशोक कुमार बाइक से बीसलपुर से लौट रहे थे। बीसलपुर बरेली मार्ग पर ग्राम भड़रिया मोड़ के पास ग्राम कासिमपुर निवासी कपिल कुमार की बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार घायल हो गए, घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया।

पूरनपुर में निकाली गई जनजागरूकता रैली

पूरनपुर में निकाली गई जागरुकता रैली। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: नगर पालिका परिषद पूरनपुर एवं सोशियो वाइटल नेटवर्क फाउंडेशन के संयुक्त बैनर तले मंगलवार को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता रैली निकाली गई। नगरवासियों में स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त वातावरण और कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया गया।

रैली की शुरुआत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पूरनपुर से की गई, जो कि तिरंगा चौराहा, रेलवे स्टेशन, वार्ड नंबर 17 होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में आकर संपन्न हुई। छात्राएं, प्रधानाचार्या जाहिदा खातून, शिक्षक और पालिका के सफाई कर्मियों ने भाग लिया। ये बताया स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह हर नागरिक का दायित्व है। जब हर व्यक्ति अपने आसपास सफाई की जिम्मेदारी लेगा, तभी हमारा नगर वास्तव में स्वच्छ और सुंदर बनेगा।

सामूहिक विवाह समारोह में आज 541 जोड़ों की होंगी शादियां

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- ड्रमंड कॉलेज स्थित समारोह स्थल में 21 मुस्लिम जोड़ों का भी होगा निकाह
- एडीएम न्यायिक ने अफसरों संग पहुंचकर परखीं तैयारियां, दिए दिशा निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बुधवार को 541 जोड़ों की सामूहिक शादियां होंगीं। सामूहिक विवाह समारोह को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिम्मेदार मंगलवार देर शाम तक समारोह स्थल पर तैयारियों में जुटे देखे रहे। एडीएम न्यायिक ने अफसरों के साथ समारोह स्थल पर पहुंचकर तैयारियां परखीं और संबंधितों को निर्देश भी दिए।

प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग के साथ ही सामान्य वर्ग की गरीब बेटियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना संचालित की जा रही है। इस बार शासन ने प्रति जोड़ा एक लाख की धनराशि खर्च करने का निर्णय लिया है। इसमें 60 हजार रुपये कन्या के खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगें। इसके अलावा 25 हजार रुपये की उपहार सामग्री पर खर्च किए जाएंगें। साथ ही सामूहिक विवाह के आयोजन पर 15 हजार रुपया प्रति जोड़ा खर्च किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में 466 बेटियों की शादी कराने का लक्ष्य तय किया है। इसके सापेक्ष निर्धारित तिथि तक 2450 आवेदन प्राप्त हुए थे। सत्यापन में 2086 आवेदन पात्रता के श्रेणी में पाए गए। जबकि शेष आवेदनों को निरस्त कर दिया गया। इस बार जिला प्रशासन द्वारा 2086 जोड़ों की शादियां एक ही स्थान पर न कराकर विधानसभावार शादी समारोह आयोजित कराने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में पहला सामूहिक विवाह समारोह बुधवार को शहर के ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित किया जा रहा है। इसमें बरखेड़ा विधानसभा के ब्लाक बरखेड़ा, मरौरी समेत नगर पंचायत बरखेड़ा और न्यूरिया हुसैनपुर क्षेत्र के जोड़े शामिल होंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी चंद्र मोहन विश्नोई के मुताबिक विवाह समारोह में कुल 541 जोड़ों की शादियां बुधवार को होने वाले सामूहिक विवाह समारोह में कराई जाएगी। इसमें 21 मुस्लिम जोड़ों का भी निकाह मुस्लिम रीति रिवाज से संपन्न कराया जाएगा।

गोमांस तस्करों तक नहीं पहुंच सकी पुलिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- तीन दिन से चल रही सुरागरसी के बाद मिले सुरागों पर पड़ताल

अमृत विचार: बरेली सीमावर्ती क्षेत्र में गोकशी की घटना का तीन दिन बाद भी खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस जांच के नाम पर भागदौड़ कर रही है। जिम्मेदार सिर्फ जल्द खुलासे और कुछ इनपुट मिलने का पुराना राग अलाप रहे है।

बता दें कि बरखेड़ा - नवाबगंज मार्ग पर बरेली जनपद की सीमा से सटे क्षेत्र में देवहा नदी के किनारे रविवार को कई बोरे पड़े मिले थे, जिनसे दुर्गंध आ रही थी। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची थी। इस दौरान मामला गोकशी का निकला था। पहले दिन मौके पर मिले चार बोरे में गोवंशीय पशु के अवशेष मिले थे। कुछ बोरे बरेली सीमावर्ती इलाके में क्योलड़िया थाना क्षेत्र में भी बताए गए। इसके बाद दूसरे दिन भी अवशेष बरामद हुए थे। जिसने एक बार फिर बरखेड़ा क्षेत्र में गोमांस तस्करों की दस्तक को उजागर कर दिया। मामले में पहले निचले स्तर पर सीमावर्ती क्षेत्र होने के चलते बरेली में टालने पर भी जोर रहा। वहीं, अवशेष गोवंश के है या नहीं। इस पर भी प्रश्नचिन्ह लगाकर बचाव तलाशा गया। मगर, बड़ी मात्रा में गोवंश के अवशेष बरामद होने पर कारवाई करनी पड़ गई। अब तीन दिन बाद भी गोमांस तस्करों तक पुलिस के हाथ नहीं पहुंच सके है। इधर, अधिकारी खुद मॉनिटरिंग कर रहे है। जनपद ही नहीं, पूर्व में भी सक्रिय रहे बाहरी तस्करों पर भी पड़ताल चल रही है। थाना स्तर से तीन और एसओजी व सर्विलांस कुल पांच टीम सुरागरसी को लगाई है। जिम्मेदारों के पास एक ही जबाव है कि टीमों को कुछ इनपुट मिला है और काम चल रहा है। जल्द खुलासे की बात कही जा रही है।

पुलिस और पब्लिक की जान ले चुके है तस्कर

गोमांस तस्करों के जिले में सक्रिय होने का कोई नया मामला नहीं है। नेपाल और उत्तराखंड की सीमा से सटे इस जनपद में पूर्व में भी पशु और गोमांस की तस्करी होती रही है। खास बात है कि तस्कर पुलिस ओर पब्लिक की जान लेने से भी पीछे नहीं रहे। 2017 के बाद सत्ता परिवर्तन हुआ तो ग्राफ गिरा लेकिन पूर्णतया घटना नहीं रुकी। पीलीभीत जहानाबाद रोड पर दो पुलिसकर्मियों की जान ले ली गई थी वहां बिलसंडा क्षेत्र में भी गोमांस तस्करों ने रुकावट डालने पर एक ग्रामीण की जान ले ली थी। उस वक्त तमाम कार्रवाई चली। इसके अलावा पुलिस आए दिन पुलिस पर फायरिंग करने के मामले खुद अफसर गुडवर्क में गिनाते रहे है। फिलहाल इस प्रकरण में तीन दिन में कोई खास कार्रवाई या निर्णय नहीं हो सका है।

गोकशी के मामले में अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज है। थाना स्तर की तीन और एसओजी व सर्विलांस टीम भी सुरागरसी कर रही है। कुछ इनपुट मिला है, इस पर काम चल रहा है। जल्द खुलासा किया जाएगा। - **प्रमेंद्र कुमार**, इंस्पेक्टर बरखेड़ा

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 12 नवंबर 2025

पीलीभीत

100 मीटर दौड़ में मधु प्रथम, पायल रही द्वितीय

एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता संपन्नः वालीबॉल में उच्च प्राथमिक विद्यालय दलेलगंज रहा प्रथम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः अमरिया ब्लॉक की एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता बढ़ेपुरा जूनियर हाईस्कूल के मैदान में कराई गई। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि अमरिया ब्लॉक प्रमुख श्याम सिंह उर्फ निशान सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कराई।

बालक वर्ग 50 मीटर दौड़ में सरैनी के आयुष प्रथम, फरदिया के आरिफ द्वितीय, 100 मीटर दौड़ में तिकुनिया के आयुष प्रथम , कैमोर के अंकुश यादव द्वितीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ में कटैया के अरुण प्रथम, बड़वार के पवन द्वितीय स्थान पर रहे। प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में सरैनी की मधु प्रथम,कटैया की पायल द्वितीय, 400 मीटर में भूड़ा की कविता प्रथम, करगैना की रेनू द्वितीय स्थान पर रही। वालीबॉल में उच्च प्राथमिक विद्यालय दलेलगंज प्रथम, उच्च प्राथमिक विद्यालय परेवा वैश्य द्वितीय स्थान पर रही। कबड्डी प्रतियोगिता में दलेलगंज स्कूल के छात्र-छात्राएं प्रथम स्थान पर रहे। विजेता छात्र-छात्राओं को ब्लॉक प्रमुख और खंड शिक्षा अधिकारी उमेंद्र दत्त त्रिपाठी ने सम्मानित किया। इस मौके पर प्रवीन शुक्ला,राजेश मिश्रा,राजीव पांडे,शमशाद अहमद, बागीश, राजेश शुक्ला, आलोक जायसवाल, छत्रपाल सिंह, मलकीत सिंह, देवेन्द्र सिंह, शिशुपाल सिंह, दिलीप कुमार, कृष्ण कुमार सागर, राजेश, भानु प्रताप, संजीव कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे।

दौड़ प्रतियोगिता में शामिल छात्राएं। ● अमृत विचार

दो दिवसीय स्पोर्ट्स मीट का समापन

पीलीभीत, अमृत विचार : स्प्रिंगडेल कॉलेज में दो दिवसीय वार्षिक स्पोर्ट्स मीट स्कोर फेस्ट का समापन हुआ। कार्यकारी निदेशक डॉ .हेमन्त जगोता, प्रधानाचार्य प्रिया आनंद ने विजेताओं को सम्मानित किया। रिले रेस में सब जूनियर वर्ग-ब्रह्मपुत्र हाउस प्रथम, गंगा हाउस द्वितीय और गोदावरी हाउस तृतीय रहा। जूनियर वर्ग से गोदावरी हाउस प्रथम, ब्रह्मपुत्र हाउस द्वितीय, यमुना हाउस तृतीय रहा। सब-सीनियर बालिका वर्ग में गंगा हाउस, सीनियर वर्ग में गोदावरी हाउस ने बाजी मारी। सीनियर बालक वर्ग में गंगा हाउस, सैकरेस सब जूनियर वर्ग में ब्रह्मपुत्र हाउस जीता। शटल रेस बालक वर्ग में प्रिंस, विकास, विराटे और बालिका वर्ग में चंदना, खुशी, रवनीत कौर विजेता बनीं। 800 मीटर दौड़ में सुखमनजीत प्रथम, सुधीर द्वितीय रहे। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

रामलुभाई में आज लगेगा स्वास्थ्य शिविर

पीलीभीत, अमृत विचार : मिशन शक्ति एवं अटल बिहारी वाजपेयी शताब्दी कार्यक्रम के तहत रामलुभाई साहनी राजकीय महिला महाविद्यालय में मंगलवार को एक कार्यक्रम हुआ। इसमें बताया गया कि सीएमओ के निर्देश पर बुधवार को स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाएगा। इसे लेकर छात्राओं को जागरूक किया गया। एड्स के प्रति जागरुक करते हुए बताया कि यह रोग असावधानी, गलत धारणाओं और जानकारी की कमी से फैलता है। एड्स के संक्रमण के कारणों, लक्षणों और बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। इससे बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है सुरक्षित यौन व्यवहार, स्वच्छता एवं समय-समय पर स्वास्थ्य जांच। यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत इस शिविर में एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी सहित अन्य स्वास्थ्य जांच की जाएंगी।

भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, शासन से कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- विहिप के संगठन मंत्री को एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने का मामला
- 48 घंटे से अधिक समय बाद भी इस प्रकरण में कोई एक्शन नहीं लिया गया

अमृत विचारः विहिप के संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ के खिलाफ एडीएम वित्त की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट और गिरफ्तार कर जेल भेजने के मामले में अब भाजपा नेता दीपक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। जिसमें इस कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए शासन स्तर से ठोस कदम उठाने की मांग की है।

विश्व हिंदू परिषद के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश परिषद सदस्य भाजपा दीपक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में बताया कि पीलीभीत में प्रशासन ये भी नहीं देख रहा कि किसके खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है।

विश्व हिंदू परिषद के विभाग संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। गोपनीय तरीके से आनन-फानन में कार्रवाई करने की बात कही। ये सवाल उठाया कि एक संगठन मंत्री द्वारा किसी अधिकारी को शिकायत के लिए प्रार्थना पत्र देना क्या कोई गुनाह है?

उनका कहना है कि इस संबंध में प्रशासन को भी पत्र लिखा था लेकिन 48 घंटे से अधिक समय बाद भी इस प्रकरण में कोई एक्शन नहीं लिया गया है। उन्होंने शासन स्तर पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। विश्व हिन्दू परिषद के नेताओं का कहना है कि अधिकारी मनमानी करके सरकार की छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रहे है। इस तरह सरकार को जल्द ध्यान देना होगा अन्यथा संगठन और सरकार दोनों को नुकसान उठाना पड़ेगा। अधिकारियों को कार्रवाई करने से पहले पूरी तरह से जांच पड़ताल करनी चाहिए थी।

पुलिस ने हटाई संगीन धाराएं, जमानत मंजूर

बता दें कि एडीएम वित्त ऋतु पूनिया की ओर से कई संगीन धाराओं में कोतवाली सदर में विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। जिसमें प्रिंस गौड़ को कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया था। तबीयत बिगड़ने के बाद मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया था। बताते हैं कि तीन दिन चले विरोध के बीच विवेचक के द्वारा रंगदारी समेत संगीन धाराएं मुकदमे से हटा दी गई। जिससे कुछ राहत भी मिली है। न्यायालय में सुनवाई के बाद प्रिंस गौड़ की जमानत भी मंजूर हो गई है।

प्रतिस्पर्धी युग में कौशल विकास अत्यंत आवश्यक

पीलीभीत, अमृत विचारः राजकीय इंटर कॉलेज पौटा कलां में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के द्वारा प्रवीन नामक परियोजना के अंतर्गत एक नए स्किल डेवलपमेंट सेंटर का उद्घाटन किया गया।

मुख्य अतिथि ललौरीखेड़ा ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार ने फीता काटकर केंद्र की शुरुआत कराई। कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है। छात्रों से आह्वान किया कि वे तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दें। ट्रेनर सचिन कुमार ने विद्यार्थियों को इंटरनेट ऑफ थिंग्स के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा छात्रों को सलाह दी कि इंटरनेट का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें। बैंक संबंधी ओपीडी किसी को किसी कीमत न पर बताए। प्राचार्य हामिद अली ने भी विचार रखे।

दुर्गा जागरण में भक्तों की उमड़ी भीड़

देवी जागरण में पहुंचे भक्त। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचारः शहर के मोहल्ला खकरा में श्रीमहावीर शिव मंदिर पर सोमवार रात कार्यक्रम हुआ।

श्रीमहानुराग दुर्गा जागरण मंडल की ओर से 49वां मां भगवती का जागरण करवाया गया। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। देर रात तक माता के भजनों की गूंज रही। भक्तों ने भजन गाए और अपने व परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस दौरान मनमोहक झांकियों की प्रस्तुति भी दी गई। इस मौके पर श्याम कुमार देवल , स्वतंत्र देवल, अशोक कुमार, शालू राठौर, नितिन कश्यप, नितिन भारती, सागर देवल, नंदलाल राठौर, गोविंद कश्यप, रिंकू कश्यप, प्रतीक सक्सेना, राहुल सक्सेना, सौरभ माथुर, विजय राना, पप्पू भारती, मनोज आर्य आदि मौजूद रहे। दूसरे दिन मंगलवार को भंडारा कराया गया। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

सोनपाल हत्याकांड के आरोपी को आजीवन कारावास

विधि संवाददाता, पीलीभीत। अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट अनु सक्सेना ने सोनपाल हत्याकांड की सुनवाई के बाद थाना बिलसंडा क्षेत्र के गांव नवदिया रामपुर अमृत निवासी रमेश चंद्र पुत्र रामाधार को हत्या का दोषी पाते हुए उम्रकैद और 40500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

थाना बिलसंडा क्षेत्र के गांव नवदिया रामपुर अमृत के रहने वाले फूलचंद पुत्र केसरी लाल ने थाना बिलसंडा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि उसके 52 वर्षीय भाई सोनपाल गांव के बाहर 30 मार्च 2023 को शौच के लिए गए थे। परिवार का भतीजा आरोपी रमेश चंद्र उनके भाई को गाली देने लगा। गाली देने से मना किया तो रमेश चंद्र ने भाई के सिर पर लाठी से वार किए। भाई को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने विवेचना के बाद आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मामले की सुनवाई स्पेशल जज ईसी एक्ट अनु सक्सेना की अदालत में हुई। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली का परिशीलन करने के बाद आरोपी रमेश चंद्र को सोनपाल की हत्या का दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

उत्पाती बंदरों को पकड़वाने की मांग

पीलीभीत,अमृत विचारः क्षेत्र में बंदरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह बंदन न केवल छतो बल्कि खेतों और गार्डेन में पहुंचकर नुकसान पहुंचा रहे है। यदि इन्हें कोई भगाने जाता है तो आक्रोशित होकर हमला कर देते हैं। स्थानीय लोगों ने बंदरों को पकड़वाने की मांग की है।

न्यूज डायरी

स्थापना दिवस पर कॉलेज में कराया गया हवन पूजन

दियोरियाकलां, अमृत विचार : एजीएम इंटर कॉलेज बिहारीपुर हीरा में मंगलवार को 13वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। हवन पूजन कराया गया। बताया गया कि ड्रमंड कॉलेज के सेवानिवृत्त उपप्रधानाचार्य एलपी गंगवार ने 11 नवंबर 2012 को एजीएम इंटर कॉलेज की बिहारीपुर हीरा की स्थापना की थी। वर्तमान में कक्षा 9 से 12 तक छात्र छात्राओं की संख्या करीब 1100 है। हवन में आहुतियां दी गई। हवन पूजन पंडित अरुण मिश्रा ने संपन्न कराया।

इस मौके पर संस्थापक एलपी गंगवार,अध्यक्ष इंद्रजीत गंगवार, प्रबंधक सर्वेश गंगवार, प्रधानाचार्य पंकज कुमार गंगवार, उपप्रधानाचार्य ओविद प्रकाश शुक्ला, कार्यालय अधीक्षक सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

जतिन बने हेड ब्याय

पीलीभीत, अमृत विचार : स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल बल्लभ नगर में मंगलवार को अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम स्कूल के चेयरमैन आरके धवन, निदेशिका चारू धवन और मुख्य अतिथि महिला थानाध्यक्ष रीता कुमारी ने संयुक्त रुप से शुरुआत कराई। सभी चयनित बच्चों को हेड ब्याय, हेड गर्ल, कैप्टन को बैच व शैशे प्रदान किए गए। हेड ब्याय जतिन श्रीवास्तव, हेड गर्ल आराध्या पांडेय, स्पोर्टस कैप्टन आयुष सोनकर, यूनिटी हाउस कैप्टन अनंत गुप्ता, वाइस कैप्टन दक्ष, विजडम हाउस कैप्टन कैलिश, वाइस कैप्टन शौर्य, करेज हाउस कैप्टन अर्थव ,वाईस कैप्टन हार्दिक , इंटीग्रीटि हाउस कैप्टन अर्पित सिंह , वाईस कैप्टन उत्कर्ष , अनुशासन इंचार्ज वर्तिका को बनाया गया।

क्षतिग्रस्त सड़कों का हो सुधार

बीसलपुर, अमृत विचार : भारत परिषद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को एसडीएम नागेंद्र पांडेय को ज्ञापन सौंपा। जिसमें क्षेत्र की जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की गई। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में बताया कि दो माह पूर्व क्षेत्र में हुई भारी बारिश और बाढ़ के कारण कई सड़के उखड़ गई। जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए। जिन्हें अभी तक ठीक नहीं कराया गया है, न ही सड़कों की मरम्मत हो सकी है। इन खराब सड़कों के कारण विद्यार्थियों, कर्मचारियों व आम जनमानस को आवागमन में दिक्कत आ रही है। गड्ढों के चलते मरीज को अस्पताल ले जाते वक्त परेशानी होती है। इनकी जल्द मरम्मत कराई जाए।

दूसरे चरण के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

बिलसंडा, अमृत विचार : पढ़ाई भी पोषण भी अभियान के तहत बाल विकास विभाग की ओर से चलाए जा रहे प्रशिक्षण के दूसरे चरण का समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम ब्लॉक स्थित अटल सभागार में संपन्न हुआ। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को छह वर्ष तक के बच्चों के पोषण,देखभाल और उनकी शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए कई बिंदुओं पर प्रशिक्षित किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के साथ साथ प्रारंभिक शिक्षा दिया जाना अनिवार्य है। इसके साथ ही साफ सफाई का ध्यान रखना चाहिए। बच्चों में संतुलित आहार और फलों को खिलाने आदि की आदत को विकसित करना चाहिए। इस दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी सुरभि सक्सेना ने भी विचार रखे।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. अहमद अली अंसारी — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास — एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा. निशान्त गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. रहबर इदरीश — बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ
डा. राजा गुप्ता — बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.
उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये नि:शुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

न्यूज ब्रीफ

पीएचसी में दवाएं नहीं होने से मरीज परेशान

भीरा, अमृत विचार : दुधवा नेशनल पार्क के किशनपुर सेंचुरी के आसपास बसी आबादी के साथ शारदा नदी के दर्जनों ग्रामों के कटान पीड़ित मरीज इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर निर्भर है, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण जहां उन्हें दवाई नहीं उपलब्ध हो पा रही हैं। वही टूटे और चादर रहित बेड पर मरीज को रुकना पड़ता है। अस्पताल की प्रतिदिन की ओपीडी 70 से 80 मरीजों की होती है। प्रभारी डॉक्टर ओवैस अहमद का कहना है यहां फार्मासिस्ट काफी दिनों से नहीं है। लैब टेक्नीशियन का पद रिक्त है। सफाई कर्मी वर्षों से नहीं है। नर्सों के दो पदों में एक पद खाली है। महिला चिकित्सक की भी तैनाती नहीं है। दवा का स्टॉक समय पर मुख्यालय से नहीं आ पा रहा है। ऐसे में मरीजों के जीवन को बचाने के लिए बाहर से दवा लिखना मजबूरी है।

गोली मारकर युवक को किया घायल

पसगवां, अमृत विचार : पसगवां थाना क्षेत्र के ग्राम मुल्लापुर में सोमवार की रात लगभग आठ बजे गांव में ही बंद पड़े स्कूल के पीछे गांव के सलमान पुत्र रफीक को कुछ दबंगों ने गोली मार कर घायल कर दिया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोली सलमान की जांघ में लगी। घायल के भाई अरमान ने गांव के रिंकू, अजीत, रंजीत और विकास के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। गोली मारने का कारण पता नहीं चल सका है, लेकिन माना जा रहा है कि बंद पड़े स्कूल के पीछे कोई न कोई विवाद हुआ होगा। घायल सलमान को सीएचसी लाया गया जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

औषधि निरीक्षक का मेडिकल स्टोर पर छापा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के सिनेमा रोड स्थित एक मेडिकल स्टोर पर औषधि निरीक्षक ने पुलिस की मौजूदगी में देर शाम निरीक्षण कर स्टॉक रजिस्टर और अन्य अभिलेख जांचे। औषधि निरीक्षक बबीता रानी ने सिनेमा रोड स्थित एक मेडिकल स्टोर पर शाम चार बजे से देर शाम तक तमाम अभिलेख, बिल व अन्य प्रपत्र देखती रही। शाम सात बजे तक भी वह मेडिकल स्टोर से बाहर नहीं आई, जिससे अन्य किसी प्रकार की जानकारी नहीं हो पाई। औषधि निरीक्षक के निरीक्षण से नगर के अन्य मेडिकल स्टोर वाले भी सकते में आ गए। इसी मेडिकल स्टोर पर 14 अक्टूबर को भी ड्रग इंस्पेक्टर ने पुलिस टीम के साथ छापा डालकर लाखों रुपए की प्रतिबंधित दवाएं बरामद की थी और तीन को जेल भी भेजा गया था।

101 बालिकाओं को मिला ड्राइविंग लाइसेंस, डीएम बोलीं- आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत हैं बेटियां

मिशन शक्ति : बेटियों के हाथ में स्टीयरिंग, दिशा और मंजिल दोनों उनकी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिला प्रशासन की पहल पर मिशन शक्ति अब नए मुकाम छू रहा है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अगुवाई में मंगलवार को आयोजित ड्राइविंग माय ड्रीम कार्यक्रम के तहत एआरटीओ ऑफिस में 101 बालिकाओं को निःशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किए गए, जिससे उनके चेहरों पर आत्मविश्वास की चमक झलक उठी। कार्यक्रम का संचालन पीटीओ डॉ. कौशलेंद्र ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीडीओ अभिषेक कुमार के साथ दीप जलाकर व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। समारोह के दौरान जब बेटियों ने अपने ड्राइविंग लाइसेंस ग्रहण किए, तो पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। इस दौरान डीएम ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत चलाए जा रहे ड्राइविंग माय ड्रीम कार्यक्रम में जिले की 101 बालिकाओं को प्रशिक्षित कर ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किया गया है।

अब बेटियों के हाथ में स्टीयरिंग है, यानी दिशा भी उनकी और मंज़िल भी उनकी। डीएम ने कहा कि मिशन शक्ति का मकसद हर बेटी को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सशक्त बनाना है। ये बालिकाएं सड़क पर उतरने से पहले जीवन की राह पर आत्मविश्वास के साथ कदम बढ़ा रही हैं। डीएम ने संदेश दिया कि ड्राइविंग सिर्फ स्किल नहीं, आत्मविश्वास की उड़ान है। अब बेटियां खुद चलेंगी, खुद आगे बढ़ेंगी और नई प्रेरणा बनेंगी।

नि:शुल्क ड्राइविंग लाइसेंस देने के दौरान बालिकाओं के साथ डीएम और सीडीओ।

सिम्युलेटर पर स्टीयरिंग थाम ड्राइविंग की बारिकियां समझतीं बालिकाएं। ● अमृत विचार

डीएम ने दिलाया सड़क सुरक्षा का संकल्प

कार्यक्रम में डीएम ने बालिकाओं को सड़क सुरक्षा का संकल्प दिलाया। कहा कि सफर चाहें छोटा हो या लंबा, शुरुआत हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट से करें। नियमों का पालन ही असली स्मार्टनेस है। डीएम ने बेटियों को प्रेरित किया सुरक्षित चलो, आगे बढ़ो, और दूसरों के लिए मिसाल बनो।

सिम्युलेटर पर बालिकाओं ने सीखी ड्राइविंग की बारीकियां

ड्राइविंग माय ड्रीम कार्यक्रम के तहत सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में जनपद की बालिकाओं ने ड्राइविंग सिम्युलेटर पर कार चलाना सीखा। सिम्युलेटर पर रफ्तार पकड़ते हुए बालिकाओं ने न सिर्फ स्टीयरिंग थामी बल्कि ट्रैफिक सिग्नल, क्लच, ब्रेक, गियर और सड़क सुरक्षा के अहम नियमों को भी बारीकी से समझा। बालिकाओं ने कहा कि यह उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव था। पहली बार स्टीयरिंग थामकर लगा कि अब हम भी खुद अपनी मंजिल तक पहुंच सकती हैं।

महिला के घर में घुसकर तोड़फोड़ और मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र के गांव खैरटिया गांव खैरटिया निवासी अमरजीत कौर ने बताया कि घटना सोमवार की दोपहर करीब 2 बजे की है। पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही अक्की कौर, लाड़ो कौर, गुरमीत सिंह, विन्दर सिंह, गुरनाम सिंह, रंजीत सिंह, सतनाम सिंह, गज्जन सिंह, बिट्टू सिंह अपने पांच अज्ञात साथियों के साथ लाठी-डंडे लेकर घर में घुस आए।

आरोप है कि सभी ने घर में घुसकर गालियां दीं और कुर्सी व बर्तन आदि तोड़फोड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर उसे लात-घूंसों व डंडों से मारा-पीटा और थाने में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। घायल महिला ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज कुशवाहा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। घायल महिला का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

विधायक के पैतृक आवास पर चली जेसीबी

छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर की जद में आने पर विधायक ने स्वयं गिरवाया पैतृक मकान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर निर्माण के लिए दुकानों, मकानों और धर्मशालों को ध्वस्त करने के बाद सिर्फ वीआईपी गेट में बाधा बन रहे विधायक अमन गिरि के पैतृक आवास कुछ हिस्से को भी जेसीबी से ढहा दिया गया। हालांकि प्रशासन की यह कार्रवाई विधायक अमन गिरि और उनके ताऊ जनार्दन गिरि की सहमति और उनकी मौजूदगी में की गई। यह मकान करीब एक साल पहले चिन्हित किया गया था, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही थी, जिसकी चर्चाएं हो रहीं थीं।

69.14 करोड़ रुपये की लागत से दिसंबर 2024 से ध्वस्तीकरण अभियान से शुरू हुए शिव मंदिर कॉरिडोर के हो रहे कार्यों में रविवार शाम मुख्य प्रवेश द्वार के लिए खड़े गए पिलरों पर छत डाली गई। रिटेनिंग वॉल पर स्टील फ्रेमिंग का भी कार्य कराया जा रहा है, जिन पर लाल पत्थर लगाए जाएंगे। परियोजना में सौंदर्यीकरण की जद में आने पर जिन मंदिरों को परिसर से हटाया गया है, उन्हें पौराणिक शिव मंदिर के पीछे स्थापित कराया जाएगा। 11 मंदिरों के लिए नींव, पिलर का कार्य पौराणिक शिव मंदिर के पीछे कराया जा रहा है। कॉरिडोर परिक्षेत्र में श्रद्धालुओं के विश्राम, शौचालय, पीने के पानी सहित प्रकाश, पार्किंग की व्यवस्था रहेगी, इसके लिए भी निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है। परियोजना के कार्य मार्च 2026 तक पूरे होने है। कॉरिडोर विकसित होने पर छोटी काशी की एक अलग पहचान होगी, जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

कॉरिडोर की जद में आने पर विधायक के मकान को गिराती जेसीबी। ● अमृत विचार

गोला में मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर डाली जा रही छत। ● अमृत विचार

मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिने दिव्यांगों के लिए छोटा गेट रहेगा

यूपीपीसीएल की कार्यदायी संस्था के जेई नितिन सिंह ने बताया कि मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिने दिव्यांगों के लिए चार फीट चौड़ा छोटा गेट रहेगा, जिस पर उनके सहजता से निकलने के लिए स्लोब बनवाया जाएगा और प्रवेश द्वार के बाई और चार फीट चौड़े छोटे द्वार पर जन सामान्य के लिए आने जाने के लिए स्टेप्स बनवाए जाएंगे। बताया कि मुख्य प्रवेश द्वार सामान्य दिनों में बंद रहेगा। सावन माह और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने वाले दिनों में तीनों गेट उनकी की सुविधा के लिए खुले रहेंगे।

20 फिट ऊंचे बने मुख्य प्रवेश द्वार पर डाली गई छत

गोला गोकर्णनाथ। छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर सौंदर्यीकरण के निर्माण में स्टेशन रोड पर बन रहे 20 फीट ऊंचे प्रवेश द्वार के लिए खड़े गए पिलरों पर छत डाली गई। जनहित की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कार्यदाई संस्था ने स्टेशन रोड से पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग को अस्थाई रूप से बंद करवा दिया है। मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिनी, बांए चार-चार फीट चौड़ाई के दो छोटे गेट भी बनाए जाएंगे। छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर निर्माण कार्यों से जनमानस को अब यह लगने लगा है कि कहां पर क्या बनाया जाएगा। अब लोगों को इसकी भव्यता भी दिखने लगी है। स्टेशन रोड पर बनाल रहे प्रवेश द्वार पर छत डालने, छत पर डिजाइन पत्थर का कार्य होना है, इसको ध्यान में रखकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए कार्यदाई संस्था ने पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले लोगों के लिए यह मार्ग अस्थाई रूप से बंद करवा दिया है। इस आशय का बैनर भी मुख्य प्रवेश द्वार पर बाहर लगवा दिया गया है।

देश की कंपनियों में रोजगार मिलने से प्रशिक्षणार्थियों के खिले चेहरे

संवाददाता, पसगवां

● बीडीओ मोहित कौशिक ने नियुक्ति पत्र एवं सर्टिफिकेट किए वितरित

अमृत विचार: डीसीएम श्रीराम स्किल एकेडमी से प्रशिक्षण के बाद देश की तीन प्रमुख कंपनियों में रोजगार मिलने से प्रशिक्षणार्थियों के चेहरे खिल उठे। इन्हें एक समारोह में मुख्य अतिथि खण्ड विकास अधिकारी पसगवां मोहित कौशिक ने नियुक्ति पत्र एवं सर्टिफिकेट वितरित किए।

कौशल विकास मिशन के लिए डीसीएम श्रीराम फाउंडेशन की डीसीएम श्रीराम स्किल एकेडमी में इलेक्ट्रिकल एवं सोलर तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाता है। दो माह के प्रशिक्षण का संचालन प्रथम एजूकेशन संस्था कर रही है। इसी क्रम में फ्रेश बैच के 26 प्रशिक्षण प्राप्त युवकों को देश की तीन प्रमुख कंपनियों डीबीजी प्राइवेट लिमिटेड हरियाणा, टाटा मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड गुजरात और वीके एंटरप्राइजेज नागपुर महाराष्ट्र में रोजगार प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि से छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

सेंटर हेड सत्यवीर सिंह ने बताया कि 11 प्रशिक्षणार्थियों को टाटा मोटर्स में रोजगार मिला है। बीडीओ पसगवां मोहित कौशिक ने प्रशिक्षण प्राप्त युवकों से कुछ सवाल पूछे। अजबापुर चीनी मिल के एचआर हेड केएन राय ने बताया कि स्किल एकेडमी का मुख्य उद्देश्य युवाओं को व्यावसायिक दक्षता प्रदान कर उन्हें रोजगार के लिए सक्षम बनाना है। समाजसेवी पत्रकार शेर सिंह राठौर ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम कीर्ति वर्मा और पवन कुमार भी उपस्थित रहे।

रोजगार प्राप्त प्रशिक्षणार्थी को नियुक्ति पत्र और प्रमाण पत्र देते बीडीओ मोहित कौशिक।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद नेपाल बॉर्डर पर बढ़ी सुरक्षा, पलिया-संपूर्णानगर में की चेकिंग

नगर की सड़कों पर जांच करने को पुलिस टीम के साथ निकले सीओ पलिया। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

● बॉर्डर पर आने-जाने वाले वाहनों की हो रही कड़ी निगरानी

अमृत विचार: दिल्ली कार ब्लास्ट के बाद नेपाल सीमा पर जहां सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। वहीं पलिया और संपूर्णानगर में पुलिस द्वारा निगरानी बढ़ाते हुए वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

सोमवार को दिल्ली में हुए एक कार धमाके में 11 लोगों की मौत के बाद शासन- प्रशासन के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर भारत- नेपाल सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। पलिया शहर में सीओ जितेंद्र सिंह परिहार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष पलिया पंकज त्रिपाठी ने पुलिस बल के साथ शहर की सड़कों पर गस्त कर वाहनों की जहां चेकिंग की, वहीं संपूर्णानगर पुलिस द्वारा भी सीमा पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके अतिरिक्त चंदन चौकी, गौरीफंटा, संपूर्णानगर थाना क्षेत्रों में नेपाल सीमा से लगे इलाकों में गस्त तेज कर दी गई है। इसके अलावा नेपाल सीमा पर बनी सशस्त्र सीमा बल की सभी चौकियों के जवान भी लगातार निगरानी कर रहे हैं।

नेपाल जाने वाले प्रत्येक मार्ग तथा जंगली रास्तों से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सघन तलाशी ली जा रही है।

गौरीफंटा बॉर्डर पर चार नेपाली नागरिक गिरफ्तार

संवाददाता, पलिया कलां

● महाराष्ट्र से चोरी 616.9 ग्राम सोना एवं 780.8 ग्राम चांदी बरामद

● महाराष्ट्र क्राइम ब्रांच की सूचना पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई

अमृत विचार: गौरीफंटा ट्रेड एंड ट्रांजिट रूट पर सोमवार देर रात विशेष चेकिंग अभियान के दौरान एसएसबी ने महाराष्ट्र क्राइम ब्रांच से प्राप्त इनपुट पर कार्रवाई करते हुए चार नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 616.9 ग्राम सोना और 780.8 ग्राम चांदी बरामद की गई। अनुमान है कि यह कीमती धातुएं महाराष्ट्र के किसी आभूषण प्रतिष्ठान से चोरी की गई हैं, जिन्हें नेपाल में खपाने की तैयारी थी।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान दीपक नरसिंह गेरुआ, नेपाल, भुवन सिंह चेलौने बिजोरिया, सुर्खेत, नेपाल, जीवन कुमार थारू वार्ड-2, कैलाली, नेपाल तथा खेमराज कुलपति देवकोटा वार्ड-3, कैलाली, नेपाल के रूप में हुई है। चारों नेपाल में प्रवेश की फिराक में थे, तभी एसएसबी ने उन्हें सीमा पार करने से पहले ही दबोच लिया। अभियान का नेतृत्व उप-कमांडेंट (प्रचालन) विजयेंद्र कुमार तथा सहायक कमांडेंट विशन दास ने किया। यह कार्रवाई द्वितीय कमान अधिकारी एवं कार्यवाहक कमांडेंट माधव चंद्र घोष के निर्देशन में की गई। संयुक्त अभियान में गौरीफंटा पुलिस व महाराष्ट्र पुलिस की टीम भी शामिल रही। एसएसबी अधिकारियों के टीम ने बरामद माल और चारों आरोपियों को विधिक कार्रवाई के लिए गौरीफंटा थाना पुलिस और महाराष्ट्र पुलिस को सौंप दिया है।

चीनी मिल का चक्का घूमा, लगने लगा जाम

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर की सड़कों तक दुकानदारों द्वारा अस्थाई अतिक्रमण के कारण चलना मुश्किल था। अब बजाज चीनी मिल के चलने से प्रतिदिन नगरवासियों को भारी जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालयों की छुट्टी के समय यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे स्कूली बच्चों, अभिभावकों तथा राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

नगर की मोहम्मदी रोड, लखीमपुर रोड, अलीगंज रोड, खुटार रोड और मिल रोड पहले से ही अतिक्रमण के कारण संकीर्ण हो गई थी। दुकानदार सड़क तक सामान लगाकर यातायात प्रभावित करते हैं। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की मांग पर भी नगर में काफी समय से अतिक्रमण हटाओ अभियान नहीं चलाया गया, जिससे प्रमुख चौराहों पर जाम आम बात हो गई है। चीनी मिल ने भी प्रमुख स्थानों पर यातायात नियंत्रण के लिये अपने सुरक्षाकर्मी नहीं लगाये हैं, जिससे गन्ना भरे वाहनों की आवक होने से नगर में जाम की स्थिति बनती है। भारतीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष अनूप गुप्ता ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए बजाज चीनी मिल के अधिकारियों से विकास चौराहा सहित प्रमुख स्थानों पर विद्यालयों की छुट्टी के समय सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ाने की मांग की है, ताकि यातायात सुचारू रूप से संचालित रहे और बच्चे समय से अपने घर पहुंच सकें।

गोला के विकास चौराहे पर लगी जाम। ● अमृत विचार

● नगर की सड़कें पहले से ही हैं अतिक्रमण की चपेट में

जनपद भर में मतदेय स्थलों की सूची जारी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों की सूची जारी कर दी गई है। यह सूची सोमवार को प्रकाशित की गई थी। इस पर 18 नवंबर तक सुझाव और आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि सभी एसडीएम ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आने वाले मतदेय स्थलों का सम्भाजन पूर्ण कर लिया है। विधानसभा क्षेत्र 137-पलिया, 138-निघासन, 139-गोला गोकरननाथ, 140-श्रीनगर (अ.जा.), 141-धौरहरा, 142-लखीमपुर, 143-कस्ता (अ.जा.) तथा 144-मोहम्मदी के सभी मतदेय स्थलों की सूची तैयार कर 10 नवंबर 2025 को प्रकाशित कर दी है। यह सूची निःशुल्क निरीक्षण हेतु संबंधित तहसील कार्यालयों, जिला निर्वाचन कार्यालय और ऑनलाइन डीईओ पोर्टल पर उपलब्ध है। जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम ने बताया कि किसी मतदेय स्थल के निर्धारण को लेकर किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति या सुझाव हो तो 18 नवंबर 2025 तक संबंधित एसडीएम कार्यालय या जिला निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है।

बस की टक्कर से पांच वर्षीय बालक की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना ईसानगर क्षेत्र के पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर मंगलवार दोपहर तेज रफ्तार बस की टक्कर से 5 वर्षीय बालक की मौत हो गई। थाना क्षेत्र के हसनापुर निवासी मुनीम अपनी पत्नी और 5 वर्षीय बेटे निर्मल के साथ बाइक से कस्बा खमरिया दवा लेने गए थे। शाम करीब 3 बजे वे घर लौट रहे थे कि बोझिया गांव के पास अचानक अज्ञात कारणों से निर्मल बाइक से नीचे गिर गया। उसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने बच्चे को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ईसानगर निर्मल तिवारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। दुर्घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

दुधवा के जंगल से निकले हाथियों ने 10 एकड़ गन्ना रौंदा

संवाददाता, मझगईं

● किसानों को भारी नुकसान, वन विभाग ने बढ़ाई पेट्रोलिंग

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क के जंगल से निकले हाथियों के एक झुंड ने सोमवार की रात चौखड़ा फार्म में जमकर तबाही मचाई। झुंड ने किसानों की खेतों में खड़ी करीब दस एकड़ गन्ने की फसल को रौंदकर तहस नहस कर डाला। सुबह बर्बाद फसल को देखकर किसान फफक पड़े।

दुधवा टाइगर रिजर्व से सोमवार की रात करीब आठ बजे हाथियों का झुंड जंगल से बाहर निकल आया। झुंड में करीब 12 हाथी थे। हाथियों के झुंड ने मझगई वन रेंज क्षेत्र के चौखड़ा फार्म के पास स्थित खेतों में जमकर उत्पात मचाया। किसानों की खेतों में तैयार खड़ी करीब दस एकड़ गन्ने की फसल रौंद डाली। सुबह किसान जब खेतों को पहुंचे तो फसल बर्बाद देख वह फफक पड़े।

हाथियों ने चरण सिंह की डेढ़ एकड़, सरजीत सिंह, दलबीर सिंह, तारा सिंह, सतविंदर सिंह और गुरमीत सिंह की एक-एक एकड़ व समीर पांडे की दो एकड़ गन्ने की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। किसानों का कहना है कि मेहनत से तैयार की गई फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थी, लेकिन हाथियों ने एक ही रात में सब बर्बाद कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार जंगल से सटी भूमि होने के कारण इस तरह की घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर खेतों में पहुंच जाता है और किसानों के महीनों की मेहनत पर पानी फेर देता है।

उधर सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षति का निरीक्षण किया। वन क्षेत्राधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि रात लगभग 9 बजे 12 से 15 हाथियों का झुंड जंगल से बाहर आया था, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद रात एक बजे तक खदेड़कर वापस जंगल में भेजा गया।उन्होंने कहा कि किसानों की फसलों का सर्वे कराया जा रहा है और लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही हाथियों की गतिविधियों की निगरानी के लिए पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। किसानों ने प्रशासन से तत्काल मुआवजे की मांग करते हुए इस तरह की घटनाओं पर स्थायी रोकथाम के उपाय किए जाने की मांग की है।

खेतों में हाथियों द्वारा रौंदी गई गन्ने की फसल। ● अमृत विचार

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 12 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

घर में लटका मिला युवक का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला बक्सा मार्केट निवासी 36 वर्षीय सौरभ मंगलवार की सुबह घर पर अकेला था। उसकी मां काम से कहीं बाहर गई हुई थी। सौरभ ने घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। किसी को घटना की भनक तक नहीं लगी। कुछ देर बाद जब उसकी मां घर वापस पहुंची तो बेटे का शव लटकते देखा तो चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव नीचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आत्महत्या के कारणों की पुलिस जांच कर रही है।

संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की गई

भीरा, अमृत विचार : दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान तेज कर दिया है। इंस्पेक्टर गोपाल नारायण सिंह ने लखीमपुर भीरा, मैलानी-पलिया हाईवे पर मैलानी चौराहे के साथ नहर चौराहा बस्तौला चौराहा पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की। दुधवा पार्क और गौरीफंटा के रास्ते धनगढ़ी नेपाल की ओर आने जाने वालों की तलाशी ली। इसके बाद ही उन्हें जाने दिया गया। चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा।

आपसी बंटवारे में मारपीट का आरोप

केशवापुर, अमृत विचार : हैदराबाद थाना की ढकवा चौकी क्षेत्र के गांव सकेथू निवासी अनुपम मिश्रा पत्नी अमित मिश्रा ने अपने व दो नाबालिक बेटियों के साथ घर की जमीन को लेकर गांव के ही मुचकुंद मिश्रा पुत्र अजय मिश्रा, अजय मिश्रा, सुशील मिश्रा पुत्र रामलखन मिश्रा पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है, जिसकी लिखित तहरीर थाना हैदराबाद में दी है। चौकीइंचार्ज खेमेन्द्र कुमार ने बताया कि दोनों पक्ष एक ही परिवार के हैं, एक ही घर में रह रहे हैं। बंटवारे को लेकर विवाद है।

आज होगा स्कूल में वार्षिक मेला

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के बांकेगंज रोड स्थित जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में वार्षिक मेला 12 नवंबर बुधवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। विद्यालय के एमडी अतुल अग्रवाल ने बताया कि 12 नवंबर को विद्यालय में वार्षिक मेला 12 .30 बजे से शाम पांच बजे तक होगा, जिसमें बच्चे पेंटिंग, गेम्स, फूड स्टॉल्स आदि लगाकर मेले को भव्य और आकर्षक बनाएंगे। इसमें बच्चों के साथ उनकी मम्मी, दादी और अन्य लोगों को स्टॉल लगाने के लिए प्रवेश नि :शुल्क है।

खेल महोत्सव युवाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम

गोला खेल महोत्सव के 11वें दिन कृषक समाज इंटर कॉलेज सीनियर टीम ने 7-0 से हॉकी मैच जीता

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित युवा शक्ति का उत्सव गोला खेल महोत्सव के 11वें दिन हॉकी, ताइक्वांडो प्रतियोगिता कराई गई। कृषक समाज इण्टर कॉलेज के मैदान में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रविप्रकाश वर्मा, पूर्व चयनकर्ता एसजीपीआई उप्र हॉकी विश्वनाथ सिंह, पूर्व नेशनल हॉकी खिलाड़ी ईश्वर चन्द्र तिवारी, पूर्व हॉकी खिलाड़ी नियामत उल्ला, खेल महोत्सव संयोजक श्याममूर्ति शुक्ला, अधिशाषी अधिकारी संजय कुमार एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने दीप प्रज्वलित कर हॉकी प्रतियोगिता का आरंभ किया। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि गोला खेल महोत्सव नगर की युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम है। राष्ट्रगान के साथ हॉकी मैच शुरू हुआ।

पहला हॉकी मैच कृषक समाज जूनियर और सीनियर के मध्य खेला गया, जिसमें सीनियर ने सातवें मिनट में प्रिंस गुप्ता ने फील्ड गोल किया। आठवें मिनट में मोहसिन ने फील्ड गोल किया। सुनील कुमार ने फील्ड कॉल किया और 17वें मिनट में अक्षय सिंह ने फील्ड कॉल किया। कृषक समाज इंटर कॉलेज सीनियर टीम ने 7-0 से यह मैच जीत लिया।

फाइनल मैच टाउन हाल क्लब गोला और कृषक समाज सीनियर के मध्य खेला गया, जिसमें टाउन हाल क्लब गोला ने 9-1 से जीत हासिल की। हॉकी अम्पायर मकसूद अली, पुनीत गुप्ता, टीवी स्कोरर कपिल वर्मा, टाइमकीपर सरोज वर्मा टेक्निकल अम्पायर राजर्षि शुक्ला, राजकुमार, अतुल कुमार रहे।

दूसरी प्रतियोगिता अनिल वर्मा नवीन बाईपास के कोर्ट में बैडमिंटन प्रतियोगिता के द्वितीय दिन का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी केशव अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि गुरु हरिकिशन डिग्री कालेज के प्राचार्य डॉ. निर्मल सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विजय माहेश्वरी, खेल महोत्सव संयोजक श्याममूर्ति शुक्ला एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने दीप प्रज्वलित कर बैडमिंटन प्रतियोगिता के दूसरे दिन का आभारंभ किया। बैडमिंटन खेल प्रभारी दुर्गेश सक्सेना, गोपाल सक्सेना, सुफियान खान, अनिल वर्मा आदि रहे।

तीसरी प्रतियोगिता जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल में शतरंज की हुई, जिसमें ओपन वर्ग में त्रिवेनी वाजपेयी ने सात राउंड में सातों जीत कर 07 प्वाइंट अर्जित कर गोला खेल महोत्सव शतरंज के बादशाह बनें। दूसरे स्थान पर 06 प्वाइंट के साथ मयंक सक्सेना, तीसरे स्थान पर 05 प्वाइंट के साथ रामप्रकाश शुक्ला रहे। वेटरन में केएम वर्मा चैम्पियन बने, उनके 07 में 06 प्वाइंट रहे।

अंडर 10 में अभय मिश्रा प्रथम 05 प्वाइंट, अरव भार्गव, आराध्या शुक्ला द्वितीय 3-3 प्वाइंट, अंडर 15 में अक्षज सैनी प्रथम 5.5 प्वाइंट, आयुष्मान सिंह, अंश प्रताप सिंह द्वितीय 5 प्वाइंट, अंडर 20 में आराध्या वर्मा प्रथम 06 प्वाइंट, यश शुक्ला द्वितीय 5.5 प्वाइंट, अविरल सक्सेना तृतीय 05 प्वाइंट और महिला वर्ग में शिवानी देवी 2.5 प्वाइंट के साथ प्रथम रहीं।

गोला में हॉकी की विजेता टीम के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

कृषक समाज कॉलेज में हॉकी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते पूर्व सांसद रविप्रकाश वर्मा।

गोला खेल महोत्सव में आज

नगर पालिका परिषद द्वारा कराये जा रहे खेल महोत्सव में स्व. राजेंद्र गिरि स्मारक स्टेडियम में एथलेटिक्स प्रतियोगिता प्रातः नौ बजे और अनिल वर्मा के बैडमिंटन कोर्ट में बैडमिंटन प्रतियोगिता शाम छह बजे से।

समस्याओं को लेकर दिव्यांगजनों की यूनियन में आक्रोश

संवाददाता, बांकेगंज

● ब्लॉक अध्यक्ष सर्वेश कुमार अर्कवंशी की अध्यक्षता में हुई बैठक

अमृत विचार: विकास खंड के प्रांगण में ब्लॉक अध्यक्ष सर्वेश कुमार अर्कवंशी की अध्यक्षता में दिव्यांग यूनियन की बैठक हुई, जिसमें दिव्यांगों ने शासन प्रशासन द्वारा उनकी समस्याओं का समाधान न किए जाने पर आक्रोश जताया।

ब्लॉक अध्यक्ष सर्वेश कुमार अर्कवंशी ने कहा कि 30 जून से 5 जुलाई तक दिव्यांगों की समस्याओं को लेकर गोला अशोक चौराहे के पास इंदिरा पार्क में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर शासन प्रशासन को दिव्यागों की समस्याओं से अवगत कराते हुए प्रत्येक दिव्यांग को अंत्योदय राशन कार्ड, मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास तथा मुद्रा ऋण का लाभ दिलाने की मांग की थी। इसके अलावा भूमिहीन दिव्यांगों को भूमि का पट्टा दिए जाने की मांग की गई थी, परन्तु आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। जिससे पूरे जनपद के दिव्यांगों में मायूसी है। एक तरफ तो सरकार दिव्यांगों के हितैषी होने का दावा करती है। दूसरी तरफ उनकी समस्याओं पर ध्यान भी नहीं दे रही है। सत्ता में बैठे लोगों को दिव्यांगों की समस्याओं को समझना चाहिए तथा इस बात का प्रयत्न करना चाहिए कि वह भी समाज में सम्मानजनक जीवन जी सके। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष सर्वेश कुमार अर्कवंशी, हबीब, सुरेंद्र कुमार मौर्य, नराथन, मिथिलेश कुमारी, सिद्धार्थ, कामिल खान आदि मौजूद रहे।

बांकेगंज की बैठक में मौजूद दिव्यांग यूनियन के सदस्य। ● अमृत विचार

मौत बनकर दौड़ रहे गन्ना के ओवरलोड वाहन

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: ब्लॉक बिजुआ क्षेत्र में लगातार हाईवे पर गन्ना भरे ओवरलोड ट्रक व ट्रैक्टर के साथ दो ट्रॉलियों को जोड़कर चल रहे हैं, जो हादसों का सबब बन रहे हैं, लेकिन प्रशासन और पुलिस जानबूझकर इन वाहनों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। इससे दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है।

क्षेत्र में स्थित गुलरिया चीनी मिल को लेकर दूर दराज लगे सेंटरों और नजदीक लगे सेंटरों से ट्रकों में ओवरलोड गन्ना भरकर पहुंच रहे हैं, जिससे हाईवे पर चल रहे राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं ट्रैक्टर के साथ डबल ट्रालियों में भी ओवरलोड गन्ना भरकर चीनी मिल ले जाया जाता है। इन वाहनों पर भरा गन्ना कभी-कभार सड़क पर गिर जाता है। इससे लोग घायल हो जाते हैं।

भानपुर में लखीमपुर-भीरा हाईवे पर गुजरते ओवरलोड वाहन। ● अमृत विचार

● सड़कों पर थाने व चौकियों के सामने से गुजरते हैं, हो रही अनदेखी

पिछले पेराई सत्र में भी ट्रकों से अचानक गन्ना गिरने से लोग चोटिल हो चुके हैं, जबकि चीनी मिल के शुभारंभ के दौरान मिल प्रशासन और जिला प्रशासन चेतावनी भी देता है कि ओवरलोड और ओवर हाइट गन्ना भरकर न चले और रिफ्लेक्टर का प्रयोग करें, फिर भी इन आदेशों को यह लोग ताक पर हुए हैं और जबकि हाईवे पर प्रशासनिक अधिकारी भी गुजरते हैं, लेकिन उनकी नजर यमराज बनकर दौड़ रहे ट्रक व ट्रैक्टर डबल ट्रालियों पर नहीं जाती है।

इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रशासन के कहीं न कहीं उदासीनता से इनके हौसले बुलंद हो रहे हैं। बिजुआ चौकी इंचार्ज रमेश सिंह सेंगर ने बताया कि जल्द ही इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जो भी ओवरलोड वाहन पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उर्स में तीसरे दिन भी बड़ी संख्या में पहुंचे अकीदतमंद

रोशननगर, अमृत विचार: कस्बा रोशननगर में रविवार से मौलवी साहब बाबा का चार दिनी सालाना उर्स शुरू हुआ। तीसरे दिन बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने मजार पर चादरपोशी की और मन्नतें मांगीं। मजार परिसर भक्तिभाव और कौमी एकता के माहौल से सराबोर हो गया। मेले में दूर दूर से आए दुकानदारों ने खिलौनों, चूड़ियों, इत्र, मिठाई और सजावटी सामान की दुकानें सजाई हैं। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले अन्य खेल-खिलौने भी लगाए गए हैं, जिससे पूरे इलाके में रौनक छा गई है। लोगों ने बताया कि मौलबी साहब बाबा का उर्स हर साल आपसी भाईचारे और सौहार्द्र का संदेश देता है, जिसे देखने आसपास के दर्जनों गांवों और शहरों से भी काफी संख्या में लोग आते हैं। मजार पर चादर पोशी कर फातिहा कराते हैं, जिससे तीसरे दिन मेले मे काफी भीड़ रही।

पटेल जयंती के उपलक्ष्य में निकाली पदयात्रा

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को पदयात्रा का आयोजन किया गया। मढ़िया बाजार से प्रारंभ हुई यात्रा पकरिया जलालपुर तक पहुंची, जहां इसका समापन जनसभा के रूप में हुआ। पदयात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों समेत तमाम लोग शामिल हुए।

मुख्य अतिथि पवन सिंह, सदस्य विधान परिषद सीतापुर रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व राज्यसभा सांसद जुगल किशोर ने की। आयोजन का नेतृत्व क्षेत्रीय विधायक सौरभ सिंह सोनू ने किया। मंच पर भूमि विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष सुरजन लाल वर्मा भी मौजूद रहे। विधायक सौरभ सिंह सोनू ने मुख्य अतिथियों का माल्यार्पण और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

एमएलसी पवन सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल न केवल भारत के पहले गृहमंत्री और उप प्रधानमंत्री थे, बल्कि उन्होंने देश की 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत की नींव रखी। वे सच्चे अर्थों में 'भारत की एकता के शिल्पकार' थे। अध्यक्ष जुगल किशोर ने कहा कि सरदार पटेल किसानों और मजदूरों के हक़ की आवाज़ थे।

उन्होंने आजादी की लड़ाई में संघर्ष करते हुए हमेशा देश की एकता और अखंडता को सर्वोपरि रखा। कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ल, सूरजलाल वर्मा और अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे।

सभा स्थल पर भाजपा नेता प्रदीप शुक्ला, पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजीव वर्मा, पूर्व प्रधान दिनेश मास्टर, पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक शुक्ला, पग्गू तिवारी, सुरेश वर्मा, कस्ता मंडल अध्यक्ष जितेंद्र शुक्ल, मन्नालाल राठौर (मितौली), राम मोहन गुप्ता (मैगलगंज), सुधाकर बाजपेई, अमित सिंह, गौरव सिंह मोनू, सर्वेश सिंह, राजेंद्र मिश्रा गन्ना समिति अध्यक्ष मैगलगंज, प्रधान दिलीप सिंह मुन्ना आदि मौजूद रहे।

पद यात्रा निकालते भाजपाई व क्षेत्रवासी। ● अमृत विचार

● भाजपा कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि हुए शामिल

शैक्षणिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों का किया सम्मान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: आरएम ज्ञानदायिनी इंटर कॉलेज राजाजीपुरम, राजापुर में मंगलवार को विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कॉलेज के प्रबंधक राकेश वर्मा एडवोकेट ने विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया।

उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई कर विद्यालय व अभिभावकों का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। ऐसे आयोजनों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी माध्यम के कोऑर्डिनेटर आशीष सिंह ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और विजेताओं का उत्साहवर्धन किया।

प्रतिभागी छात्राओं को पुरस्कार देते प्रबंधक राकेश वर्मा। ● अमृत विचार

● कॉलेज प्रबंधक राकेश वर्मा ने बढ़ाया छात्रों का उत्साह

छेदुई पतिया में मतदाता सूची अद्यतन कार्य तेजी पर

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: विकासखंड निघासन क्षेत्र के ग्राम पंचायत छेदुई पतिया में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत मतदाता सूची के अद्यतन का कार्य तेजी से जारी है।

बीएलओ और लेखपाल घर-घर एवं दुकानों पर जाकर गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। साथ ही लाउडस्पीकर से लोगों को गणना पत्रक भरने व जरूरी प्रमाण संलग्न करने की जानकारी भी दी जा रही है। अभियान के तहत हर पात्र नागरिक का नाम सही और पूर्ण रूप से मतदाता सूची में दर्ज किया जाना है। बीएलओ टीम ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त कर रही है और उन्हें प्रपत्र सही तरीके से भरने के निर्देश भी दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे वे लोग भी सूची में शामिल हो सकेंगे जो अब तक वंचित थे या जिनकी जानकारी अधूरी थी।

● बीएलओ और लेखपाल घर-घर जाकर कर रहे जन जागरुकता

लाउडस्पीकर से गणना पत्रक का प्रचार करता ई रिक्शा।

स्टेटमेंट न देने और अधिक राशि वसूलने का आरोप

केशवापुर, अमृत विचार: थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव सुजानपुर निवासी दयाराम पुत्र बैजनाथ ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर फाइनेंस कंपनी के खिलाफ शिकायत की है। दयाराम ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने उनकी बाइक की किस्तों का स्टेटमेंट नहीं दिया और अधिक धनराशि वसूलने की कोशिश कर रही है। दयाराम का कहना है कि उन्होंने नवम्बर में किस्तों का भुगतान किया था, लेकिन कंपनी ने अभी तक उनका स्टेटमेंट नहीं दिया है। उन्होंने 7 नवम्बर को कंपनी के ऑफिस में जाकर स्टेटमेंट मांगा, लेकिन कंपनी ने उन्हें गोलमाल जवाब देकर परेशान किया। कंपनी उनसे तीन किस्तों की अधिक धनराशि वसूलने की कोशिश कर रही है।

चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: जंगबहादुरगंज स्थित एसआर डिग्री कॉलेज में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए। डिग्री कालेज ने केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज जंगबहादुरगंज के कक्षा 11 और 12 के छात्रों की चित्रकला प्रतियोगिता चार विषयों पर कराई थी।

इनमें दुर्गा पूजा, स्वच्छ भारत अभियान, बुराई पर अच्छाई की जीत और सड़क सुरक्षा विषय पर चित्र बनाने थे। इसमें 38 छात्रों ने प्रतिभाग किया था। इस प्रतियोगिता में पहले स्थान पर मनप्रीत कौर, दूसरे स्थान पर रंजना गुप्ता और तीसरे स्थान पर पलक रहीं। एसआर डिग्री कॉलेज के प्रबंधक प्रज्ञांशु गर्ग ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए। इस मौके पर डिग्री कालेज के शिक्षक अरविंद कुमार और केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य हरिश्चंद्र भी मौजूद रहे।

पहला स्थान प्राप्त मनप्रीत कौर को पुरस्कृत करते प्रज्ञांशु गर्ग।

बाढ़ प्रभावित गांव गुजारा में लगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर

गुजारा में ग्रामीणों को दवाई लिखते डॉ. कौशल वर्मा। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● बुखार, खांसी, जुकाम, हड्डियों की तकलीफ सहित सैकड़ों मरीजों का किया उपचार

अमृत विचार: ब्लॉक बिजुआ के अंतर्गत आने वाले बाढ़ प्रभावित गांव क़रसौर में ट्रॉमा सेंटर के संस्थापक डॉ. कौशल वर्मा की ओर से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर निःशुल्क दवाएं दी गईं।

शिविर में डॉ. कौशल वर्मा के साथ उनकी टीम के सदस्य सौरभ बाजपेई ने भी भूमिका निभाई और सैकड़ों मरीजों का परीक्षण कर निःशुल्क दवाइयां वितरित कीं। सैकड़ों ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य की जांच कराई, जिनमें बुखार, खांसी, जुकाम, हड्डियों की तकलीफ, त्वचा रोग और अन्य सामान्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों को विशेष परामर्श दिया गया।

ई-रिक्शा पलटने से दिव्यांग युवक की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: सीतापुर जिले के थाना हरगांव क्षेत्र के गांव मकसूदपुर निवासी दोनों पैरों से दिव्यांग शिव प्रसाद (35) सोमवार की शाम हरगांव अपनी परचून की दुकान का सामान लेने गया था। वह ई-रिक्शा में सवार होकर घर वापस आ रहा था। गोढापुर के पास ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे शिव प्रसाद उसके नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

वहीं उसके गांव के ही ई-रिक्शा चालक रजनीश को हल्की-फुल्की खरोंच आई। घायल शिव प्रसाद को जिला अस्पताल ओयल लाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

झांसी, बहराइच और अमन सपोर्टिंग क्लब की टीमें जीतीं

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचार: सिंगाही कस्बे में चल रहे महारानी सुरथ कुमारी स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन मंगलवार को स्थानीय फुटबॉल ग्राउंड पर तीन रोमांचक मुकाबले खेले गए। दिनभर चले मुकाबलों में झांसी, बहराइच, और अमन सपोर्टिंग क्लब की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

पहला मैच सनराइज सिंगाही और झांसी टीम के बीच खेला गया। पहले हाफ में सनराइज सिंगाही के खिलाड़ी राहिद ने 36वें मिनट में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन दूसरे हाफ में झांसी के खिलाड़ी ज्ञानेंद्र ने 6वें मिनट में गोल कर मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 रहने पर मुकाबला टाईब्रेकर में गया, जिसमें झांसी ने 3-1 से जीत हासिल की। दूसरा मुकाबला गौतम स्पोर्टिंग क्लब और डीएफए बहराइच के बीच हुआ।

दोनों हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी, लेकिन पेनाल्टी शूटआउट में बहराइच ने 4-3 से जीत दर्ज की। तीसरा मैच खैराबाद और अमन सपोर्टिंग क्लब के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया, मगर कोई गोल नहीं कर पाईं। ट्राईब्रेकर में अमन सपोर्टिंग क्लब ने 4-3 से मैच अपने नाम किया। टूर्नामेंट के महामंत्री शिखर तिवारी ने बताया कि बुधवार को सुबह 10 बजे से तीन मुकाबले खेले जाएंगे। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह, अमरजीत सिंह, डॉ. एमआर सेठी, श्रीराम सिंह, यशोदानंदन मिश्रा, मोहम्मद हारुन, रमा शाह, पराक्रम शाह, सभासद रामनरेश गुप्ता, राहुल गुप्ता, ध्रुव कुमार, यशोदानंदन मिश्रा, प्रभात शुक्ला, नरेंद्र गुप्ता, सूरज कनौजिया सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। दर्शकों ने शानदार फुटबॉल मुकाबलों का भरपूर आनंद लिया।

खेल मैदान में गोल करने के लिए भिड़ती झांसी और सिंगाही टीम। ● अमृत विचार

● सिंगाही के फुटबॉल ग्राउंड पर खेले गए तीन रोमांचक मुकाबले

● महारानी सुरथ कुमारी स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट का तीसरे दिन

महारानी सुरथ कुमारी स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन मैच देखने के लिए उमड़ी भीड़।

न्यूज ब्रीफ

वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना सिंगाही क्षेत्र में बेलरायां मार्ग पर गांव मोतीपुर के पास वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक चला रहे थाना सिंगाही क्षेत्र के गांव फरदहिया निवासी जलील अहमद घायल हो गए। पुलिस ने घायल को सीएचसी निघासन भेजा, जहां से उसे जिला अस्पताल भेजा है। बताया जाता है कि घायल जलील अहमद गांव मोतीपुर से अपने घर जा रहा था।

भाकियू का बिलोबी में धरना 18 को

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष बाबा सर्वजीत सिंह पटेल ने बताया कि किसानों के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान, वर्तमान पेराई सत्र का गन्ना मूल्य 500 रुपये घोषित करने, निजामपुर गांव में आंबेडकर पार्क का सौंदर्यीकरण कराने, पात्र एवं निर्धन व्यक्तियों को सरकारी आवास दिलाने आदि को लेकर लखीमपुर के बिलोबी मैदान में भारतीय किसान यूनियन का 18 नवंबर को किसान पंचायत व धरना प्रदर्शन होगा। उन्होंने इसमें अधिक से अधिक किसानों के पहुंचने की अपील की है।

सड़क दुर्घटना में पांच लोग घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर की खुटार रोड पर मुरादपुर के निकट बाइक और कार भिड़ंत में महमदपुर निवासी बाइक सवार परशुराम (52) और पत्नी राजकुमारी (48) गंभीर घायल हो गए। खुटार के प्रसादपुर निवासी मीसा देवी (60) पत्नी पूरनलाल, नीमगांव थाना क्षेत्र के रायपुर घुंसी निवासी रीतू (32), जुलेखा (25) घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से राजकुमारी और जुलेखा को डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सड़क किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मंगलवार सुबह राहगीरों ने नवादा इंदेपुर में बाल गृह के सामने एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक की उम्र 40 साल है। पुलिस लाइन से फील्ड यूनिट मौके पर पहुंची और जांच करके नमूना लिया। आस-पास के लोगों ने बताया कि मृतक इधर-उधर घूमता था और मानसिक मंदित था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सिपाही के साथ ससुराल में मारपीट

ससुरालीजन गर्भवती पत्नी का गर्भपात कराने का डाल रहे थे दबाव

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- विरोध पर पीटा, मोबाइल व पर्स लूटने का सिपाही ने लगाया आरोप

अमृत विचार : जनपद बलरामपुर में तैनात एक सिपाही के साथ ससुराल में मारपीट, लूटपाट और जान से मारने के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़ित सिपाही ने कई ससुरालीजनों पर गर्भवती पत्नी का गर्भपात कराने का दबाव डालने, विरोध करने पर पिटाई करने, मोबाइल और पर्स लूटने सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

सीतापुर जिले के थाना इमलिया के गांव कोरैय्या उदयपुर निवासी ललित कुमार पुलिस विभाग में सिपाही है। वह वर्तमान समय में पुलिस लाइन बलरामपुर में तैनात है। उसने पुलिस अधीक्षक बलरामपुर को दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी 6 मार्च 2024 को लखीमपुर खीरी जिले के थाना खीरी के गांव सदुलहापुर निवासी रजनी उर्फ शिल्पी के साथ हुई थी। वह 09 अक्टूबर 2025 से 7 दिन के आकस्मिक अवकाश पर अपने घर आया था। 13 अक्टूबर को अपनी पत्नी रजनी उर्फ शिल्पी को विदा कराने ससुराल सदुलहापुर गया था।

सिपाही के अनुसार, ससुराल पहुंचते ही साले गिरीशचंद्र उर्फ संतोष, साली रिंकी, पत्नी रजनी, सास कुशुमा देवी, चचेरे साले रमेश व कन्हैया, उनकी पत्नियां प्रियंका व गुंजा, अंशिका व उनकी माता ने एकजुट होकर पत्नी का गर्भपात कराने का दबाव बनाया। जब उसने इसका विरोध किया तो सभी ने उसे घर में बंद कर गालियां दीं।, डंडों से पीटा और जान से मारने की कोशिश की। साले और साली ने उसका वनप्लस नॉर्ड 2 मोबाइल और पर्स छीन लिया। पर्स में आधार, पैन, एटीएम, डीएल और 8000 रुपये थे।

> सिपाही की तहरीर पर एसपी बलरामपुर के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।
> -निराला तिवारी, एसओ।

शोर सुनकर ग्रामीणों ने दरवाजा तोड़कर उसकी जान बचाई। बाहर आने पर ससुरालीजनों ने गांव वालों के सामने कपड़े फाड़ दिए और अपमानित किया। किसी राहगीर के मोबाइल से उसने यूपी 112 पर कॉल की गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस वालों ने गाड़ी की चाबी दिलाई, लेकिन ससुरालीजनों ने मोबाइल और पर्स लौटाने से मना कर दिया। आरोप है कि साले और उसकी पत्नी ने दहेज के फर्जी केस में फंसाने और नौकरी से निकलवाने की धमकी दी। सिपाही का कहना है कि उसके मोबाइल में पत्नी की गर्भावस्था से संबंधित जांच और ससुरालीजनों की बदसलूकी की रिकॉर्डिंग थी, जिसे अब मिटाने की कोशिश की जा रही है। एसपी बलरामपुर ने थाना खीरी पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए। एसपी के आदेश पर थाना खीरी पुलिस ने सिपाही के साले गिरीशचंद्र उर्फ संतोष, रिंकी, रजनी, कुसुमा, रमेश, कन्हैया, प्रियंका, अंशिका समेत दस लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला, लूटपाट समेत कई गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

रामलीला मेले में मेघनाद-लक्ष्मण संग्राम का किया मंचन

सिंगाही, अमृत विचार: कस्बे में चल रहे रामलीला मेले में मेघनाद व लक्ष्मण के बीच संग्राम का मंचन किया गया। झांकियों में प्रस्तुत की गईं। रामलीला में दिखाया कि सीता हरण के बाद रावण लाख प्रयासों के बावजूद सीता को लौटाने के लिए तैयार नहीं होता। अंततः भगवान श्रीराम को लंका पर चढ़ाई करने का निर्णय लेना पड़ता है। युद्ध के दौरान मेघनाद और लक्ष्मण के बीच भीषण संग्राम हुआ, जिसमें लक्ष्मण मूर्छित हो गए। लक्ष्मण की दशा देखकर भगवान राम गोद में लेकर विलाप करने लगे, जिसे देखकर दर्शकों की आंखें नम हो गईं। इस बीच हनुमान जी सुषेण वैद्य को लेकर लंका से आए। वैद्य के कहने पर बजरंग बली संजीवनी बूटी लेकर आए, जिसे ग्रहण करते ही लक्ष्मण को होश आ गया। इसके बाद मेघनाद का वध हुआ। वध के साथ मेला पंडाल जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा।

पीड़ित मां ने सीएम से लगाई न्याय की गुहार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- पुलिस पर लगाया गवाहों को फर्जी मुकदमे में फंसाने का आरोप

अमृत विचार: कोतवाली की नानक पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम भुसौरिया की निवासी एक पीड़िता ने मुख्यमंत्री को भेजे शिकायती पत्र में पुलिस पर गवाहों को फर्जी मुकदमे में फंसाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

नानक पुलिस चौकी क्षेत्र के भुसौरिया गांव निवासी बेबी पत्नी पप्पी सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कहा है कि 27 अक्टूबर को गांव के होटल में काम कर रहे एक मनोज नाम के व्यक्ति ने 20 रुपये के लेनदेन में उसके 19 वर्षीय बेटे आलोक की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर घायल हो गया।

6 नवंबर को जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। बेबी सिंह ने कहा है कि उन्होंने पुलिस में तहरीर दी थी, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण एफआईआर दर्ज नहीं की गई और न ही डॉक्टरी जांच कराई गई। परिजनों के साथ ग्रामीणों ने सात नवंबर को शव रखकर हाईवे जाम किया तब पुलिस ने उसके भाई पंकज के द्वारा लिखी तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की।

उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस गवाहों पर दबाव बना रही है, उन्हें फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रही है। बेबी सिंह ने मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई है।

> घटना की रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम भी लगाई गई है। इस तरह के पत्र की उन्हें कोई जानकारी नहीं है।
> -रमेश कुमार तिवारी, सीओ गोला।

टेंपो में महिला के पर्स से नकदी समेत जेवर चोरी

संवाददाता निगोही / शाहजहांपुर

अमृत विचार: टेंपो सवार दो महिलाओं ने एक महिला के पर्स की चेन खोलकर नकदी और जेवर चुरा लिए। दोनों महिलाएं रास्ते में टेंपो से उतरकर भाग गयी। निगोही और बीसलपुर पुलिस में सीमा विवाद मचा है। पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

तिलहर थाना क्षेत्र के मोहल्ला बिरियागंज निवासी अखिलेश सक्सेना ने बताया वह पत्नी रमा जौहरी और बेटे के साथ बीसलपुर रिश्तेदारी में गया था। शनिवार दोपहर बाद 4:30 बजे पत्नी और बेटे के साथ टेंपो से निगोही आ रहे थे। रास्ते में दो महिलाए टेंपो में उसकी पत्नी के पास बैठ गई। दोनों ने उसकी पत्नी को बातों में फंसा लिया। चुपके से पर्स की चेन खोलकर नकदी और जेवर निकाल लिया। इसके बाद दोनों रास्ते में टेंपो उतर गई। जब उसकी पत्नी ने किराया देने के लिए पर्स की चेन खोलने लगी तो देखा वह तो पहले से खुली है और उसमें रखी नकदी और जेवर गायब था। यह देखकर उसके होश उड़ गए। वह अपनी पत्नी को लेकर निगोही थाना पर गया। पुलिस ने निगोही-बीसलपुर मार्ग पर गई और घटना स्थल बताया।

पीड़िता ने बताया पर्स में से 22 हजार रुपये, सोने की चेन, दो सोने की अंगूठी, दो सोने के मंगलसूत्र, दो सोने की नथूनी, दो सोने के नाक का फूल, चार जोड़ी की चांदी पायल चोरी हो गए है। उन्होंने निगोही थाना तहरीर दी। निगोही पुलिस ने उससे कहा बीसलपुर की घटना है। पीड़ित बीसलपुर थाना पर गया तो पुलिस कर्मचारियों ने बताया कि घटना निगोही थाना क्षेत्र की है। निगोही और बीसलपुर पुलिस में घटना स्थल को लेकर विवाद मचा है। पीड़ित ने बताया कि उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की जा रही है। उसने रिपोर्ट दर्ज करने की मांग है।

दुर्घटना में होमगार्ड की पत्नी की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: रोजा थाना क्षेत्र के गांव चौरा अजीजपुर निवासी होमगार्ड जगदीश की पत्नी 50 वर्षीय राजकुमारी मंगलवार की दोपहर एक बजे अपने बेटे पवन के साथ जमुका में बाइक से दवा लेने के लिए जा रही थी। सीतापुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जमुका गांव के सामने कंटेनर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार होमगार्ड की पत्नी राजकुमारी सड़क पर गिर गयी। उसकी कंटेनर से दबकर मौके पर मौत हो गयी। हादसे का कारण सड़क पर खड़ा खराब ट्रक बताया जा रहा है। बताते है कि ट्रक स्टेयरिंग फेल हो जाने से रेलिंग टकरा कर खड़ा हो गया था। कंटेनर खड़े ट्रक को बचाने के चक्कर में बाइक को टक्कर मार दी थी। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। रोजा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने कंटेनर को कब्जे में ले लिया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर की कार्रवाई की जाएगी।

खंभारखेड़ा चीनी मिल के पेराई सत्र का आरंभ

संवाददाता, खंभारखेड़ा

मिल के डोंगे में गन्ना डालकर पेराई सत्र का आरंभ करते अतिथि और मिल अधिकारी। ● अमृत विचार

- पहले गन्ना लेकर पहुंचे किसानों का हुआ सम्मान
- अखंड रामायण पाठ के बाद शुरू हुई पेराई

अमृत विचार: बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड खंभारखेड़ा चीनी मिल में पेराई सत्र 2025-26 का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। हवन यज्ञ और विशेष अनुष्ठान के बाद यूनिट हेड अवधेश गुप्ता सहित अधिकारियों ने केन कैरियर में गन्ना डालकर पेराई प्रक्रिया शुरू कराई। इस दौरान क्षेत्र के सैकड़ों किसान और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मिल परिसर में स्थापित हवनकुंड पर पुजारी विपिन शुक्ला के सानिध्य में हवन कर्म संपन्न हुआ। इसके बाद प्रथम गन्ना लेकर पहुंचे किसान शत्रुघ्न पुत्र छोटकऊ (बैलगाड़ी) तथा इजहार अली पुत्र बसीर अहमद (ट्रॉली) का मिल प्रबंधन द्वारा शाल ओढ़ाकर और मिष्ठान खिलाकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में नैमिषारण्य से पधारे हनुमान गढ़ी के बड़े महंत बजरंग दास, सदर विधायक योगेश वर्मा, विधायक मंजू त्यागी, लखीमपुर समिति अध्यक्ष अखिलेश वर्मा एवं अरनीखाना समिति अध्यक्ष अशोक अवस्थी मौजूद रहे।

पूजन-अर्चन और नारियल फोड़कर पेराई का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मिल अधिकारी अतुल सिंह, पुष्पेंद्र ढाका, अरुण प्रताप सिंह, आशीष श्रीवास्तव, योगेश सिंह, सतीश श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

पहले डनलप के बैलों की जोड़ी का पूजन कर किसान को सम्मानित करते मिल के यूनिट हेड।

एसएमएस पर्ची नियम का पालन करने की अपील

यूनिट हेड अवधेश गुप्ता ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार इस वर्ष भी किसानों को केवल एसएमएस पर्ची मिलेगी। मिल गेट या सेंटर पर मोबाइल में मैसेज दिखाकर तौल करा सकते हैं।

सड़क हादसे में घायल दूसरी महिला की भी हो गई मौत

केशवापुर, अमृत विचार: थाना हैदराबाद क्षेत्र के बगहा गांव में बीते शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो जाने के बाद चौथे दिन सोमवार की रात करीब 12 बजे गंभीर घायल दूसरी महिला अनारा देवी की भी मौत हो गई। अजान चौकी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। शुक्रवार को हुई इस घटना में मोनी देवी पत्नी धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तव अपने तीन बच्चों के साथ फूफा ओमप्रकाश श्रीवास्तव के यहां शादी समारोह में गईं थीं।

जहां से सुबह रिश्तेदारी में जाते समय तेज रफ्तार स्कूटी की टक्कर से मोनी देवी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। उनकी बुआ अनारा देवी गंभीर घायल हो गई थीं। चौथे दिन अनारा देवी ने भी दम तोड़ दिया। अनारा देवी भी अपने पीछे दो पुत्र और एक पुत्री सहित हंसता खेलता परिवार छोड़ गई हैं। चौकी प्रभारी अशोक सिंह ने बताया कि विनय कुमार की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात स्कूटी चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है। उधर, मोनी देवी के तीन मासूम बच्चे रविकांत (8), सूरवी (6) और रिशभ (4) का रो रोकर बुरा हाल है।

मझोला महोत्सव की प्रभारी मंत्री ने की शुरुआत

संवाददाता, मझोला

महोत्सव की शुरुआत कराते प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कस्बे में मझोला महोत्सव की शुरुआत हो चुकी है। जिले के प्रभारी मंत्री /कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख बतौर मुख्य अतिथि सोमवार रात पहुंचे और फीता काटकर शुरुआत कराई।

भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी अभिषेक यादव, सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल भी शामिल हुई। रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। प्रभारी मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी चाहते हैं कि सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहें।

संस्कृति जिंदा रहे। उन्होंने बताया कि महोत्सव , मेले होने से सामाजिक भाईचारा बढ़ता है। आदर्श अकादमी के बच्चों द्वारा दी गई सुंदर प्रस्तुति की सराहना की गई। सेंट पैट्रिक इंटर कॉलेज पोलीगंज द्वारा देश के ऊपर दी गई प्रस्तुति को भी सराहा गया। पंजाब से आए कलाकारों ने प्रस्तुति देकर मन मोह लिया। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह, अरुण कुमार सिंह,विकास अग्रवाल, बैजनाथ यादव, राकेश मित्तल, मुकेश जिंदल, गगन, गिरीश लोधी सोनू आदि मौजूद रहे।

मृतक आश्रितों के सेवायोजन संबंधी प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बैठक में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति के सदस्य व मौजूद अधिकारी।

- उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति ने दिए कमेटी बनाकर जांच के निर्देश

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति के सभापति डॉ. रतन पाल सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को गांधी सभागार में बैठक हुई। जिसमें सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, विजय बहादुर पाठक, डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह, एसपी अभिषेक यादव आदि शामिल हुए।

बैठक में रिटायर पेंशन, ग्रेच्युटी व अन्य देयकों के भुगतान की स्थिति के बारे में विभागवार जानकारी प्राप्त की गई। सभापति ने कहा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कराएं। सेवानिवृत्ति एवं मृतक कार्मिकों के देयकों के संबंध में सुनवाई करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि सभी के देयकों का भुगतान समय से किया जाए। मृतक आश्रितों के सेवायोजन संबंधी प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। समिति ने बजट आवंटन के संबंध में जानकारी ली। निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि प्राप्त बजट को समय से खर्च किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। समिति द्वारा डीएम को जल निगम ग्रामीण द्वारा कराए गए कार्यों और टंकी कनेक्शन की क्रियाशीलता, पाइप लाइन के पश्चात सड़क मरम्मत की स्थिति की जांच कराने के निर्देश दिए गए। जिला पंचायतराज अधिकारी द्वारा मृतक आश्रितों के 10 लंबित मामले बताए गए, जिस पर समिति ने मृतक आश्रितों का सेवायोजन न करने पर नाराजगी व्यक्त की और कमेटी बनाकर जांच कराने के निर्देश दिए। अंत में डीएम ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सीडीओ राजेन्द्र कुमार श्रीवास, सीएमओ डॉ.आलोक कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, डीडीओ संजय सिंह, डीआईओएस राजीव कुमार, बीएसए अमित कुमार सिंह मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

NOTICE

By mistake, the name Shivpal Sigh is printed on my Aadhaar card. However, in my high school mark sheet and other educational certificates, my correct name is Pravesh Kumar, which is accurate. Therefore, my correct name Pravesh Kumar should also be recorded in the Aadhaar card. **Pravesh Kumar S/o Gajendra Singh, Village Patsar Aurangabad, Teh. Mitauli, Dist. Kheri.**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी जन्मतिथि पैन कार्ड में गलती से 27.11.1987 अंकित है। आधार कार्ड में सिर्फ 1987 अंकित है। जबकि वास्तविक जन्मतिथि 30.11.1987 है। आधार कार्ड/पैन कार्ड में जन्मतिथि 30.11.1987 ही मानी जाये। **ज्योति सिंह पत्नी महेश पाल सिंह निवासी ग्राम जैतीपुर तहसील तिलहर जिला शाहजहाँपुर।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 12 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय जल पुरस्कारों में यूपी को नई पहचान

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार द्वारा घोषित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024 में उत्तर प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा घोषित इन पुरस्कारों में मीरजापुर जिले को उत्तर जोन में सर्वश्रेष्ठ जिला घोषित किया गया है, जबकि आगरा नगर निगम को सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय श्रेणी में संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश में जल संरक्षण के क्षेत्र में हो रहे व्यापक कार्यों और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों का प्रमाण मानी जा रही है। राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह 18 नवंबर को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विजेताओं को सम्मानित करेंगी। इस वर्ष देशभर से 751 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें से 46 विजेताओं का चयन हुआ। इनमें उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन नीति, नवाचार और जनसहभागिता के आधार पर सबसे प्रभावी माना गया है।

चारबाग स्टेशन से हत्यारोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एसटीएफ ने चारबाग रेलवे स्टेशन से इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया बदमाश प्रतापगढ़ के सांगीपुर में अधिवक्ता भानु पांडेय की हत्या का आरोपी है। उस पर प्रतापगढ़ पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। गिरफ्तारी के समय वह ट्रेन से भागने के फिराक में था। एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी सच्चिदानंद पांडेय प्रतापगढ़ के सांगीपुर स्थित बवारिहा पहाड़पुर का रहने वाला है।

28 फरवरी तक चलेगा अभियान 'सांस'

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पांच वर्ष से कम आयु के लगभग 17 .5 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु का कारण निमोनिया है। जागरुकता की कमी के कारण बच्चे निमोनिया की चपेट में आते हैं। लोगों को निमोनिया के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से हर साल 12 नवंबर को विश्व निमोनिया दिवस मनाया जाता है। वहीं, इस बार प्रदेश में तीन माह तक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान का नाम 'सांस' रखा गया है। इस संबंध में मंगलवार को मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने सभी संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निदेशक के मुताबिक 28 फरवरी 2026 तक चलने वाले अभियान 'सांस' की शुरुआत प्रदेश भर में विश्व निमोनिया दिवस पर बुधवार से होगी।

बरेली में 26-27 को खिलाड़ियों का ट्रॉयल

अमृत विचार, लखनऊ : बरेली स्थित जाट रेजिमेन्टल सेन्टर में हेडक्वार्टर्स कोटा के तहत होने वाले खिलाड़ियों की भर्ती रैली से पूर्व स्पोर्ट ट्रॉयल 26-27 नवंबर को कराया जाएगा। इस दौरान बास्केटबॉल, वालीबाल, कुश्ती, हैंडबॉल व कबड्डी स्पोर्ट्स का ट्रॉयल होगा। संबंधित खिलाड़ियों को बरेली में जाट गेट पर सुबह 5 बजे तक पहुंचना होगा। साथ में खेल प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता दस्तावेज और जाति प्रमाण शामिल लाना है। इस ट्रॉयल के लिए दो वर्ष के खेल प्रमाण पत्र ही मान्य होंगे। ट्रॉयल में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की जन्मतिथि 1 अक्टूबर 2004 से 1 अप्रैल 2008 के बीच होनी चाहिए। स्पोर्ट्स ट्रॉयल में सफल अभ्यर्थी ही यूनिट हेडक्वार्टर्स कोटा (यूएचक्यू) के तहत 8 दिसंबर 2025 से 16 दिसंबर 2025 तक जाट रेजिमेन्टल सेन्टर (जेआरसी) बरेली में आयोजित होने वाले भर्ती रैली में भाग ले सकेंगे।

पिता और भाई से एटीएस ने पांच घंटे तक की पूछताछ

दिल्ली में धमाके के बाद एटीएस व जम्मू-कश्मीर पुलिस ने की कार्रवाई, भाई से तीन घंटे और पिता व अन्य परिजन से दो घंटे पूछे कई सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : दिल्ली में हुए धमाके के बाद यूपी में एटीएस ताबड़तोड़ छापेमारी की कार्रवाई कर रही है। राजधानी में एटीएस की टीम के साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को फरीदाबाद में पकड़ी गई लखनऊ की डॉ. शाहीन के घर पहुंची। एटीएस और जम्मू पुलिस ने जहां शाहीन शाहिद के भाई परवेज से तीन घंटे और पिता के सईद और परिजन से दो घंटे तक पूछताछ की।

फरीदाबाद में एटीएस और जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा सोमवार को डॉ. शाहीन शाहिद को गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से एक-47 राइफल भी बरामद हुई थी। इसके बाद से ही एटीएस और जम्मू कश्मीर पुलिस करीबियों और उसके दोस्तों की खोज खबर लेना शुरू कर दिया है। मंगलवार की सुबह एटीएस और जम्मू कश्मीर पुलिस ने सबसे पहले शाहीन शाहिद के भाई डॉ. परवेज अंसारी के मड़ियांव के आईआईएम रोड के मुतक्कीपुर इलाके में स्थित मकान पर छापेमारी की। पुलिस ने उनके भाई से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान उनके और शाहीन शाहिद के संबंधों और उसके करीबियों के बारे में जानकारी इकट्ठा की। जांच एजेंसियां के रडार पर लखनऊ के एक निजी विश्वविद्यालय के कई लोग भी हैं। कैसरबाग के खंदारी बाजार में डॉ. शाहीन के पिता सईद अंसारी के साथ मकान में रहते हैं, लोगों से ज्यादा जुड़ाव भी नहीं है। डॉ. परवेज की क्लिनिक सहारनपुर में देहरादून चौक पर है। पुलिस ने उनके घर से कई आम डिजिटल दस्तावेज डिवाइस कर और बाइक बरामद किए हैं। वही, पुलिस ने डॉ. शाहीन के पिता सईद अंसारी से करीब दो घंटे तक पूछताछ की। सईद अंसारी ने बताया कि करीब एक माह पहले उनकी डाक्टर शाहीन से फोन पर बात हुई थी। उसने कहा था कि पति से विवाद को लेकर डिस्टर्ब है, लेकिन वह घर पर नहीं थी। पिता का कहना है कि मेरे तीन बच्चे हैं। सबसे बड़ा बेटा मोहम्मद शोएब है, जो मेरे साथ रहता है। बेटी डॉ. शाहीन शाहिद और छोटा बेटा डॉ. परवेज अंसारी है।

लखनऊ : आईआईएम रोड मुतक्कीपुर स्थित डॉक्टर परवेज के आवास पर छापेमारी करती जम्मू-कश्मीर पुलिस व यूपी एटीएस की टीम। अमृत विचार

बिलाल खान से कनेक्शन की पुष्टि के बाद हुई छापेमारी

एटीएस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने फरीदाबाद आतंकी माड्यूल में शामिल आदिल को गिरफ्तार किया। आदिल के करीबियों से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान एटीएस के हाथ बिलाल खान भी लगा। उसे गिरफ्तार किया गया। बिलाल का सीधा कनेक्शन पाकिस्तानी हैंडलर से मिला। उसके मोबाइल की जांच की गई तो 4000 से अधिक संदिग्ध नंबर मिले। जिनसे वह लगातार संपर्क में था। एटीएस की टीम इन नंबरों की जांच कर रही है।

आईआईएम रोड पर घंटों चली परवेज के आवास पर कार्रवाई

यूपी एटीएस और जम्मू कश्मीर पुलिस ने संयुक्त रूप से लखनऊ में छापेमारी की है। एटीएस ने मड़ियांव स्थित आईआईएम रोड, मुतकीपुर पर डॉक्टर परवेज अंसारी के घर घंटों छापेमारी की। इस दौरान डाक्टर घर पर नहीं मिला है। इस डाक्टर के तार डॉ. शाहीन और डा. आदिल से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। जांच टीम ताला तोड़कर घर में घुसी। इसके बाद टीम हुसैनगंज फिर कैसरबाग के खंदारी बाजार स्थित पैतृक आवास गई। जहां पिता शाहिद अंसारी मिले। टीम ने वहां भी काफी देर तक तलाशी ली है।

आतंकी संगठनों से है डॉ. शाहीन का कनेक्शन

एटीएस अधिकारियों के मुताबिक शाहीन पर पाकिस्तान बेस्ड आतंकी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीयूएच) से जुड़े होने के साक्ष्य मिले हैं। आईजी कानून एवं व्यवस्था एलआर कुमार के मुताबिक डा. शाहीन के बारे में जम्मू-कश्मीर पुलिस से जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन शाहिद का संपर्क कई संदिग्ध नेटवर्क से था। जिनके तार पाकिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़े हैं। दावा है कि यह मॉड्यूल भारत के विभिन्न हिस्सों में आतंकी गतिविधियों को संचालित करने की साजिश रच रहा था। अब तक मॉड्यूल से जुड़े सात लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनसे 2900 किलो आरडीएक्स भी जब्त किया गया है।

धमाके में डॉक्टर भाई-बहन शामिल, परिजन से पूछताछ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लैपटाप, मोबाइल, पेन ड्राइव, दोनों से जुड़े दस्तावेज समेत अन्य सामान किया जब्त
- लखनऊ के लालबाग में पुश्तैनी घर व आईआईएम स्थित मुतक्कीपुर गांव में छापेमारी

अमृत विचार : दिल्ली लाल किला मेट्रो स्टेशन धमाके में कैसरबाग के खंदारी बाजार निवासी डॉक्टर भाई-बहन का नाम सामने आया है। मंगलवार को एटीएस, जम्मू-कश्मीर व लखनऊ पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। तीनों टीमों ने कैसरबाग स्थित पुश्तैनी आवास और आईआईएम रोड स्थित मुतक्कीपुर में डॉ. परवेज के आवास पर छापा मारा। इस दौरान टीमों ने परिजन व पड़ोसियों से पूछताछ की। पुलिस को लैपटाप, दस्तावेज, मोबाइल, पेन ड्राइव और काले बैग अन्य सामान अपने साथ लेकर गई है। जिसकी जांच के लिए फोरेसिंक लैब भेजा गया है।

पुलिस के मुताबिक डॉ. शाहीन शाहिद को एक दिन पहले गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ में सामने आया कि उसका भाई परवेज भी शामिल है। शाहीन व परवेज कैसरबाग के खंदारी बाजार हाता स्थित मकान नंबर-121 के रहने वाले हैं। पिता सईद अंसारी वन विभाग से सेवानिवृत्त हैं। जबकि मां का निधन काफी पहले हो चुका है। फिलहाल पिता बड़े बेटे शोएब के साथ वहीं रह रहे हैं।

प्रयागराज से शाहीन व आगरा से परवेज ने की पढ़ाई

पिता सईद अंसारी के मुताबिक शाहीन पढ़ाई में तेज थी। प्रयागराज के स्वरूप रानी मेडिकल कालेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद दिल्ली में काम किया। इसके बाद वह फरीदाबाद में स्थायी नौकरी करने चली गई। बाद में उसकी शादी महाराष्ट्र के एक युवक से हुई, जिसके बाद वह वहीं रहने लगी। वह परिवार से लगातार संपर्क में रहती थी, लेकिन काम के कारण कई वर्षों से लखनऊ नहीं आ सकी थी। वहीं, परवेज ने आगरा से पढ़ाई पूरी की थी। कुछ समय विभिन्न जगहों पर नौकरी करने के बाद वह इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में कार्यरत था, लेकिन कुछ समय पहले उसने नौकरी छोड़ दी थी। परवेज के घर पर हुई छापेमारी के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सैमसंग लैपटॉप, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, काले बैग में रखे दस्तावेज और अन्य सामान जब्त किया। इसकी एक प्रति एटीएस को भी सौंपी गई है। छापेमारी के दौरान सीओ एलआइयू अवधेश चौधरी, एसीपी कैसरबाग रत्नेश सिंह, इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा सहित भारी पुलिस बल मौजूद था।

किसी से बात नहीं करता था परिवार : खंदारी बाजार में शाहीन की गिरफ्तारी की खबर जैसे फैली तो चर्चा बढ़ गई। पास के दानिश ने बताया कि परिवार किसी से ज्यादा संपर्क में नहीं रहता था। पिता सईद अंसारी को डाक्टर साहब कहकर बुलाते थे। नमाज पढ़ने के बाद घर में घुस जाते थे। ऐसी घटना में लिप्त होंगे किसी को नहीं पता था। मोहल्ले को बदनाम कर दिया।

शाहीन पर भरोसा ऐसा नहीं कर सकती

शाहीन के पिता ने अपनी बेटी की बेगुनाह बताया है। उन्होंने कहा कि शाहीन ने हमेशा कानून का पालन किया और अपने काम में ईमानदारी दिखाई। हमारे परिवार का कभी किसी विवाद से नाता नहीं रहा। शाहीन ने जीवन भर मेहनत की है। वह बचपन से ही दूसरों की मदद करती आई है। मुझे नहीं लगता कि वह किसी गलत गतिविधि में शामिल हो सकती है। उसे फंसाया जा रहा है। मेरी बेटी डाक्टर है, उसने कई जिंदगियां बचाई हैं। आज उसी पर सवाल उठ रहे हैं, यह बात मैं समझ नहीं पा रहा हूं।

एक दशक पहले इंजीनियर थे पसंद, अब डॉक्टर

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- आतंकी संगठनों की नई 'पसंदीदा फैक्ट्री' में डॉक्टर माड्यूल

अमृत विचार : दस साल पहले जब खुफिया एजेंसियां भारत में आतंकवादी नेटवर्क की जांच करती थीं, तब सामने आने वाले चेहरे ज्यादातर इंजीनियरिंग कॉलेजों या तकनीकी विश्वविद्यालयों से जुड़े युवाओं के होते थे। पर तस्वीर बदल रही है, अब डाक्टरों का नया भर्ती माड्यूल सामने आ रहा है।

डॉ. शाहीन शाहिद और उसके साथियों समेत हाल की कई गिरफ्तारियां यही संकेत कर रही हैं। इन डॉक्टर से आतंकी बने लोगों ने अस्पतालों में एके 47 और विस्फोटक पदार्थ न सिर्फ छिपाने में सफलता पाई, बल्कि उसे लाने-ले जाने में भी पुलिस और खुफिया इकाइयों को धोखा देते रहे। यह सिर्फ़ कानून-व्यवस्था नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक चेतना के लिए भी गंभीर चेतावनी भी है। एक दशक पहले भारतीय खुफिया एजेंसियों ने जिन प्रमुख आतंकी मॉड्यूल को पकड़ा, उनमें अधिकतर सदस्य इंजीनियरिंग ग्रेजुएट थे। जमात-उद-दावा, अंसारुल्ला बांग्ला टीम, और आईएसआईएस इंडिया सेल के पकड़े गए युवाओं में 70 प्रतिशत इंजीनियरिंग या कंप्यूटर साइंस पृष्ठभूमि से थे। लेकिन नए कारनामों से अब पैटर्न बदला नजर आ रहा है। फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. शाहीन शाहिद, केरल की आयशा अंसारी, तमिलनाडु के डॉ. सैफुल्ला रहमान और हैदराबाद के मेडिकल स्टूडेंट्स मॉड्यूल ने नई प्रवृत्ति को उजागर कर दिया है। अब आतंकी संगठनों का रिक्रूटमेंट फोकस मेडिकल और बायोटेक फील्ड के लोगों पर शिफ्ट हो चुका है।

इसलिए डाक्टर बन रहे 'आदर्श भर्ती'

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद, आईएसआईएस और हिजबुल जैसे संगठनों की रणनीति अब ऐसे लोगों को शामिल करने की है, जिनके पास क्लीन प्रोफेशनल बैकग्राउंड हो, ताकि शक कम हो। जिनके पास तकनीकी और वैज्ञानिक जानकारी हो, ताकि विस्फोटक, जैविक या रासायनिक हथियारों के निर्माण में सहयोग मिल सके। और जो सोशल इन्फ्लुएंसर बनकर दूसरों को प्रभावित कर सकें। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार 2010 के दशक में इंजीनियर आतंक मॉड्यूल के मस्तिष्क माने जाते थे, अब वर्ष 2020 के बाद मेडिकल और बायोटेक पृष्ठभूमि के शिक्षित लोग नई 'ब्रेन सेल' के रूप में भर्ती किए जा रहे हैं। डॉ. शाहीन शाहिद का केस अब सिर्फ़ एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि शिक्षित चरमपंथ का नया चेहरा बन गया है। उसकी कहानी बताती है कि कैसे व्यक्तिगत तनाव, वैचारिक उलझन, और डिजिटल ब्रेनवॉश का मेल एक प्रोफेशनल को विनाश के रास्ते पर ले जा सकता है।

डॉ. शाहीन का केस ट्रेंड का बड़ा संकेत

कानपुर मेडिकल कॉलेज की प्रवक्ता रह चुकी डॉ. शाहीन शाहिद की गिरफ्तारी ने इस ट्रेंड को और पुख्ता कर दिया है। वह न सिर्फ़ चिकित्सा क्षेत्र की प्रोफेशनल थी, बल्कि आतंकी संगठन के महिला विंग की प्रमुख भी बताई जा रही है। उसकी भूमिका सिर्फ़ भर्ती तक सीमित नहीं थी, वह महिला मॉड्यूल्स को वैचारिक प्रशिक्षण और नेटवर्किंग का काम भी करती थी। फरीदाबाद में उसकी कार से एके-47, पिस्टल और विस्फोटक सामग्री मिली, जो यह दिखाता है कि वह फील्ड ऑपरेशन में भी शामिल थी।

आईएसआईएस और जैश की नई भर्ती नीति

सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि जैश और आईएसआईएस अब सोशल मीडिया पर मेडिकल या हेल्थ से जुड़े प्रोफाइल्स को टारगेट कर रहे हैं। वर्ष 2023 में खाड़ी देशों से आए कई डिजिटल ट्रैकर्स ने दिखाया कि ओमेन इन फेथ एंड साइंस या ह्यूमिनाटेरियन डॉक्टर फोरम जैसे नकली अकाउंट्स से कई युवतियों को फंसाया गया। पहले यह संपर्क धार्मिक चर्चा या रिसर्च सहायता के बहाने शुरू होता है और फिर धीरे-धीरे 'जिहादी वैचारिक प्रशिक्षण' की ओर बढ़ता है।

पांच जिलों में 864 करोड़ की छह परियोजनाएं रेरा की बैठक में मंजूर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बरेली में दो व लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, नोएडा में एक-एक परियोजना स्वीकृत, 1470 इकाई होंगी विकसित

अमृत विचार : उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने मंगलवार को लखनऊ मुख्यालय पर प्राधिकरण की 188वीं बैठक में लखनऊ, बरेली, कानपुर, गौतमबुद्ध नगर व वाराणसी में छह परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन पांच जिलों में 863.94 करोड़ के निवेश से 1,470 वाणिज्यिक और आवासीय इकाइयां विकसित की जाएंगी।

बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने की। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों के साथ परियोजनाओं का प्रस्ताव व प्रस्तुतिकरण देखा और विकसित करने की मंजूरी दी है। इसमें जरी-जरदोजी और फर्नीचर उद्योग के लिए प्रसिद्ध बरेली में दो परियोजनाएं, औद्योगिक केंद्र कानपुर नगर में एक परियोजना, गौतमबुद्ध नगर के नोएडा, लखनऊ और वाराणसी में एक-एक परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। इनमें बिल्डरों की अधिकांश परियोजनाएं आवासीय हैं, जबकि व्यावसायिक परियोजनाएं लखनऊ और नोएडा की हैं।

लखनऊ की एक परियोजना में 136.94 करोड़ का निवेश, वाराणसी की एक परियोजना में 48.94 करोड़, कानपुर नगर की परियोजना में 173.64 करोड़, बरेली की दो परियोजनाओं में 60.42 करोड़ और नोएडा की एक परियोजना में सर्वाधिक 444 करोड़ के निवेश से 1,470 व्यावसायिक व आवासीय इकाइयां विकसित की जाएंगी। इस प्रकार रियल एस्टेट क्षेत्र में लगभग 864 करोड़ का निवेश करके इन्हें तैयार किया जाएगा।

राम मंदिर पर ध्वज चढ़ाएंगे मोदी व भागवत

अमृत विचार, लखनऊ : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि 25 नवंबर को मंदिर पर ध्वज चढ़ाया जाएगा। यह इस बात का प्रतीक है कि मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है। जिस ऊंचाई तक ध्वज को ले जाना है, वह जमीन से लगभग 190 फीट ऊंचा है। आरोहण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ. मोहन भागवत के हाथों होगा। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहेंगे। महासचिव ने अनुरोध किया है कि 8 बजे से मंदिर परिसर में प्रवेश करना होगा। 9 बजे के आसपास परिसर के भीतर प्रवेश बंद हो जाएंगे।

सपा ने रखा विजन इंडिया का प्रारूप

देश को नई सोच और प्रगतिशील इरादों की जरूरत : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को 'विजन इंडिया' का प्रारूप रखते हुए कहा कि देश में विभाजनकारी और पुरातनपंथी ताकतों से निबटने के लिए नई सोच और प्रगतिशील इरादों के साथ युवा भारत को आगे लाना है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के सोच में सहिष्णुता प्रेम और सम्मान है। वह दयालु और प्रगतिपंथी है।

अखिलेश यादव ने घोषणा की कि विजन इंडिया, स्टार्टअप समिट की पहली बैठक इस वर्ष 16 नवंबर को ताज बंगलोर, बेंगलुरू, कर्नाटक में होगी। इसके मुख्य समन्वयक राजीव राय सांसद होंगे और मुख्य संयोजक पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्र होंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि भारत एक ऐसा देश बन गया है, जहां लोगों को हर कदम पर मुश्किलों और संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए हमने एक रास्ता सोचा है विजन इंडिया, जो हमें एक सकारात्मक, यथार्थवादी, प्रगतिशील भविष्य की ओर ले जाएगा। इस मौके पर पार्टी मुख्यालय लखनऊ में पत्रकारों से वार्ता में अखिलेश यादव ने कहा कि स्टार्टअप योजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश से सपा सरकार में हुई थी।

पत्रकारों को जानकारी देते सपा प्रमुख।

इस अवसर पर शिवपाल सिंह यादव राष्ट्रीय महासचिव, माता प्रसाद पांडेय नेता विरोधी दल विधानसभा, लाल बिहारी यादव नेता विपक्ष विधान परिषद, राजीव राय सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री बलराम यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री अभिषेक मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल आदि की मौजूदगी रही।

नागरिक स्वयं कर सकेंगे संपत्ति मूल्यांकन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्टांप एवं पंजीयन विभाग ने दर सूची का किया सरलीकरण

अमृत विचार : स्टांप तथा पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रचलित दर सूचियों में सुधार, सरलीकरण और मानकीकरण के क्रम में एकीकृत दर सूची प्रारूप तैयार किया गया है। इस नई व्यवस्था से अब पूरे राज्य में एकरूप, सरल दर सूची प्रारूप लागू होगा, जिससे आम नागरिक बिना किसी तकनीकी सहायता के अपनी संपत्ति के मूल्यांकन एवं स्टाम्प शुल्क के आगणन में सक्षम हो सकेंगे।

मंत्री ने विधानसभा कक्ष संख्या-80 में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए कहा कि अब प्रदेश के सभी उपनिबन्धक कार्यालयों में भिन्न-भिन्न प्रारूपों की जगह एक समान दर सूची लागू की जाएगी। इस नई दर सूची में नगरीय, अर्द्धनगरीय और ग्रामीण तीन शीर्षकों के अंतर्गत पूरा क्षेत्राधिकार को 15 श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिससे वर्ष 2013 से प्रभावी जटिल दर सूची की विसंगतियों का समाधान किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि दर सूची के सरलीकरण में कृषक, अकृषक और वाणिज्यिक भूखण्डों के लिए पृथक-पृथक श्रेणियां बनाई गई हैं, ताकि मूल्यांकन अधिक यथार्थ और पारदर्शी हो सके। सड़क से करीब और सड़क से दूर स्थित भूखण्डों के मूल्यांकन के लिए स्पष्ट व्यवस्था की गई है, जिससे अनावश्यक अदालती मुकदमों और आपसी विवादों की संभावनाएं समाप्त होंगी।

मंत्री जायसवाल ने कहा कि मूल्यांकन प्रणाली में कृषि फार्म, अर्द्ध-वाणिज्यिक, आवासीय वाणिज्यिक, मिश्रित सम्पत्ति, एकल वाणिज्यिक अधिष्ठान, होटल, अस्पताल, पेट्रोल पंप, सिनेमाहॉल, कोचिंग सेन्टर आदि के लिए पृथक दरें निर्धारित की गई हैं। साथ ही, निर्माण की अवधि के आधार पर 20 से 50 प्रतिशत तक मूल्यह्रास की सरल व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि वृक्षों के मूल्यांकन के लिए भी पूरे प्रदेश में एक समान मानक लागू किया गया है, जिससे वृक्षों की आयु के अनुसार मूल्यांकन होगा।

तैयारी | मुख्यमंत्री के समक्ष जल्द रखी जाएगी विधान भवन की भव्य योजना

सहारा सिटी बन सकती है नई विधायी शक्ति-स्थली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिलते ही परियोजना के लिए नए बजट में किया जाएगा धनावंटन

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ के शहरी भूगोल में बड़ा बदलाव तय है। सरकार नए विधानसभा भवन के निर्माण के लिए गोमतीनगर स्थित सहारा सिटी की भूमि को प्राथमिकता देते हुए हरी झंडी देने की तैयारी में है। परियोजना को लेकर विस्तृत प्रेजेंटेशन तैयार हो रहा है, इसे जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रखा जाएगा। इसके बाद मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिलते ही नए बजट में धनावंटन होगा।

हाल ही में नगर निगम ने सहारा सिटी की लगभग 170 एकड़ जमीन की लीज अवधि समाप्त होने के बाद उसे रद्द कर दिया था। साथ ही लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने भी परिसर की लगभग 75 एकड़ जमीन की लीज को भी रद्द किया है। इन दोनों को मिलाकर लगभग 245 एकड़ की जमीन इस क्षेत्र में मौजूद है। यह जमीन अब राज्य सरकार के नियंत्रण में आ चुकी है। सहारा समूह द्वारा विकसित यह परियोजना वर्षों से अधूरी पड़ी थी और विवादों में फंसी थी। शासन स्तर पर लीज समाप्ति के बाद इस क्षेत्र को सार्वजनिक प्रयोजन के लिए मुक्त घोषित करने की कार्रवाई की गई। सूत्रों के मुताबिक, सरकार की ओर से अरसे से तलाशी जा रही नई विधानसभा परिसर निर्माण के लिए यह जमीन उपयुक्त पाई गई है।

गोमतीनगर का यह इलाका पहले से शहर का सबसे विकसित क्षेत्र माना जाता है। ट्रैफिक, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिहाज से यह सचिवालय, हाईकोर्ट और हाइवे के समीप स्थित है। यहां से सीएम आवास तक एलीवेटेड रोड भी बनाने का प्रस्ताव है, साथ ही मेट्रो ट्रेन कनेक्टिविटी भी होगी। नया विधानसभा भवन बनने से यह क्षेत्र राजधानी का नया प्रशासनिक हब बन सकता है।

नए विधान भवन की तीन विभागों ने बनाई रिपोर्ट

आवास विभाग, एलडीए और राजस्व विभाग के संयुक्त दल ने भूमि की स्थिति, स्वामित्व, अधिग्रहण और निर्माण संभावनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। इसी रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष अगले सप्ताह परियोजना का मास्टर प्लान प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें प्रस्तावित भवन का आकार, सत्र हॉल, समिति कक्ष, मंत्रिपरिषद कार्यालय, मीडिया सेंटर, डिजिटल गैलरी और हरित भवन की विशेषताओं का खाका शामिल होगा।

विधान भवन होगा अत्याधुनिक और हरित : नए विधान भवन को 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' की दृष्टि से डिजिटल, ऊर्जा-कुशल और तकनीक-समर्थ संस्थान के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है। भवन में स्मार्ट लाइटिंग, सोलर एनर्जी सिस्टम, वर्चुअल वोटिंग हॉल और ई-दस्तावेज प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रस्तावित हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह भवन उत्तर प्रदेश की विधायी गतिविधियों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप एकीकृत रूप देगा। 30 एकड़ में मल्टी-एक्टिविटी स्टेडियम बनाने का भी सुझाव है।

न्यूज ब्रीफ

तालाब की भूमि पर चल रहा ढाबा किया ध्वस्त

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम ने मंगलवार को पीर बहोड़ा इलाके में तालाब की भूमि पर कई साल से संचालित ढाबा को ध्वस्त कर दिया। ढाबा संचालित होने की शिकायत नगर निगम को आईजीआरएस पोर्टल से मिली थी, जिस पर प्रवर्तन टीम ने कार्रवाई की। नगर निगम के राजस्व निरीक्षक सच्चिदानंद सिंह ने बताया कि शनिवार को आईजीआरएस पोर्टल पर पीरबहोड़ा निवासी एक युवक ने तालाब की भूमि पर कब्जा कर ढाबा संचालित होने की शिकायत की थी। मंगलवार को मौके पर जाकर निरीक्षण किया तो शिकायत पुष्ट पाई गई। इस पर प्रवर्तन टीम से ढाबा को ध्वस्त कर दिया गया है। बताया कि शहर में अतिक्रमण को लेकर लगातार व्यापक रूप से अभियान जारी है।

दो बाइक सवारों ने युवक से मोबाइल छीना

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में एक युवक से दो बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना क्षेत्र के सैदपुर निवासी अमन सैनी ने बताया कि 6 नवंबर की रात वह काम से बाजार गया था, वापस आते समय जैसे ही इज्जतनगर रेलवे स्टेशन के पास पहुंचा कि दो अज्ञात बाइक सवार आए और उसके पास बाइक रोककर छीना-झपटी करते हुए करीब 80 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए।

बरेली रेंज का फिर दबदबा प्रदेश में मिला प्रथम स्थान

अक्टूबर की आईजीआरएस रैंकिंग जारी, पीलीभीत का अच्छा प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शासन की तरफ से संचालित जनसुनवाई समाधान प्रणाली (आईजीआरएस) पर मिलने वाली जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण पर शासन की तरफ से जारी रैंकिंग में अक्टूबर महीने में बरेली परिक्षेत्र का दबदबा एक बार फिर कायम रहा। इस बार भी बरेली रेंज प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपना परचम लहराया।

बरेली रेंज में सबसे अच्छा प्रदर्शन पीलीभीत ने किया, जबकि बदायूं 34वें, शाहजहांपुर 39वें और बरेली 65वें स्थान पर रहा। यही नहीं, परिक्षेत्र के करीब 70 से ज्यादा थानों ने संयुक्त रूप से शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। बरेली जिले के सुभाषनगर, फतेहगंज पश्चिमी, किला, शेरगढ़, सीबीगंज, विशारतगंज, शाही, बारादरी, इज्जतनगर, देवरनिया, भुता, भोजीपुरा, नवाबगंज, आंवला, भमोरा, शीशगढ़, प्रेमनगर, सिरौली, कैंट और फतेहगंज पूर्वी थाने शिकायत निस्तारण में आगे रहे। बदायूं जिले के कुवरगांव, महिला थाना, बिनावर, जरीफनगर, अलापुर, सहसवान, फैजगंज बेहटा, इस्लामनगर, वजीरगंज, दातागंज, मुजरिया, बिसौली, उझानी, कादरचौक, उघैती, उसैहत, मुसाझाग, हजरतपुर, कोतवाली और सिविल लाइंस थाने भी उत्कृष्ट श्रेणी में शामिल रहे। इसी तरह, पीलीभीत के महिला थाना, माधोटांडा, बरखेड़ा, करेली, कोतवाली, हजारा, सेहरामऊ उत्तरी, देयोरिया कलां, घुंघचाई, न्यूरिया, पूरनपुर, गजरौला, बीसलपुर, सुनगढ़ी, अमरिया, बिलसंडा और शाहजहांपुर के महिला थाना, रामचंद्र मिशन, सिंधौली, कोतवाली, बंडा, जलालाबाद, कलान, सेहरामऊ दक्षिणी, मदनापुर, मिर्जापुर, सदर बाजार, पुवायां, गढ़िया रंगीन, तिलहर, कटरा और खुदागंज थाने भी टॉप लिस्ट में रहे।

आईजीआरएस प्रणाली में बेहतरीन काम करने पर परिक्षेत्र कार्यालय के उपनिरीक्षक शालू, कंप्यूटर ऑपरेटर अमरेन्द्र कुमार और आरक्षी सलिल सक्सेना को नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। डीआईजी अजय कुमार साहनी ने बताया कि जिन थानों और जनपदों का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा, उनकी समीक्षा कर आगे सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

परिवार के साथ बैठे किसान ने स्थगित किया धरना

बरेली, अमृत विचार: पुलिस और सभासद पर आरोप लगाकर खेती की जमीन और मकान बिकाऊ का पोस्टर लगाकर गांव से पलायन की बात कहकर दामोदर पार्क में परिवार के साथ बैठे किसान ने तीन दिन के लिए धरना स्थगित कर दिया है। पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शेरगढ़ के मोहल्ला बृह्मनान निवासी किसान ने आरोप लगाया था कि सभासद और उसके बेटे उनकी बेटियों को परेशान करते हैं। विरोध करने पर 2 नवंबर को सभासद और उसके बेटों ने जान से मारने की नियत से हमला कर दिया। एसएसपी ने शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए थे लेकिन शेरगढ़ इंस्पेक्टर ने मामूली धाराओं में रिपोर्ट लिखी थी। उसके बाद सभासद फैसले का दबाव बनाने लगा और न करने पर उसके खिलाफ ही रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। धरने पर बैठे किसान से सोमवार रात पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने बात करके तीन दिन में आरोपियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

आईएमएसी प्रमुख समेत 45 लोगों की वीड़ियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में हुई पेशी

तौकीर रजा की न्यायिक हिरासत बढ़ी

- तौकीर रजा की फेतहगढ़ जेल से सीजेएम और अन्य कोर्ट में हुई पेशी
- नदीम, नफीस, फरहान, अनीस समेत 44 की जिला जेल से हुई पेशी

विधि संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: पुलिस पर पथराव कर फायरिंग कराने के मास्टर माइंड आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा की मंगलवार को वीड़ियो कांफ्रेंसिग के जरिये मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अलका पांडे की अदालत में फतेहगढ़ सेंट्रल जेल से पेशी हुई। तौकीर की सभी 8 मुकदमों में सीजेएम और 5 अन्य मुकदमों में सम्बन्धित न्यायालयों में वर्चुअल पेशी हुई। इसमें 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई और अगली सुनवाई 25 नवंबर को नियत की गई है।

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर 26 सितंबर को नमाज के बाद आई लव मुहम्मद पोस्टर को लेकर शहर में विरोध प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर फायरिंग करते हुए दुकानों में तोड़-फोड़ की थी। शहर में बवाल कराने के लिए गैर जनपद से गैंगस्टर तक बुलाए गए थे। साथ ही पश्चिम बंगाल और बिहार से लोगों को बुलाया गया था। इतना ही नहीं एसपी सिटी मानुष पारीक के गनर की एंटी रायट गन छीनते हुए पुलिस का वायरलेस सेट भी उपद्रवियों ने लूट लिया था। बवाल के बाद कोतवाली में पांच, बारादरी में दो, किला, प्रेमनगर और कैंट थाने में एक-एक मुकदमा लिखा गया था। वहीं तौकीर के करीबी नदीम, डॉ. नफीस, फरहान, अनीस सकलैनी समेत 44 लोगों की जिला जेल से वीड़ियो कांफ्रेंसिग के जरिये पेशी हुई। कोर्ट ने सभी की 14 दिनों की न्यायिक हिरासत बढ़ाते हुए सुनवाई को 25 नवम्बर की तिथि नियत की है।

बलवा करने के छह आरोपियों की जमानत अर्जियां खारिज

विधि संवाददाता, बरेली : 26 सितंबर को आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर एकत्रित भीड़ ने जुमे की नमाज के बाद शहर में उपद्रव, पुलिस पर जानलेवा हमला किया था। इस मामले में कोतवाली, बारादरी, किला समेत कई थानों में 13 मुकदमे दर्ज हुए थे। मंगलवार को 6 मुल्जिमों की जमानत अर्जी अपर सत्र न्यायाधीश अमृता शुक्ला ने खारिज कर दी। इन मुकदमों में आरोपी चक महमूद निवासी फैजुल नवी खां, कलीम खां, मोईन सिद्दीकी, अमान हुसैन, नदीम आदि की जमानत अर्जियां कोर्ट ने खारिज कर दीं। बारादरी थाने में प्रभारी निरीक्षक धनन्जय पाण्डेय व कोतवाली में उप निरीक्षक राजीव कुमार शर्मा ने आरोपियों के विरुद्ध जानलेवा हमला, बलवा, आयुध अधिनियम समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करायी थी।

अब 22 तक जमा होगी शोध रूपरेखा

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने प्री एचडी कोर्सवर्क उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों के लिए शोध रूपरेखा जमा करने की तिथि बढ़ा दी है। शोध निदेशक प्रो. आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि सीएसआईटी को छोड़कर अन्य सभी विद्यार्थी अपनी शोध रूपरेखा 15 से 22 नवंबर तक जमा कर सकते हैं।

20 हजार की रिश्वत लेते दरोगा गिरफ्तार

- बिचौलिये की भूमिका निभा रहा आरोपी भी एंटी करप्शन की टीम ने दबोचा
- एक ग्रामीण को जेल जाने से बचाने और थाने से कच्ची जमानत देने के लिए ली रिश्वत

कार्यालय संवाददाता, संभल/रजपुरा

अमृत विचार : एंटी करप्शन की टीम ने 20 हजार की रिश्वत वसूलते रजपुरा थाने के दरोगा व बिचौलिये की भूमिका निभा रहे एक अन्य व्यक्ति को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दरोगा ग्रामीण को जेल जाने से बचाने और थाने से कच्ची जमानत देने के नाम पर एक अन्य व्यक्ति के मार्फत रिश्वत वसूल रहा था।

अमरोहा के थाना आदमपुर क्षेत्र अंतर्गत देहरी खादर गांव निवासी सुखबीर सिंह के खिलाफ रजपुरा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसकी जांच हरिबाबा पुलिस चौकी प्रभारी दरोगा राकेश सिंह कर रहे थे। सुखबीर सिंह का कहना है कि दरोगा ने गांव मौलनपुर निवासी इकबाल यादव के जरिए उस पर खबर भिजवाई थी कि मुकदमे में वह उसे जेल जाने से बचा सकते हैं साथ ही थाने से कच्ची जमानत देकर उसका नाम भी मुकदमे से निकलवा देंगे। इकबाल यादव की बात सुनकर सुखबीर ने कहा कि वह दरोगा से उसकी बात कराए तभी यकीन होगा। इस पर इकबाल यादव ने दरोगा राकेश सिंह से भी बात कर दी। दरोगा ने मुकदमे से नाम निकालने और थाने से कच्ची जमानत देने के लिए 20 हजार रुपये की रिश्वत तय की। सुखबीर सिंह ने दरोगा राकेश सिंह द्वारा रिश्वत मांगे जाने की शिकायत भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद में दर्ज कराई तो दरोगा को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया।

ग्रामीण इकबाल।

दरोगा राकेश।

मंगलवार को दरोगा को 20 हजार की रिश्वत देने की बात तय की गई। इस बीच भ्रष्टाचार निवारण संगठन के निरीक्षक ट्रैप टीम प्रभारी कृष्ण अवतार अपनी टीम के साथ पहुंच गए। पुलिस चौकी में इकबाल यादव ने सुखवीर से 20000 की रकम ली और दरोगा राकेश सिंह को सौंप दी। जैसे ही दरोगा ने रिश्वत की रकम अपने हाथ में पकड़ी एंटी करप्शन की टीम ने दरोगा राकेश व इकबाल यादव दोनों को दबोच लिया। टीम दरोगा राकेश सिंह व इकबाल यादव को हिरासत में लेकर रजपुरा थाने पर आ गई। रिश्वत की रकम को सील करने के साथ ही मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू की गई। देर शाम तक एंटी करप्शन टीम ने दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया था। एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा रहा।

आतंकवाद के खिलाफ सभी धर्मगुरु हों एकजुट

बरेली, अमृत विचार: दिल्ली धमाके पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने दुख जताकर मृतकों के परिवारों के साथ हमदर्दी जताई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि ये बेहद दुखद घटना है, इसकी गहनता से जांच की जानी चाहिए।

इस बात का भी पता लगाया जाना चाहिए कि भारत के अंदर या भारत के बाहर की कौन सी ऐसी ताकतें हैं जो इस तरह की घिनौनी हरकतें कर रहे हैं। ऐसे व्यक्तियों या संगठनों को उनके अंजाम तक पहुंचाना बहुत जरूरी है। सभी धर्मों के धर्मगुरुओं को मिलजुलकर आतंकवादी और कट्टरपंथी विचार धारा के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाने की जरूरत है। वह मुस्लिम धर्मगुरु होने के नाते सभी लोगों के साथ चलने और सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

डीपीओ ने नौ सीडीपीओ से किया जवाब तलब

- ई-केवाईसी और फेस कैप्चरिंग का कार्य 90 प्रतिशत से मिला कम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग ने पोषण से जुड़ी सभी योजनाओं में ई केवाईसी और फेस कैप्चर को अनिवार्य किया है। प्रतिदिन लाभार्थियों की फीडिंग की शासन स्तर पर मॉनीटरिंग हो रही है लेकिन कुछ परियोजना कार्यालयों में लापरवाही बरती जा रही है। डीपीओ मनोज कुमार ने समीक्षा में 90 फीसदी से कम कार्य करने वाले नौ सीडीपीओ से स्पष्टीकरण मांगा है।

शासन से निर्देश हैं बिना चेहरे की पहचान के किसी भी लाभार्थियों को पोषाहार का वितरण नहीं किया जाएगा। इसके लिए पोषण ट्रैकर एप शुरू किया गया है। इस पर सभी लाभार्थियों का पूरा डाटा और चेहरे का फोटो अपलोड किया जाना है। विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक जिले में 3,38,272 लाभार्थियों के सापेक्ष मंगलवार तक 3,04,660 लाभार्थियों की ई-केवाईसी हो चुकी है, जो कि लक्ष्य के मुकाबले 89.14 फीसदी है। शासन की ओर से मिली अंतिम तिथि समाप्त होने की वजह से शेष लाभार्थियों की ई-केवाईसी नहीं होने पर उन्हें पोषाहार नहीं मिल पा रहा है। समीक्षा में पता चला कि सबसे खराब स्थिति मीरगंज की है, जहां सिर्फ 77.07 फीसदी काम पूरा हुआ है। इसके अलावा भुता में 82.42 फीसदी, फरीदपुर में 86.98 फीसदी, रामनगर में 88.15 फीसदी, भदपुरा में 88.75 फीसदी, नवाबगंज में 88.96 फीसदी, मझगवां में 89.11 फीसदी, आलमपुर जाफराबाद में 89.13 फीसदी और बरेली शहर में 89.99 फीसदी काम पूरा हुआ है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 51/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते हैः–

क्रम सं.-1, कार्य का विवरणः इज्जतनगर मंडल में समइं/पीलीभीत के अधिकार क्षेत्र में शेरगंज हॉल्ट को 3 लाइन क्रासिंग स्टेशन में परिवर्तित करना एवं सेहरामऊ स्टेशन पर तीसरी लूप लाइन का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 5,63,22,820.84, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 4,31,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 12 माह। **क्रम सं.-2,** कार्य का विवरणः इज्जतनगर मंडल में अलीगंज, रोशनपुर, बाजपुर, काठगोदाम, हल्दी रोड, छतरपुर, बनबसा, खटीमा, मझोला पकड़िया, न्यूरिया हुसैनपुर एवं बीसलपुर स्टेशनों पर स्टेशन मास्टर के पैनल रूम में एवं ट्रैफिक लेवल क्रासिंग (बाजपुर में 21/स्पेशल, पीपलसाना में 11/सी, मझोला पकड़िया में 16/बी एवं टनकपुर में 45/सी) पर संलग्न शौचालय का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 64,53,955.45, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 1,29,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह।

(1) ई-निविदा दिनांक 26-11-2025 को 15:00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।
(2) ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.), इज्जतनगर
मुजाधि/डब्लू-325

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 52/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली''निविदा आमंत्रित करते है।

क्र.सं.1:–कार्य का विवरणः इज्जतनगर में मौजूदा कंट्रोल रुम में सुधार। अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 50,34,846.32, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 1,00,700/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह।

क्र.सं.2:–कार्य का विवरणः दोहना स्टेशन के निकट बंद समपार 231–232 के मध्य इन्टर कनेक्टिंग सड़क का सुधार कार्य। (लगभग 700 मीटर लम्बाई), अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 67,87,309.77, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 1,35,800/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह।

ई–निविदा दिनांक 01.12.2025 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2.ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी0), इज्जतनगर
मुजाधि/डब्लू–326

ट्रेनों में बीडी/सिगरेट न पियें

कार्यालय ग्राम पंचायत चुरई दलपतपुर विकास खंड - मीरगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत चुरई दलपतपुर में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है-प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	योजना
1.	हिरेंद्र के घर से लाल सिंह के घर तक सीसी नाली निर्माण	148960/-	मनरेगा
2.	शकुंतला की दुकान से प्रेमपाल के घर तक सीसी नाली निर्माण	294194/-	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 12.11.2025 से दिनांक 17.11.2025 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन सांय 4:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान सचिव

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, खीरी

पत्रांक:- मु.चि.अ./U-AAM/भवन/2025-26/6896 दिनांकः 11.11.2025

विज्ञप्ति

जिलें में PM-ABHIM योजना के अंतर्गत नगरीय क्षेत्र में स्वीकृत 7 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर (U-AAM) हेतु निम्न मानक के अनुसार किराये पर भवन की आवश्यकता है-

क्र.	नगर क्षेत्र	भवन प्रारूप	प्रस्तावित किराया
1	लखीमपुर-वार्ड भुईफोरवानाथ	लगभग 1400 वर्गफुट	सम्बंधित क्षेत्र का डी.एम.सर्किल रेट या रू. 50,000/- प्रति माह, जो कम हो
2	लखीमपुर-वार्ड रामनगर	लगभग 1400 वर्गफुट	सम्बंधित क्षेत्र का डी.एम.सर्किल रेट या रू. 50,000/- प्रति माह, जो कम हो
3	लखीमपुर-वार्ड हिदायतनगर	लगभग 1400 वर्गफुट	सम्बंधित क्षेत्र का डी.एम.सर्किल रेट या रू. 50,000/- प्रति माह, जो कम हो
4	गोला गोकरणनाथ-वार्ड लम्बानगर	लगभग 1400 वर्गफुट	सम्बंधित क्षेत्र का डी.एम.सर्किल रेट या रू. 50,000/- प्रति माह, जो कम हो
5	मोहम्मदी-वार्ड सरयाँ	लगभग 1400 वर्गफुट	सम्बंधित क्षेत्र का डी.एम.सर्किल रेट या रू. 50,000/- प्रति माह, जो कम हो
6	पलिया-वार्ड टेहरा शहरी	लगभग 1400 वर्गफुट	सम्बंधित क्षेत्र का डी.एम.सर्किल रेट या रू. 50,000/- प्रति माह, जो कम हो
7	पलिया-वार्ड सिंगहिया	लगभग 1400 वर्गफुट	सम्बंधित क्षेत्र का डी.एम.सर्किल रेट या रू. 50,000/- प्रति माह, जो कम हो

1. भवन में 6 कक्षों के अतिरिक्त 2 शौचालय, मरीजों के बैठने हेतु स्थान एवं भवन हवादार होना चाहिए।
2. भवन में विद्युत कनेक्शन हो तथा बिजली एवं पानी की नियमित आपूर्ति हो। मरीजों हेतु एम्बुलेंस आदि वाहनों के आने जाने का प्रयास रास्ता हो।
3. इच्छुक भवन स्वामी अपने भवन के समस्त दस्तावेज डाक द्वारा कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जनपद लखीमपुर-खीरी के पते पर पंजीकृत डाक द्वारा दिनांक 30.11.2025 तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
जनपद-लखीमपुर खीरी

विद्यार्थियों ने जिला अस्पताल का किया भ्रमण, ली जानकारी

बरेली, अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के केशलता कॉलेज ऑफ फार्मेसी के डीफार्मा द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने में मंगलवार को जिला अस्पताल का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने अस्पताल के विभिन्न विभागों को देखा और मरीजों के इलाज और दवाओं के रखरखाव की जानकारी ली।

भ्रमण के दौरान अस्पताल के चीफ फार्मासिस्ट बीसी यादव ने फार्मेसी विभाग के ड्रग स्टोर, डिस्पेंसरी, रिकॉर्ड रूम, आपातकालीन दवाइयों की जानकारी दी। इसके साथ ही ओपीडी, आईपीडी, ओटी, आईसीयू, पैथोलॉजी, ब्लड बैंक, शिशु वार्ड, इमरजेंसी वार्ड, बर्न वार्ड, इंजेक्शन वार्ड समेत आदि विभागों का विद्यार्थियों को भ्रमण कराया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया और विभागों में उपयोग होने वाले उपकरणों, प्रयोग होने वाली 268 दवाइयों के साथ स्टाफ की संख्या की भी जानकारी ली।

वहीं अस्पताल के प्रभारी एडीएसआईसी डॉ. अजय मोहन अग्रवाल ने बताया कि ऐसे भ्रमण से छात्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ती है और उन्हें चिकित्सा क्षेत्र को वास्तविक रूप से समझने का मौका मिलता है। इस मौके पर भ्रमण की समन्वयक सह अध्यापिका सृष्टि कटियार, ऐश्वर्या यादव, अनिल कुमार सिंह, अमित गंगवार मौजूद रहे।

17 साल बाद रिहा हुआ आतंकी हमले का आरोपी

- हाईकोर्ट के आदेश पर परिजनों के साथ सेंट्रल जेल से रवाना
- रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर 2007 में हमले का था आरोपी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रामपुर के सीआरपीएफ कैंप पर वर्ष 2007 में हुए आतंकी हमला करने वाले जंग बहादुर खान उर्फ बाबा के बाद अब मंगलवार को शरीफ उर्फ सुहेल उर्फ साजिद उर्फ अनवर उर्फ अली को रिहा किया गया। उसके परिजन उसे घर के लिए लेकर रवाना हुए। सेंट्रल जेल से सोमवार की शाम जंग बहादुर खान को रिहा किया गया था। शरीफ 17 साल 8 महीने 10 दिन जेल में रहने के बाद रिहा किया गया है। यह रिहाई इलाहाबाद हाईकोर्ट के 29 अक्टूबर के आदेश के अनुपालन में हुई है।

दरअसल, साल 2007 में रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला हुआ था। इसमें सात जवान शहीद हुए थे और एक रिक्शा चालक की भी मौत हुई थी। इस केस में शरीफ समेत छह आरोपियों को 2019 में रामपुर की अदालत ने दोषी करार दिया था। मोहम्मद शरीफ, बिहार के सबाउद्दीन, कश्मीर के इमरान शहजाद और पाकिस्तान के मोहम्मद फारुख को मौत की सजा दी गई थी, जबकि मुरादाबाद के जंग बहादुर खान उर्फ बाबा को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। इसी साल 29 अक्टूबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया। कोर्ट ने सभी आरोपियों को हत्या, आतंकी गतिविधियों और षड्यंत्र की धाराओं से दोषमुक्त कर दिया। हालांकि, शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1-ए) में दस साल की सजा और एक लाख रुपये जुर्माना कायम रखा गया।

जुर्माना भरने के बाद पूरी हुई रिहाई प्रक्रिया

हाईकोर्ट के आदेश के बाद रामपुर की अदालत ने 7 नवंबर को संशोधित सजायावी वारंट जारी किया, जो 10 नवंबर को जेल प्रशासन को मिला। आदेश के मुताबिक, शरीफ को केवल उसी मामले में सजा भुगतनी थी जिसमें शस्त्र अधिनियम की धारा बची थी। रिहाई से पहले शरीफ ने जुर्माने की राशि जमा कराई। चालान जमा होते ही मंगलवार को उसकी रिहाई की गई। हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि शरीफ द्वारा पहले से जेल में बिताई गई अवधि को उसकी अंतिम सजा में समायोजित किया जाए। इस हिसाब से उसकी 10 साल की सजा पूरी मानी गई और जेल प्रशासन ने रिहाई का आदेश जारी किया। शरीफ उर्फ सुहेल पर रामपुर सिविल लाइंस थाने में कई केस दर्ज थे, जिनमें विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट भी शामिल थे। गिरफ्तारी के समय उसे आतंकी गतिविधियों से जोड़कर देखा गया था, लेकिन लंबे अदालती संघर्ष के बाद सभी गंभीर आरोपों से मुक्त हो चुका है।

जंग बहादुर पहले दिन ही हुआ रिहा हुआ

इस केस में सजा काट रहे मुरादाबाद के जंग बहादुर खान उर्फ बाबा को सोमवार की शाम रिहा किया गया था। जबकि शरीफ की रिहाई मंगलवार को हुई, क्योंकि उसका जुर्माना सोमवार तक जमा नहीं हो पाया था। जेलर नीरज कुमार के अनुसार, मंगलवार को चालान जमा होते ही शरीफ को भी रिहा कर दिया गया। दोनों बंदी अपने परिजनों के साथ घर के लिए रवाना हो गए। करीब डेढ़ दशक जेल में बिताने के बाद मंगलवार की शाम शरीफ उर्फ सुहेल की रिहाई से जेल परिसर में चर्चा का माहौल रहा। जिस मामले में कभी उसे आतंकी करार दिया गया था, उन्हीं आरोपों से अब अदालत ने उसे मुक्त कर दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत भवानीपुर वि.खं. निगोही जिला शाहजहांपुर

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भवनीपुर वि.खं. निगोही शाहजहापुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा से निम्न कार्यो का निर्माण कार्य कराया जाना है। जिसके हेतु वांछित सामग्री की आवश्यकता है। अतः निम्नलिखित कार्यो के सम्मुख अंकित सामग्री क्रय करने हेतु पंजीकृत फर्मो से दिनांक 12.11.2025 को अपरान्ह 02 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदा आमंत्रित की जाती है। जो तद्दिनांक को अपराहन 03:00 बजे सम्बन्धित फर्म के प्रोपराइटर की उपस्थिति में खोली जायेगी। निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। सबसे कम दर वाली निविदा को स्वीकृत किया जायेगा।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री
1	ग्राम पंचायत भवानीपुर में गौशाला का विस्तारीकरण का निर्माण	सरिया, ईट, खडंजा व अन्य सामान

श्रीमती अन्जूदेवी मौर्य (प्रधान) श्री श्रवण कुमार शर्मा (सचिव)

कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण, बदायूं

पत्रांकः 881/डूडा/ई-टेन्डरिंग/2025-26 दिनांकः 11.11.2025

ई-निविदा सूचना

जिला नगरीय विकास अभिकरण, बदायूं द्वारा मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजनान्तर्गत (अनु.सं.-83) के अन्तर्गत स्वीकृत धनराशि से परियोजनाओं की ई-निविदायें दिनांक 18.11.2025 तक वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती है। सभी निविदायें एवं समस्त अभिलेख तथा शर्ते वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 12.11.2025 से दिनांक 18.11.2025 समय 5:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगे जहां से उन्हें डाउनलोड किया जा सकता है। निविदादाता दिनांक 18.11.2025 समय 5:00 बजे तक अपने समस्त सम्बन्धित अभिलेख वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर अपलोड कर सकते हैं। ऑनलाइन प्राप्त निविदायें दिनांक 19.11.2025 को समय 12:00 बजे निविदा समिति के समक्ष कार्यालय अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/परियोजना निदेशक बदायूं में खोली जायेगी।

परियोजना अधिकारी
डूडा, बदायूं

राजीव मिश्र बने आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ के संयुक्त सचिव

बरेली, अमृत विचार : बरेली के आयकर अधिकारी राजीव मिश्र ने आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ, पूर्वी उत्तर प्रदेश के संयुक्त सचिव, बरेली प्रभार पद पर विजय प्राप्त की है। यह चुनाव लखनऊ में आयोजित किया गया था। राजीव मिश्र को लगातार तीसरी बार इस पद पर निर्विरोध चुना गया है।

सभी अधिकारी मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाने में झोंके ताकत

- मंडलायुक्त बोले- मंडल में विधानसभावार बीएलओ को बुलाकर करें ब्रीफिंग
- जीआईसी ऑडिटोरियम में एसआईआर की तैयारियों की हुई समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: मंडलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी ने मंगलवार को जीआईसी सभागार में जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों और बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची को लेकर समीक्षा बैठक की।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार यहां विस्तार से ब्रीफिंग की जा रही है उसी तरह अधिकारी अपने जिले में विधानसभावार बीएलओ को बुलाकर ब्रीफिंग करें, जिससे उनकी सभी शंकाओं का निराकरण हो जाए। कहा बीएलओ के पास मतदाता सूची, रजिस्टर, एम्युनेशन फार्म हो। इसी के आधार पर मैपिंग की जानी है। गलत और नियम विरुद्ध कार्य करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। चारों जिलों के डीएम से कहा कि वह ध्यान रखें कि वीआरसी स्तर पर कोई अनियमितता न हो और हर विधानसभा का अलग-अलग वीआरसी हो। उसमें कार्य करने वालों का आई कार्ड भी जारी हो। जियो टैग वाली फोटो भी बीएलओ/सुपरवाइजर से ली जाए। पैन कार्ड और पासपोर्ट का ऑनलाइन सत्यापन भी कराया जाए, जिससे यदि कोई फर्जी दस्तावेज से मतदाता सूची में प्रवेश करने का प्रयास ना कर पाए। डीएम अविनाश सिंह ने कहा कि शुद्ध निर्वाचक नामावली तैयार की जा रही है। इसके लिए 2003 की मतदाता सूची को आधार बनाया है। 7 फरवरी 2026 तक यह प्रक्रिया सम्पन्न होगी। बैठक में अपर आयुक्त प्रशासन प्रीति जायसवाल, सीडीओ देवयानी, नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, संयुक्त मजिस्ट्रेट इशिता किशोर, एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह, एडीएम नगर सौरभ दुबे, एडीएम न्यायिक देश दीपक समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अमृत विचार

बुधवार, 12 नवंबर 2025

मूर्ख व्यक्ति बिना बुलाए ही अंदर चला आता है, बिना पूछे ही बोलने लगता है तथा जो विश्वास करने योग्य नहीं हैं, उन पर भी विश्वास कर लेता है।
– महात्मा विदुर

आतंकी साजिशों का साया

देश की सुरक्षा व्यवस्था को गहरी चेतावनी देने वाले दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट ने यूपी के कई चिराग बुझा दिए। यह मात्र आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि यह संकेत है कि भारत में आतंकवाद की जड़ें पुनः पनपने लगी हैं। पिछले कुछ महीनों में गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से आतंकियों की गिरफ्तारियों तथा संदिग्ध गतिविधियों के जो सिलसिले सामने आए हैं, वे बताते हैं कि देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर खतरा बढ़ता जा रहा है। शुरुआती जांच में मिली सामग्री, रासायनिक अवशेष और विस्फोटक तत्व यह संदेह मजबूत करते हैं कि देश में भारी मात्रा में आतंकी हरबे हथियार पहुंच चुके हैं। इसका मतलब है कि आतंकी संगठन देश के भीतर फिर से अपने नेटवर्क को सक्रिय करने में सफल हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश, विशेषकर उसके पश्चिमी और मध्य क्षेत्र, लंबे समय से आतंकी संगठनों के पसंदीदा हैं। राज्य की जनसंख्या, धार्मिक और राजनीतिक संवेदनशीलता तथा दिल्ली से निकटता इसे आतंकियों के लिए आसान टारगेट बनाती है। खुफिया सूत्र बताते हैं कि कुछ शहर जैसे लखनऊ, मेरठ, वाराणसी और कानपुर आतंकी मॉड्यूल्स के निशाने पर हैं। गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में पकड़े गए आतंकियों और फरीदाबाद मॉड्यूल से मिले सुराग भी इस आशंका को बल देते हैं कि देशभर में विभिन्न छोटे-छोटे मॉड्यूल किसी साझा उद्देश्य के तहत काम कर रहे हैं। इस बात पर सरकारी एजेंसियों को गहरा शक है कि दिल्ली विस्फोट फिदायीन हमला हो सकता है या संभव है कि शृंखलाबद्ध आतंकी साजिश का हिस्सा। इस पर भी संदेह है कि कार्रवाई के डर से विस्फोटक की जगह बदलते समय दुर्घटनावश यह विस्फोट हुआ हो। फिदायीन हमले की आशंका, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों पर संदेह और विदेशी खुफिया एजेंसियों की भूमिका के संकेतों के बावजूद, सरकार और पुलिस द्वारा इस विस्फोट को "आतंकी हमला" घोषित करने में झिझक यह दर्शाती है कि जांच एजेंसियां अभी निर्णायक सबूतों की प्रतीक्षा में हैं। परंतु यह भी सच है कि किसी भी देरी से आतंकी नेटवर्क को अपने निशान मिटाने का मौका मिल जाता है।

आतंकवाद केवल पारंपरिक हथियारों या विस्फोटकों तक सीमित नहीं रहा, रासायनिक तत्वों, साइबर हैकिंग और फर्जी डिजिटल पहचान के माध्यम से आतंकी अपनी उपस्थिति छिपा रहे हैं। गृह मंत्रालय को पारंपरिक खुफिया नेटवर्क के साथ साइबर निगरानी, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और अंतर्राज्यीय समन्वय वाले "हाइब्रिड काउंटर-टेररिज्म स्ट्रैटेजी" की आवश्यकता है। सरकार ने पिछले दशक में आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीतियां बनाईं, लेकिन अब चुनौती का स्वरूप बदल चुका है। ऐसे में जरूरी है कि सुरक्षा एजेंसियां घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने की बजाए खतरे का अनुमान लगाकर पहले ही कार्रवाई करें। यह विस्फोट महज एक हादसा नहीं, बल्कि यह आगाह है कि अगर हमने अपने सुरक्षा ढांचे को आधुनिक तकनीकी और रणनीतिक दृष्टि से मजबूत नहीं किया, तो आने वाले समय में ऐसे "संदिग्ध विस्फोट" एक भयावह वास्तविकता बन सकते हैं। सरकार को मौजूदा जांच के साथ ही नीति स्तर पर एक व्यापक आतंक-निरोधी रणनीति लागू करनी चाहिए ताकि किसी भी शहर में न तो आतंकी संगठन पनपे न ऐसी जानलेवा गतिविधियां हों।

प्रसंगवश

डॉ. सलीम अली की नीतियों से करना होगा पक्षियों का संरक्षण

डॉक्टर सलीम अली को भारत भर में पक्षियों का व्यवस्थित सर्वेक्षण के लिए जाना जाता है। उन्हें 'भारत के पक्षी पुरुष' के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने पक्षियों पर कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखी हैं, जिससे भारत में पक्षी विज्ञान को समझने और बढ़ावा देने में मदद मिली है। उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने 1958 में पद्म भूषण और 1976 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया, लेकिन चिंता की बात यह है कि उनके सतत प्रयासों और जागरूकता के बावजूद भी भारत में पक्षियों की आबादी तेजी से घट रही है। वर्ष 2020 में संयुक्त राष्ट्र की 'स्टेट ऑफ इंडियाज' बड्र्स की रिपोर्ट से भी उद्घाटित हुआ था कि भारत में 79 प्रतिशत पक्षियों की तादाद घट गई है। यह रिपोर्ट इसलिए विश्वसनीय है कि 867 प्रकार के पक्षियों का अध्ययन कर उनके दीर्घावधि (25 साल) और लघु अवधि (5 साल) के आंकड़े जुटाए गए और निष्कर्ष पर पहुंचा गया। भारत के पक्षियों की स्थिति रिपोर्ट 2023 में कहा गया है कि 60 प्रतिशत प्रजातियों की गिरावट व निवास स्थान का नुकसान हुआ है, पर अच्छी बात यह है कि विगत वर्षों से गौरैया की संख्या स्थिर रही है। हालांकि दिल्ली, मुंबई समेत आधा दर्जन शहरों में इनकी संख्या घटी है। देश में प्रवासी पक्षियों का आना भी कम हो रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में ओखला बर्ड सेंचुरी में प्रवासी पक्षियों का आगमन लगातार कम हो रहा है। पक्षी विज्ञानियों की माने तो बर्ड सेंचुरी के आसपास बढ़ते वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण की वजह से प्रवासी पक्षी यहां आना पसंद नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा दलदली और जल वाली भूमि का लगातार घटते जाना भी एक प्रमुख कारण है। जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध पश्चिमी घाटों पर वर्ष 2000 से अब तक पक्षियों की संख्या में 75 प्रतिशत तक कमी आई है। याद होगा कि अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने वर्ष 2013 में भारत में देखे जाने वाले पक्षियों की दस प्रजातियों को बेहद गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में शामिल किया था। इनमें ग्रेट साइबेरियन क्रेन, गोडावण, सफेद पीठ वाला गिद्ध, लाल-सिर वाला गिद्ध, जंगली उल्लू, स्पून बिल्ड सैंडपाइपर और सफेद पेट वाला बगुला प्रमुख था। इन पक्षियों की आबादी में गिरावट की मुख्य वजहों में आवास का नुकसान, संशोधन, बिखंडन, पर्यावरण प्रदूषण को प्रमुख रुप से जिम्मेदार माना गया। ग्लोबल वार्मिंग ने पक्षियों के अस्तित्व को और भी अधिक संकट में डाल दिया है।

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ पत्रकार

गौरतलब है कि भारत में विभिन्न प्रकार के पक्षी पाए जाते हैं, जिनमें गौरैया, कौआ, तोता, तीतर, चर्खी, शामा, भुजंगा आदि पक्षी आमजन के बेहद करीब माने जाते हैं, लेकिन इन पक्षियों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। पक्षियों के संरक्षणकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि दुनिया की सबसे वजनदार पक्षियों में से एक सोन चिरैया की प्रजाति लुप्त होने के कगार पर है। सोन चिरैया को कभी भारत व पाकिस्तान की घास भूमियों पर देखा जाता था, लेकिन अब ये एकांत भरे क्षेत्रों में ही देखने को मिलते हैं। पक्षी विज्ञानियों की मानें, तो पृथ्वी पर मानव की गतिविधियों और जंगलों के विनाश के कारण पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं। वर्ष 1500 से अब तक तकरीबन पक्षियों की 190 प्रजातियां पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं। गौर करें तो सर्दियों के मौसम में तो भारतीय उपमहाद्वीप के विशेष क्षेत्र मसलन झील, आर्द्रभूमि या बैकवाटर प्रवासी पक्षियों का बसेरा बन जाता है। उचित होगा कि विलुप्त हो रहे पक्षियों को बचाने के लिए 'भारत के पक्षी पुरुष' के पद चिह्नों पर चले ताकि पक्षियों का कलरव तेज हो सके।

क्या कोई लेगा दुखद हादसे की जिम्मेदारी?

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

ब्लास्ट होने के महज कुछ घंटों पहले दिल्ली से सटे 47 किलोमीटर दूर फरीदाबाद में संदिग्धों के घरों से हथियारों का भारी मात्रा में जखीरा मिलना और सैकड़ों किलो आरडीएक्स की बरामदगी घटना से संबंध जुड़ने की ओर इशारा करती है? बेशक घटना को अभी आतंकी या फिदायीन हरकत करार न दी गई हो? पर हमले का मॉड्यूल बहुत कुछ कहता है। हालांकि केंद्रीय जांच एजेंसियां, एनआईए और एनएसजी फिलहाल हर एंगल से कड़ियों को जोड़ने में लगी है। खुदा-न-खास्ता अगर ये आतंकितयों की हरकतें निकली, तो समझ लेना चाहिए कि अब उन्होंने अपने मंसूबों को अंजाम देने वाले तरीकों में बदलाव कर लिया है। दिन में आतंकी नेटवर्क का पकड़ा जाना और देर शाम को धमाका हो जाने की थ्योरी पर सभी अचंभित हैं। दिल्ली जैसा राज्य जो अतिसुरक्षित हो, चप्पे-चप्पे पर चौबीसों घंटे चौकसी रहती हो? जहां केंद्र सरकार से लेकर खुफिया एजेंसियों का ठिकाना हो, वहां घटित ऐसे हादसे को सीधे-सीधे हुकूमत की नाकामी और सुरक्षा तंत्र की घोर विफलता ही कहा जाएगा।

विस्फोट का खौफजदा मंजर न सिर्फ भयभीत करने जैसा था, बल्कि डरावना भी? घटना के समय चारों तरफ भगदड़ मचना, चीख-पुकार का तेज शोर व विस्फोटक चिंगारियों से मेट्रो स्टेशन के शीशों का चटाचट टूटना और ब्लास्ट वाली कार का एक गेट करीब 90 मीटर दूर जाकर गिरने के मंजर को देखकर प्रत्यक्षदर्शी, राहगीर और दुकानदार सहम से गए। लोग दुकानों में छिप गए, गाड़ियों की आड़ लेकर बैठ गए। ब्लास्ट वाली जगह पर चौबीसों घंटे लोगों की चहल-पहल रहती है। एशिया का सबसे बड़ा बाजार भी वहीं है, इसलिए उसे व्यस्तम इलाकों में गिना जाता है। लालकिले के बाहरी हिस्से में लाखों लोगों की प्रतिदिन आवाजाही रहती है। गनीमत ये रही कि सोमवार का दिन था, अमूमन दुकानें बंद रहती हैं। वरना, इस भयभीत मंजर से भगदड़ मचने से और भी बड़ी घटना हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसे अचानक से धरती फट गई हो और आसमान पूरा लाल हो गया हो? लोगों ने बताया घटनास्थल पर किसी का हाथ पड़ा था, तो किसी की कटी हुई गर्दन? जलते मांस के टुकड़ों से आती गंध ने और ज्यादा मंजर डरावना कर दिया। कुछ मिनट तक लोग समझ ही नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है?

दिल्ली सत्ता का केंद्र ही नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से प्रतीक भी माना जाता है। बहरहाल, फिदायीन हमले की आशंका है, जिसको मद्देनजर रखकर ही एनआईए और एनएसजी जांच में जुटी है, क्योंकि ऐसे हमलों की खुफिया जानकारियां उन्हें पूर्व से प्राप्त हैं। तकरीबन इस तरह के हमले विस्फोटक पदार्थों से ही किए जाते हैं, जिसका पुलवामा कांड सबसे बड़ा उदाहरण है। इंटेलिजेंस को अगस्त से ही इंटपुट मिल चुके थे कि जम्मू के रास्ते कुछ आतंकी देश में प्रवेश कर चुके हैं, जो कहीं न कहीं बड़ी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में हैं। उन्हें डिटेन करने में तमाम खुफिया एजेंसी सक्रिए थीं, लेकिन सटीक जानकारियां का अभाव रहा। हालांकि हथियार और आरडीएक्स को बरामद करने में सफलता जरूर मिली, लेकिन कौन से आतंकी संगठन शामिल हैं और उनका घटनाई मॉड्यूल क्या है? आदि की जानकारी से हाथ खाली रहा। मौजूदा घटना के तह तक जाने की जरूरत है। ऐसी घटनाओं पर समय रहते अगर प्रतिबंध नहीं हुआ, तो आतंकियों के हौसले और बुलंद हो जाएंगे।

घटना में हरियाणा नंबर की, जो कार प्रयुक्त हुई है, उसकी पहचान जांच एजेंसियों ने कर ली है। कार का मालिक फरीदाबाद निवासी कोई मोहम्मद सलमान नाम का है, जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। कुछ महीने पहले उसने उस कार को सेकंड हैंड किसी से खरीदी थी। निश्चित रूप कार के जरिए बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। कार का इसी साल सितंबर में गलत पार्किंग को लेकर फरीदाबाद में चालान भी कटा था। घटना के वक्त कार में तीन लोगों के होने की आशंका जताई गई, जो थे, उनके चिथड़े उड़ चुके हैं। कार में वांछित डॉ. उमर मोहम्मद के होने की भी आशंका है, वहीं उमर जिसके घर से घटना के कुछ घंटों पहले हथियारों का जखीरा और आरडीएक्स बरामद हुआ था। कार से बरामद शव उस हालत में नहीं हैं, जिनकी शिनाख्त की जाए, डीएनए जांच से ही उनकी पुष्टि हो सकेगी।

घटना को लेकर कई तरह के सवाल उठ खड़े हुए हैं। जैसेकि ब्लास्ट होने की भनक भारतीय खुफिया एजेंसियों को क्यों नहीं लगी? घटना केंद्र सरकार और स्थानीय सरकार के बिल्कुल नाक के नीचे घटी। पुलिस को ब्लास्ट की सूचना 6 बजकर 52 मिनट पर मिली। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-एक के बा-मुश्किल 20-25 मीटर दूरी पर लाल बत्ती रेड लाइट पर एक स्लो मोशन कार आती है और ब्लास्ट हो जाता है। सीसीटीवी फुटेज में कार घटना के कुछ घंटे पहले पास के एक मस्जिद परिसर में खड़ी देखी गई। क्या प्लानिंग पहले से की गई थी या फिर आरडीएक्स के शेष हिस्से को ब्लास्ट के जरिए दफन करना था।

फिलहाल दिल्ली में ब्लास्ट के बाद गृहमंत्रालय में आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें एनएसए चीफ अजीत डोभाल के अलावा सुरक्षातंत्र से जुड़े आलाधिकारी शामिल हुए। बैठकों का दौर जारी है। सवाल उठता है सांप निकल जाने के बाद डंडा फटकारने का क्या तुक? घटना में 11 लोगों के मरने और 24 के घायल के आंकड़ों को प्रशासन ने जारी किया है। आंकड़े बढ़ सकते हैं। कब तक बेकसूर लोग अपनी जाने ब्लास्ट जैसी घटनाओं में देते रहेंगे? अमन-शांति के हुकूमती नारे धरातल पर कब उतरेंगे, कौनसी घड़ी आएगी जब ये सब होगा? ऐसे सवाल प्रत्येक भारतीयों के मन में उठने लगे हैं।

फिलहाल दिल्ली में ब्लास्ट के बाद गृहमंत्रालय में आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें एनएसए चीफ अजीत डोभाल के अलावा सुरक्षातंत्र से जुड़े आलाधिकारी शामिल हुए। बैठकों का दौर जारी है। सवाल उठता है सांप निकल जाने के बाद डंडा फटकारने का क्या तुक?

आमने

प्रदेश के हर स्कूल में 'वंदे मातरम' राष्ट्रगीत को अनिवार्य करेंगे। यह वही लोग हैं, जो लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती में शामिल नहीं होते, लेकिन जिन्ना को सम्मान देने के कार्यक्रम में शामिल होते हैं। वंदे मातरम के विरोध का कोई औचित्य नहीं, वंदे मातरम का इस प्रकार का विरोध भारत के विभाजन का दुर्भाग्यपूर्ण कारण बना था।
– योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

सामने

ये बहस आज हम कर रहे हैं, क्या उस समय, जो संविधान के निर्माता थे, उन्होंने बहस नहीं की? इसीलिए राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दिया। अगर यही होता कि इसे गाना ही गाना है, तो क्यों अनिवार्य नहीं किया गया? उन्होंने चॉइस छोड़ दी थी। भाजपाइयों से कई बार पूछा गया कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत क्या है, वे नहीं बता पाए थे।
– अखिलेश यादव, पूर्व सीए, उप्र

चिंताजनक है आम आदमी के अधिकारों का दुरुपयोग

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ

आम नागरिक, सरकारी विभाग, पुलिस, न्यायधीश, सूचना आयोग.. सब के सब ब्लैकमेलर्स अफवाह बाज शिकायती गिरोहों से परेशान हैं। सूचना आयुक्त और सरकारी विभागों ने साफ कहा है कि सूचना के अधिकार और मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल (आईजीआरएस) का खूब दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह आम समाज की ताकत सोशल मीडिया/एआई भी अफवाह बाजों का हथियार बन गई है। जनहित याचिकाओं के बेजा इस्तेमाल से न्याय-व्यवस्था परेशान है, जिसके होते झूठी और फर्जी तथ्यहीन आरोपों पर बार-बार याचिकाएं दाखिल करने वालों को अर्थदंड का प्रावधान लागू किए जाने पर मजबूर होना पड़ा है।

सोशल मीडिया के साथ एआई की आधुनिक तकनीक को अफवाहबाजों ने कोढ़ में खाज बना दिया है। अभी कुछ दिन पहले ही एआई जनरेट तस्वीर ने सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैला दी कि लखनऊ के पॉश कॉलोनी में शेर घूम रहा है। ऐसी तस्वीर बनाकर वायरल करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लखनऊ पुलिस ने इस अफवाह पर विराम लगाया। इसी तरह एआई तकनीक से एक फर्जी वीडियो में दिखाया गया कि देश की प्रतिष्ठित महिला पत्रकार गृह मंत्री के जूते साफ कर रही हैं। अफवाहबाजी की ऐसी एक नहीं सैकड़ों-हजारों कहानियां हैं। ब्लैकमेलर और अफवाहबाज सूचना का अधिकार कानून और सोशल मीडिया का खूब दुरूपयोग कर रहे हैं। एजेंडा धारी स्वार्थवश झूठे एजेंडे चला रहे हैं। साइबर अपराध खूब फल फूल रहा है।

सूचना का अधिकार, जनहित याचिका हो, आईजीआरएस या सोशल मीडिया, आम नागरिकों के ये जायज हथियार नाजायज तरीके से हथिया लिया जा रहा है। पिछले दो दशक में बहुत कुछ बदला है। तकनीक का तेजी से विस्तार हुआ और इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी आगे बढ़ी। सोशल मीडिया और सूचना का अधिकार का सदुपयोग भी हो रहा है। सोशल मीडिया सूचनाओं, जानकारियों, ज्ञान, सकारात्मक कंटेंट, प्रतिभाओं, झूठ के खिलाफ सच्चाइयों को आसानी से परोसने और आगे बढ़ाने का बेहतरीन माध्यम है। सूचना का अधिकार सूचनाएं, जानकारियां प्राप्त करने, पार्दर्शिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ आम जनता का अधिकार है और ताकतवर हथियार भी।

सोशल मीडिया के हथियारों के साथ जनहित याचिकाओं और शिकायत के अधिकारों का दुरुपयोग करने वाले शिकायती गिरोहों की ब्लैकमेलिंग के धंधे जितना परवान चढ़ रहे हैं आम नागरिकों का अधिकार कमजोर पड़ रहा है। ये चिंता का विषय है और इस पर लगाम बेहद जरूरी है। आरटीआई की साइट पर जाइए और शिकायतों के विवरण पर गौर कीजिए, तो पता चलेगा कि चंद नाम निरंतर दर्जनों सूचनाएं मांग रहें हैं और ऐसा ही मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर भी कुछ शिकायतकर्ता या तो बार-बार शिकायत कर रहे हैं या फिर फर्जी नामों या डमी नामों से शिकायतें खूब की जा रही हैं।

ऐसे ही ब्लैकमेलिंग के इरादे से शिकायती गिरोह का एक-एक सदस्य आधा-आधा दर्जन जनहित याचिकाएं दाखिल किए हैं। बाद में अधिकांश याचिकाओं की पैरवी बंद कर दी जाती है। यानी समझौता, सफल निगोशिएशन या यूं कहिए कि ब्लैकमेलिंग का ऑपरेशन लेन-देन सफल और याचिकाएं, शिकायतें, सूचनाएं डंप या वापस ले ली जाती हैं। राज्य सूचना आयुक्त और लखनऊ विकास प्राधिकरण सहित कई सरकारी विभागों के अनुसार एक व्यक्ति दर्जनों/सैकड़ों बार सूचनाएं मांगता और शिकायतें करता हैं। ये लोग संगठित तौर पर पैरवी और अपील में भी डटे रहते हैं। ऐसे में आम इंसान की जायज शिकायत या मांगी गई सूचना धंधेबाजों की भीड़ में बहुत पीछे हो जाती है। खबर के लिए सूचनाएं मांगने और भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार भी ब्लैकमेलरों के संगठित गिरोहों से परेशान हैं।

ऐसे गैंग बाकायदा सिस्टेमैटिक ढंग से काम करते हैं। एक विंग के लोगों की आईडी या सिग्नेचर/फर्जी सिग्नेचर से सूचनाएं मांगी जाती हैं। आईजीआरएस (मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत) की जाती है। जनहित याचिकाएं मांगी जाती हैं। ये धमकी भरे नोटिस भेजने और धोखाधड़ी से फर्जी एफआईआर/ 156(3) कराने में भी माहिर होते हैं। आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाओं और शिकायतों को सोशल मीडिया पर वायरल करने का विंग अलग होता है। गिरोह का तीसरा विंग जनहित याचिकाएं/एफआईआर/आईजीआरएस/शिकायत वापस लेने के निगोशिएशन के लिए होता है।

चिंता की ये ज्यादा बात नहीं कि लोग ब्लैकमेलिंग का शिकार हो रहे हैं। अधिक चिंता की बात ये है कि आम नागरिकों का जायज हथियार छीनकर नाजायज तरीके से चलाया जा रहा है। वैसे ही जैसे गरीबों की झोपड़ियों और बस्तियों पर भू-माफियाओं की नजर रहती है। आम जनमानस, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के अधिकार रूपी सशक्त हथियारों को ब्लैकमेलिंग की शिकायती गिरोहबाजी से मुक्त कराना कानून, शासन-प्रशासन, पत्रकारिता और जनता सभी का फर्ज है।

आरटीआई की साइट पर जाइए और शिकायतों के विवरण पर गौर कीजिए, तो पता चलेगा कि चंद नाम निरंतर दर्जनों सूचनाएं मांग रहें हैं।

सोशल फोरम

शराबबंदी ने एक नए उद्योग को दिया जन्म!

पूरी दुनिया में लोग शराब पीते हैं, लेकिन पियक्कड़ भारत में ही मिलते हैं। अपराध का एक बहुत बड़ा कारण शराब भी है। नीतीश कुमार ने शराब बंदी कर एक सार्थक कदम उठाया था, लेकिन जब अगल-बगल के राज्यों में शराब पर कोई पाबंदी नहीं हो, तो शराबबंदी को बिहार में असफल होना ही था, जो कि हुआ है। उल्टे इसने एक नए उद्योग को जन्म दे दिया। शराब के अवैध व्यापार का और पुलिस को कमाई का एक नया जरिया पैदा कर दिया। अगर आप इन पियक्कड़ों का दर्शन करना चाहें, तो शाम सात बजे से रात दस बजे बीच जो भी ट्रेन यूपी से बिहार में प्रवेश करे, उसके रिजर्व बोगी में बैठ जाइए। दो-चार पियक्कड़ मिल ही जाएंगे। बिना टिकट ट्रेन से यूपी में जाते हैं और उधर से टर्र होकर बिना टिकट किसी ट्रेन से वापस हो जाते हैं। हो सकता है, कोई-कोई इतना अधिक पी लिया हो कि ठीक से खड़ा भी न हो सके और तो और किसी सीट पर बैठे या सोये उल्टी भी करने लगे, जैसा कि बीते दिन मैंने देखा। ट्रेन थी हरिहर एक्सप्रेस अंबाला से बरौनी की लंबी दूरी तय करने वाली। बलिया से आगे बढ़ते और बिहार करीब आते ही ट्रेन बिना मां-बाप के हो गई। जैसे कि पटना और आरा के बीच ट्रेनें होती हैं। न कोई टिकट चेकर, न कोई पुलिस। अगले सुरेमनपुर स्टेशन पर तीन मुस्टंडे सवार हुए। उनमें से एक मुश्किल से खड़ा हो पा रहा था। ओवरडोज ले लिया होगा। बी-1 कोच में मेरे सामने तीन सीटें खाली थीं। एक ने लाइट ऑफ की और दो ने सहारा देकर ओवरडोज वाले को जैसे-तैसे नीचे सुला दिया। अपने दोनों इधर-उधर पसर गए। छपरा आने के पहले ही तीनों वहां से चले भी गए। मैं अपने टैबलेट में पढ़ रहा था। ट्रेन शहर में प्रवेश की, तो मैं भी उठा और लाइट जलाया। फिर नीचे नजर पड़ी। सामने के तीनों सीट के चादर, कंबल नीचे गिरे हुए थे। सोचा, पियक्कड़ ने गलती से गिरा दिया है, उठाकर रख दूं। पर यह क्या, नीचे तो पूरी उलटी पसरी थी, जिसको पियक्कड़ों ने ट्रेन के कंबल, चादर आदि से ढक दिया था। सोचने लगा कंबल और चादर की दुर्गति पर। कोच अटेंडेंट को जाकर बोला। उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं, मानों इसका आदी हो। वह सफाई कर्मचारी को बुलाया, साफई करवाई। मैंने पूछा, "क्यों जी, तुम लोग ऐसे लोगों को कुछ बोलते नहीं हो?" उन्होंने चुप्पी साध ली। फिर कहा, "क्या कीजिएगा सर! रोज ऐसा होता है।" मैंने भी सोचा, ये आखिर क्या कर सकते हैं? जब सरकार पियक्कड़ों से नहीं निपट पा रही है, तो ये ठेके पर रखे गए लड़के हैं। अपनी जान जोखिम में क्यों डालें?

राना सिंह
सेवानिवृत प्रोफेसर

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं डिप्टी स्पीकर पद की रिक्तता

संसदीय लोकतंत्र की जड़ें केवल चुनावों से नहीं, बल्कि उन संवैधानिक परंपराओं से सुदृढ़ होती हैं, जो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखती हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण परंपरा है लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) का पद। सुप्रीम कोर्ट में लंबित जनहित याचिका (संख्या 126/2023) ने इस मुद्दे को एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। इस याचिका में कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद-93 और 178 के तहत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के चुनाव 'यथाशीघ्र' कराए जाने चाहिए, किंतु व्यावहारिक स्थिति यह है कि अध्यक्ष का चुनाव तो पहले ही दिन हो जाता है, जबकि उपाध्यक्ष का चुनाव महीनों और कभी-कभी तो वर्षों तक टलता रहता है।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
लेखक, जयपुर

वर्तमान में लोकसभा में यह पद जून 2019 से रिक्त है। राजस्थान विधानसभा ने अपनी 15 वीं विधानसभा के पूरे पांच वर्ष के कार्यकाल में उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं कराया और वर्तमान 16 वीं विधानसभा में भी लगभग दो वर्ष बीत जाने के बाद पद अब तक खाली है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसी बड़ी विधानसभाओं में भी यही स्थिति है। झारखंड विधानसभा में तो यह पद बीस वर्षों से अधिक समय से रिक्त है। ये आंकड़े केवल प्रशासनिक उपेक्षा नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादा के उल्लंघन की ओर संकेत देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह प्रश्न पूछा है कि आखिर 17 वीं लोकसभा का पूरा कार्यकाल बीत जाने और 18 वीं लोकसभा के गठन के एक वर्ष बाद भी उपाध्यक्ष का चुनाव क्यों नहीं हुआ? यह प्रश्न केवल संवैधानिक औपचारिकता का नहीं, बल्कि नैतिक और राजनीतिक उत्तरदायित्व का भी है। संविधान निर्माताओं की दृष्टि में 'यथाशीघ्र' का अर्थ अनिश्चित काल तक प्रतीक्षा नहीं, बल्कि तत्काल अनुपालन से था। इस पद की उपेक्षा संविधान की उस भावना के विरुद्ध है, जो सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संस्थागत संतुलन की रक्षा करती है।

संविधान सभा की चर्चाओं में यह स्पष्ट किया गया था कि उपाध्यक्ष का पद केवल अध्यक्ष के स्थानापन्न के रूप में नहीं, बल्कि सदन की निरंतरता और निष्पक्षता के प्रतीक के रूप में आवश्यक है। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं, विभिन्न संसदीय समितियों का नेतृत्व करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि संसदीय व्यवस्था निर्बाध रूप से चलती रहे। भारतीय संसदीय परंपरा में यह पद लंबे समय तक विपक्ष को दिया जाता रहा है ताकि सदन के संचालन में निष्पक्षता बनी रहे। यह राजनीतिक उदारता और संवादशीलता का उदाहरण था, किंतु आज ऐसी परंपराएं विलुप्त होती जा रही हैं। लोकसभा में 1991 से यह परंपरा स्थापित हुई थी कि उपाध्यक्ष पद विपक्ष को मिले, पर 17 वीं लोकसभा में यह परंपरा टूट गई। यह केवल संवैधानिक अवहेलना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सह-अस्तित्व की भावना के क्षरण का संकेत है। उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में न केवल सदन की कार्यवाही का संतुलन प्रभावित होता है, बल्कि विपक्ष को संस्थागत प्रतिनिधित्व से भी वंचित किया जाता है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिका ने यह प्रश्न उठाया कि क्या संवैधानिक पदों की नियुक्ति राजनीतिक सुविधा पर छोड़ी जा सकती है? जब अध्यक्ष का चुनाव कुछ ही घंटों में संभव है, तो उपाध्यक्ष का वर्षों तक लंबित रखना संवैधानिक नैतिकता पर प्रश्नचिह्न है। लोकतंत्र केवल शासन की व्यवस्था नहीं, बल्कि आचरण की संस्कृति है। यदि लोकसभा और विधानसभाएं यथाशीघ्र उपाध्यक्ष का चुनाव कर लें, तो यह संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति सम्मान होगा। सत्ता-पक्ष को यह समझना होगा कि लोकतंत्र का संचालन केवल बहुमत से नहीं, बल्कि मर्यादा से होता है और उपाध्यक्ष का पद उसी मर्यादा का सशक्त प्रतीक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

संगीत की मधुर इबारत लिखता भातखंडे

प्रख्यात संगीतकार विष्णु नारायण भातखंडे द्वारा 1926 में मैरिस कालेज ऑफ म्यूजिक के नाम से स्थापित संगीत विद्यालय एक सदी में वक्त के साज पर मनोहारी स्वर लहरियां उत्पन्न करता नजर आ रहा है। यह न केवल भारत का प्रमुख संगीत संस्थान बन चुका है, बल्कि उत्तर प्रदेश के पहले राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा भी हासिल कर चुका है। भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय में दुनिया के कई देशों से विद्यार्थी संगीत और नृत्य की शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते हैं।

-शबाहत हुसैन विजेता
लखनऊ

एक सदी का सफर

1926 से 1966 तक मैरिस कॉलेज ऑफ म्यूजिक के नाम से पहचान रखने वाला संस्थान 1966 में अपने जनक विष्णु नारायण भातखंडे के नाम पर भातखंडे कॉलेज ऑफ हिन्दुस्तानी म्यूजिक में बदल गया। वर्ष 2000 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा मिला और तत्कालीन प्रधानाचार्य डॉ. पूर्णिमा पांडेय को कुलपति बनाया गया। 2022 तक यह डीम्ड विश्वविद्यालय रहा। इस दौरान पं. विद्याधर व्यास, श्रुति सडोलीकर को यहां का कुलपति बनाया गया। कुछ समय तक यहां कार्यवाहक कुलपति भी रहे, लेकिन 2022 में राज्य विश्वविद्यालय बन जाने के बाद भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में प्रो. मांडवी सिंह पहली कुलपति बनीं।

मैरिस कॉलेज ऑफ म्यूजिक नाम के पीछे की कहानी

संगीत के अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि के इस संस्थान को विष्णु नारायण भातखंडे ने शुरू किया, लेकिन इसका उद्घाटन संयुक्त प्रांत के तत्कालीन गवर्नर सर विलियम सिंक्लेयर मैरिस ने किया और कालेज का नाम भी उन्हीं के नाम पर कर दिया गया। आजादी के 19 साल बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने इसका अधिग्रहण किया और इसका नाम इसके संस्थापक के नाम पर किया गया।

सुनहरी हैं उम्मीदें

इस साल हुए दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से 8 स्वर्ण पदक लेकर अंशिका कटारिया जैसे विद्यार्थियों ने यह उम्मीद जाहिर कर दी है कि संगीत में आने वाला कल भी बहुत सुनहरा है। योग्य गुरुओं से सीखकर विद्यार्थी सफलता का आसमान चूमने को बेकरार हैं।

सुनहरा रहा है एक सदी का सफर

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने संगीत की दुनिया को पार्श्व गायक तलत महमूद, गायक अनूप जलोटा, संगीतकार नौशाद, शास्त्रीय गायक पं. केजी गिंदे, श्रीलंकाई गायिका नंदा मालिनी, दीपिका प्रियदर्शिनी और कल्पना पटवारी जैसे कलाकार दिए। इस संस्थान में मलिका-ए-गजल पद्मभूषण बेगम अख्तर, अहमद जान थिरकवा, कथक नर्तक पुरु दाधीच, एस एन रतजनकर और मोहन राव कल्याणपुरकर जैसे नामचीन कलाकार शिक्षक के रूप में रहे। राज्य विश्वविद्यालय बन जाने के बाद तो पिछले तीन साल में यहां दुनियाभर के संगीत शिक्षक संगीत की शिक्षा देने के लिए आते रहे।

कौन थे पं. विष्णु नारायण भातखंडे

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत पर पहला आधुनिक ग्रंथ लिखने वाले पं. विष्णु नारायण भातखंडे ने रागों की व्याख्या सहज भाषा में की। रागों के व्याकरण की व्याख्या करने वाली कई बंदिशों की रचना की। संगीत प्रेमियों को यह जानकार झटका लग सकता है कि संगीत में अपना अमूल्य योगदान देने वाले भातखंडे जी के परिवार का संगीत से कोई जुड़ाव नहीं था। एलिफिंस्टन कॉलेज मुंबई में, उन्होंने कानून की डिग्री ली थी। कुछ समय तक उन्होंने आपराधिक मुकदमे भी लड़े, क्योंकि पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने सितार की शिक्षा भी लेनी शुरू कर दी थी इसलिए उनकी संगीत में रूचि बढ़ गई, उन्होंने संगीत से जुड़े ग्रंथों का अध्ययन भी किया। उस्ताद अली हुसैन से ख्याल और ध्रुवपद की विधिवत शिक्षा ली। वर्ष 1900 में पत्नी और 1903 में बेटी के निधन के बाद उन्होंने वकालत पूरी तरह से छोड़ दी और संगीत में ही रम गए।

डीम्ड विश्वविद्यालय रहने के दौरान विवादों से रहा चोली दामन का साथ

वर्ष 2000 से 2022 के बीच जब यह विश्वविद्यालय डीम्ड यानी सम विश्वविद्यालय था तब यहां खूब विवाद पनपे और विश्वविद्यालय सियासत का गढ़ बना रहा। शिक्षकों ने कुलपतियों के खिलाफ मोर्चा खोला। शिक्षकों के वेतन के मामले में विवाद हुए। पेंशन मामले विश्वविद्यालय से शासन के बीच घूमते रहे। शिक्षकों ने कुलपतियों की शिकायतें राजभवन तक पहुंचाईं।

विश्वविद्यालय में होती है इन विषयों की पढ़ाई

अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि के भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में कथक और भरतनाट्यम नृत्य के अलावा तबला, सितार, ढोलक, पखावज वादन की शिक्षा दी जाती है। विभिन्न विषयों में बीपीए (स्नातक), एमपीए (स्नातकोत्तर) की शिक्षा के साथ पीएचडी कराई जाती है। भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य में दो वर्षीय डिप्लोमा, ध्रुवपद-धमार, ठुमरी-दादरा, सुगम संगीत, हारमोनियम और लोकनृत्य में दो वर्षीय डिप्लोमा, लोक संगीत और ढोलक में एक वर्षीय डिप्लोमा का कोर्स कराया जाता है। इस विश्वविद्यालय में ध्रुवपद-धमार, ठुमरी गायन, सुगम शास्त्रीय संगीत, संगीत रचना और निर्देशन में विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

आर्ट गैलरी

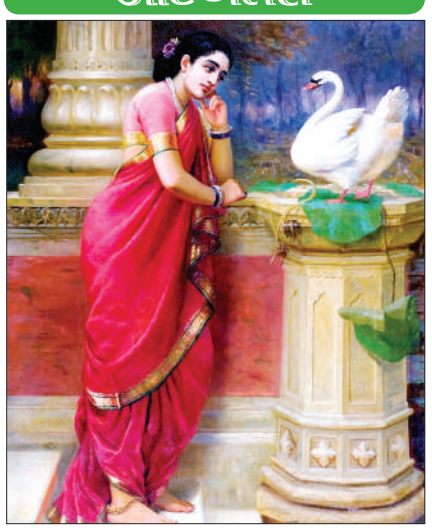

हंस दमयंती

राजा रवि वर्मा की एक प्रसिद्ध पेंटिंग है 'हंस दमयंती'। यह सरल, परिष्कृत, सुंदर और देखने में सुखद है। इसमें थोड़ा-सा नाटकीयपन भी है। दमयंती ने सुंदर भावों के साथ अपनी मुद्रा बनाई है। उनकी भाव-भंगिमाएं आकर्षक हैं और ऐसा लगता है जैसे वह रेलिंग पर बैठे हंस की बात ध्यान से सुन रही हैं। इस पेंटिंग में नीले, गुलाबी और सुनहरे रंगों का एक सौम्य मिश्रण है। ये सभी मिलकर पेंटिंग और दृश्य को एक स्वप्न जैसा प्रभाव देते हैं।

राजा रवि वर्मा देश के सबसे प्रसिद्ध चित्रकारों में से एक हैं। उन्हें 'आधुनिक भारतीय कला का जनक' भी कहा जाता है। उनकी पेंटिंग की खासियत पौराणिकता और ऐतिहासिक दृश्यों में है। उन्होंने अपने पात्रों, खासकर महिलाओं को रंगों, गति और शैली के माध्यम से चित्रों में जीवंत कर दिया। उनका जन्म 29 अप्रैल 1848 को केरल के किलीमनूर महल में हुआ था।

रवि वर्मा ने अपनी कला में भारतीय विषयों को यूरोपीय यथार्थवादी शैली (Realistic Style) के साथ मिश्रित किया, जो उस समय में एक क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं और पौराणिक कथाओं (महाभारत, रामायण) के पात्रों को मानवीय रूप में चित्रित किया, जिससे ये छवियां आम लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय हो गईं। आज भी हिंदू देवी-देवताओं की जो तस्वीरें कैलेंडर और घरों में दिखाई देती हैं, उनमें से कई राजा रवि वर्मा की पेंटिंग्स से प्रेरित हैं।

उनकी एक बड़ी उपलब्धि लिथोग्राफिक प्रिंटिंग प्रेस के माध्यम से अपनी कलाकृतियों को जनसाधारण तक पहुंचाना था। इससे पहले कला केवल राजघरानों तक ही सीमित थी।
उनकी प्रमुख कृतियों में 'शकुंतला', 'द महाराष्ट्रियन लेडी', 'हरिश्चंद्र इन डिस्ट्रेस' और 'जटायु वध' शामिल हैं। 1873 में उन्होंने अपनी पेंटिंग 'नायर लेडी एडोर्निंग हर हेयर' के लिए वियना में गवर्नर का स्वर्ण पदक जीता। 2 अक्टूबर 1906 को उनका निधन हो गया। भारतीय कला में उनका योगदान अमूल्य है।

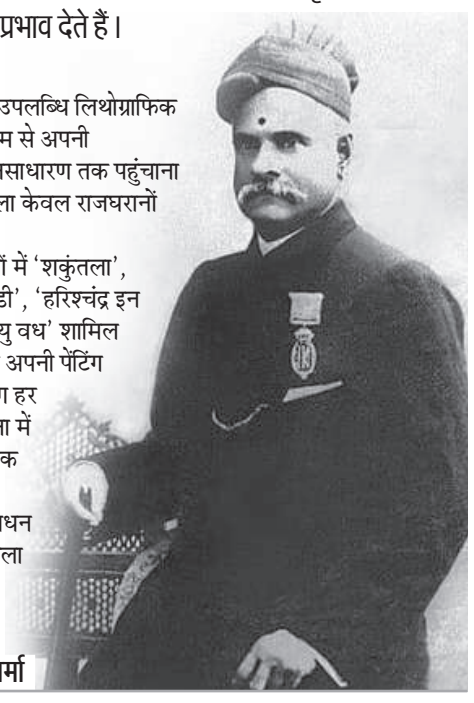

पेंटर राजा रवि वर्मा

रंग-तरंग

उत्तराखंड राज्य गठन की 25 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में देहरादून इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ डिजाइन में 'उद्गम 2025' प्रदर्शनी का आयोजन हुआ, जिसमें प्रथम सेमेस्टर के छात्रों की रचनात्मकता और नवाचार को दर्शाया गया। कुलपति प्रो. रघुरामा जी ने इसका शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में सामाजिक सरोकार, भारतीय इतिहास और पारंपरिक शिल्पकला पर आधारित कार्यशालाओं और प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया।

कला, शिल्प, इतिहास और डिजाइन प्रेरित करते रचनात्मकता को

प्रदर्शनी में महिला सुरक्षा टूलकिट और भूख जागरूकता जैसे विषय विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे, जहां विद्यार्थियों ने समुदाय कल्याण और सहानुभूति को बढ़ावा देने वाले डिजाइन समाधान और हस्तनिर्मित कलाकृतियां प्रस्तुत कीं। विद्यार्थियों ने पारंपरिक कथा-कला जैसे उत्तराखंड की ऐपन कला, राजस्थान की कावड़ कला और बिहार की वारली कला का भी अध्ययन किया और उन्हें आधुनिक डिज़ाइन शिक्षा के साथ जोड़कर नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी इस बात का उदाहरण रही कि कला, शिल्प, इतिहास और डिजाइन किस प्रकार मिलकर रचनात्मकता को प्रेरित करते हैं, संस्कृति का संरक्षण करते हैं और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त बनाते हैं। 'उद्गम' कला, इतिहास और डिजाइन के माध्यम से सामाजिक चेतना जगाने का एक प्रेरणादायक उत्सव था। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता की सराहना की और अपने व्यावसायिक अनुभवों से प्रेरणादायक विचार साझा किए। प्रदर्शनी में डॉ. उमाकांत पंवार, पूर्व आईएएस अधिकारी, प्रमुख सचिव (उत्तराखंड सरकार), ग्रुप एडवाइजर एम्पायर एनर्जी, उद्यमी, एंजेल निवेशक एवं विज्ञान, डिजाइन व वास्तुकला के उत्साही के लोग शामिल हुए।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,871.32	25,694.95
बढ़त	335.97	120.60
प्रतिशत में	0.40	0.47

सोना 1,23,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,784 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 12 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि . 2225, रविन्द्रा 2440, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : डालमियां NA, पीलीभीत 4440, सितारगंज 4350, धामपुर NA

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4000, मसूरी- 1300, बासमती- 8700, परमल- 2500

दाल दलहन : काला चना- 6100, साबुत चना दाल- 5400, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 11000-12900, दाल उड़द- 7700, साबुत मसूर दाल- 6000, मसूर दाल- 4200, उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 5400

व्यापार समझौते की आशा ने दी मजबूती

बाजार में दूसरे दिन भी रही तेजी, सेंसेक्स 336 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,700 अंक के पास

मुंबई, एजेंसी

- सेवाओं और दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार को मिली बढ़त

स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए अच्छी बढ़त के साथ बंद हुआ। दोनों सूचकांक में बीएसई सेंसेक्स 336 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 25,700 अंक के पास पहुंच गया। भारत, अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीद के

बीच सेवाओं और दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 411.32 अंक की गिरावट के साथ 83,124.03 अंक पर आ गया था। वहीं एनएसई का निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में 125.1 अंक टूटकर 25,449.25 अंक पर आ गया। हालांकि, दोनों सूचकांकों ने अच्छी वापसी की और अंत में उल्लेखनीय बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 335.97 अंक बढ़कर 83,871.32 और निफ्टी 120.60 चढ़कर 25,694.95 अंक पर पहुंचा।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, दिल्ली विस्फोट को लेकर चिंताओं के बीच घरेलू बाजार की शुरुआत हल्की रही। हालांकि, अमेरिकी सीनेट द्वारा विभिन्न विभागों में कामकाज ठप होने को समाप्त करने के लिए विधेयक पारित किए जाने से वैश्विक संकेतों के समर्थन से, बाजार में तेजी से सुधार हुआ और यह लाभ के साथ बंद हुआ। उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही के नतीजों का सत्र समाप्त होने वाला है। मझोली तथा छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों के उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन के चलते इसके सकारात्मक रुख के साथ समाप्त होने की उम्मीद है। आईटी, वाहन, धातु और एफएमसीजी क्षेत्रों में बढ़त से यह तेजी बरकरार रही।

मिडकैप में बढ़त तो स्मॉलकैप ने किया निराश

मझोली कंपनियों का मिडकैप सूचकांक 0.20% बढ़ा, जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 0.09% नुकसान में रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, क्षेत्रीय स्तर पर आईटी, वाहन और धातु शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि वित्तीय, रियल्टी और औषधि कंपनियों के शेयरों में सुस्ती रही। मिडकैप में आधे प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जबकि स्मॉलकैप मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। यह चुनिंदा भागीदारी को दर्शाता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि अमेरिका जल्द ही भारत पर लगाए गए शुल्क को कम करेगा, क्योंकि दोनों देश एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंग सेंग और जापान का निक्की बढ़त में रहे, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 4,114.85 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक 5,805.26 करोड़ रुपये के शेयरों के शुद्ध खरीदार रहे।

चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 7% बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

- रिफंड जारी करने की दर 18% घटकर 2.42 लाख करोड़ रुपये से कुछ अधिक

कॉरपोरेट कर संग्रह में वृद्धि और धीमी रिफंड दर से चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 7% बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इस साल 1 अप्रैल से 10 नवंबर के बीच रिफंड जारी करने की दर 18% घटकर 2.42 लाख करोड़ रुपये से कुछ अधिक थी।

इस अवधि में शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 5.37 लाख करोड़ रहा, जो गत वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 5.08 लाख करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष में अब तक व्यक्तियों और एचयूएफ सहित गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 7.19 लाख करोड़ रहा, जो गत वर्ष 6.62 लाख करोड़ था। समीक्षाधीन अवधि में अब तक प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 35,682 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 35,923 करोड़ रुपये था। सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट कर शामिल हैं, चालू वित्त वर्ष में 10 नवंबर तक सालाना आधार पर 7% बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 12.08 लाख करोड़ रुपये था। रिफंड समायोजित से पहले, सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 15.35 लाख करोड़ से अधिक रहा, जो गत वर्ष की तुलना में 2.15% अधिक है।

चालू वित्त वर्ष में सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह 25.20 लाख करोड़ रहने का अनुमान लगाया है, जो सालाना आधार पर 12.7% अधिक है। सरकार का लक्ष्य 2025-26 में एसटीटी से 78,000 करोड़ जुटाना है। डेलॉयट इंडिया के भागीदार रोहिंटन सिधवा ने कहा कि पिछले साल ब्याज दरों में भारी कटौती के बावजूद गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि जारी है। यह एक बहुत अच्छा संकेत है, जो आय स्तर में मजबूत वृद्धि को दर्शाता है।

चिकित्सकीय उपचार के लिए 'आगमन पर वीजा' पर कर सकते हैं विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका जैसे देशों के मरीजों को चिकित्सकीय उपचार के लिए आगमन पर वीजा (वीजा ऑन अराइवल) की सुविधा देने पर विचार किया जा सकता है। गोयल ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आगमन पर वीजा का विचार अच्छा है। हम इसे आगे बढ़ाएंगे, कई देशों के लिए हम आगमन पर वीजा की अनुमति देते हैं। हम ई-वीजा की अनुमति भी देते हैं, इन दोनों पर विचार किया जा सकता है। अमेरिका के लिए, अधिकतर यूरोपीय देशों के लिए, वैसे सभी के लिए नहीं, अधिकतर देशों के लिए जहां हमें काफी सुविधा है और जहां विस्तृत जांच-पड़ताल या पूछताछ की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ को इस विचार पर काम करने और सरकार के साथ साझा करने का सुझाव दिया। गोयल ने कहा कि जाहिर है हमें यह देखना होगा कि क्या प्रमाणन होंगे और वे कौन से देश हैं जिनके लिए हम इसकी अनुमति दे सकते हैं।

व्यापार समझौतों में किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से नहीं करेगा समझौता

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत व्यापार समझौतों में किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से समझौता नहीं करेगा। भारत अपने मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए रूस जैसे नए बाजारों की तलाश कर रहा है, जो अमेरिका में भारी शुल्क के कारण समस्याओं का सामना कर रहा है। उन्होंने उद्योग समागम-2025 में कहा, हम एक अच्छे व्यापार समझौते के लिए काम कर रहे हैं। भारत किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से समझौता नहीं करेंगे... हम एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। यह राज्यों के उद्योग और वाणिज्य मंत्रियों का सम्मेलन है। मंत्री ने कहा कि यह व्यापार समझौता कल हो सकता है, अगले महीने हो सकता है, अगले साल हो सकता है, हालांकि, एक सरकार के रूप में हम किसी भी आकस्मिक स्थिति का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं।

86% किसान कृषि प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण की पहुंच से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को प्रौद्योगिकी से अभी भी अछूते अधिकांश किसानों तक पहुंचने के लिए खंडित कृषि नवाचार से हटकर राज्य-स्तरीय परीक्षण मंच और एकीकृत डेटा ढांचे के माध्यम से प्रणालीगत एकीकरण की ओर बढ़ना होगा। उद्योग मंडल एसोचैम की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

उद्योग निकाय ने कहा कि 86% किसान अब भी अधिकांश कृषि-प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण की पहुंच से बाहर हैं और प्रौद्योगिकी के सत्यापन, व्यावसायीकरण और छोटे किसानों तक उनकी पहुंच के तरीके में मूलभूत परिवर्तन की जरुरत है। भविष्य के लिए तैयार कृषि प्रणाली की ओर भारत की यात्रा इस बात से परिभाषित होगी कि वह प्रौद्योगिकी को समावेशन के साथ, डेटा को निर्णय लेने के साथ और नवाचार को प्रभाव के साथ कितनी प्रभावी ढंग से एकीकृत करता है। एसोचैम की रिपोर्ट में वास्तविक परिस्थितियों में प्रौद्योगिकी के परीक्षण के लिए सहयोगी परीक्षण स्थल के रूप में काम करने को राज्य-स्तरीय कृषि-तकनीकी सैंडबॉक्स स्थापित करने की सिफारिश की गई है।

- भारत को खंडित कृषि नवाचार से हटकर प्रणालीगत एकीकरण की ओर बढ़ना होगा

प्रस्तावित सैंडबॉक्स सरकारी एजेंसियों, स्टार्टअप और अनुसंधान संस्थानों को पूर्ण पैमाने पर तैनाती से पहले समाधान को सत्यापित करने के लिए एक साथ लाएंगे। 90 से ज्यादा आईसीएआर संस्थान, 60 राज्य कृषि विश्वविद्यालय और 700 से ज्यादा कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) होने के बावजूद, भारत में उभरती कृषि प्रौद्योगिकी के परीक्षण के लिए एकीकृत प्रणाली का अभाव है। वर्तमान तंत्र खंडित और धीमा बना हुआ है, जिससे नवाचार के लिए स्पष्ट सत्यापन के रास्ते नहीं खुल पा रहे हैं। प्रत्येक सैंडबॉक्स राज्य कृषि विभागों के भीतर स्थापित होगा, जिसमें आईसीएआर संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और नाबार्ड सहित संबद्ध विभागों और भागीदारों की हिस्सेदारी होगी।

कृषि डेटा कॉमन्स की स्थापना का किया आह्वान

कृषि मंत्रालय और नीति आयोग की सह-अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय संचालन समिति शासन और वित्तपोषण की देखरेख करेगी। कृषि डेटा वर्तमान में अलग-अलग जगहों पर मौजूद है - आईसीएआर और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के साथ अनुसंधान परीक्षण, राज्य विपणन बोर्ड के साथ बाजार डेटा और निजी कृषि-तकनीक स्टार्टअप के साथ कृषि-स्तरीय डेटा। यह विखंडन उन अत्याधुनिक नवोन्मेषण के विकास को सीमित करता है जो सत्यापित डेटा पर निर्भर करते हैं। एसोचैम ने एफएओ द्वारा अनुशंसित सिद्धांतों पर आधारित एक 'कृषि डेटा कॉमन्स' की स्थापना का आह्वान किया, जिससे डेटा खोजने योग्य, सुलभ, अंतर-संचालन योग्य और पुन: प्रयोज्य हो सके। रिपोर्ट में विश्व आर्थिक मंच के साथ विकसित तेलंगाना के कृषि डेटा एक्सचेंज (एडीईएक्स) को सुरक्षित, मानक-संचालित डेटा साझाकरण के एक मॉडल के रूप में उद्धृत किया गया है।

राष्ट्रीय

समान प्रावधानों को रद्द करने के बाद वही सुधार कानून कैसे लागू हुआ : न्यायालय

न्यायाधिकरण सुधार कानून की संवैधानिक वैधता वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया है कि केंद्र उसी न्यायाधिकरण सुधार कानून को कुछ मामूली सुधार के साथ कैसे ला सकता है जिसके कई प्रावधानों को उसने पहले ही रद्द कर दिया था। न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार (युक्तिकरण और सेवा शर्तें) अधिनियम, 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

इस कानून में फिल्म प्रमाणन अपीलीय न्यायाधिकरण सहित कुछ अपीलीय न्यायाधिकरणों को समाप्त किया गया है और विभिन्न न्यायाधिकरणों के न्यायिक और अन्य सदस्यों की नियुक्ति तथा कार्यकाल से संबंधित शर्तों में संशोधन किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी द्वारा दलीलें पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि मुद्दा ये है कि संसद उसी कानून (जिसे रद्द किया था) को कुछ बदलावों के साथ कैसे ला सकती है। आप उसी कानून को नहीं ला सकते। हम यह नहीं कह रहे कि संसद कानून नहीं बना सकती। लेकिन मुद्दा ये है कि फैसले में उठाए गए मुद्दों पर विचार किए बिना उसी कानून को दोबारा नहीं बनाया जा सकता। वेंकटरमणी ने पीठ से आग्रह किया कि यह कानून लंबी अवधि के बाद संसद द्वारा बनाया गया है और कानून को लागू रहने दिया जाए। शीर्ष अदालत ने 16 अक्टूबर को मामले में अंतिम सुनवाई शुरू की थी।

पीठ ने सोमवार को पूछा कि केंद्र उसी न्यायाधिकरण सुधार कानून को कुछ मामूली सुधार के साथ कैसे ला सकता है, जिसके कई प्रावधानों को उसने पहले ही रद्द कर दिया था। याचिकाओं में कानून के प्रावधानों को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि वे न्यायिक स्वतंत्रता और शक्ति विभाजन के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 ने पहले के न्यायाधिकरण सुधार (युक्तिकरण और सेवा शर्तें) अध्यादेश, 2021 का स्थान लिया, जिसे इसी तरह की संवैधानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था।

धर्मांतरण रोधी कानूनों पर रोक लगाने पर तत्काल सुनवाई से इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात समेत कई राज्यों में बनाए गए धर्मांतरण रोधी कानूनों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई से मंगलवार को इन्कार कर दिया। प्रधान न्यायधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन तथा एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि इन याचिकाओं को दिसंबर में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। याचिकाकर्ता के वकील ने कानूनों पर रोक से संबंधित अंतरिम याचिका अगले सप्ताह सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। सीजेआई ने कहा कि यह संभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि सीजेआई गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। पीठ ने 16 सितंबर को राज्यों से इन याचिकाओं पर रुख स्पष्ट करने को कहा था। नोटिस जारी करते समय सीजेआई की पीठ ने स्पष्ट किया था कि जब तक राज्य जवाब नहीं देते, तब तक अदालत कानूनों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने पर विचार नहीं करेगी। पीठ ने तब राज्यों को उनके जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया था और इसके बाद याचिकाकर्ताओं को दो सप्ताह में उत्तर देने की अनुमति दी थी। इस मामले को छह सप्ताह बाद सूचीबद्ध किया गया था। पीठ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक द्वारा बनाए धर्मांतरण रोधी कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

केरल के छात्रों पर हमले पर शीर्ष अदालत ने कहा, हमारा देश एक है

सुप्रीम कोर्ट ने केरल के दो छात्रों से मारपीट की हालिया घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हमारा देश एक है। इस घटना में लाल किले के पास केरल के दो छात्रों से पुलिस और स्थानीय लोगों ने मारपीट की, उन्हें हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया और राज्य की पारंपरिक पोशाक पहनने पर उनका उपहास किया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि इस देश में लोगों को सांस्कृतिक और नस्लीय मतभेदों के कारण निशाना बनाया जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रथम वर्ष के दो छात्रों पर हमला किया गया, उन्हें हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया गया और लुंगी पहनने पर उनका मजाक उड़ाया गया। शीर्ष अदालत 2015 में पूर्वोत्तर के लोगों पर हुए कई हमलों के मद्देनजर दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश के छात्र नीडो तानिया की मौत की घटना भी है। अदालत ने केंद्र को इस मामले में समिति गठित करने का निर्देश दिया था और कहा था कि समिति को नस्लीय भेदभाव, नस्लीय अत्याचार और नस्लीय हिंसा की घटनाओं में सख्त कार्रवाई करने के अधिकार दिए जाएंगे और इस तरह के घृणा और नस्लीय अपराधों को रोकने के उपाय सुझाए जाएंगे।

एसआईआर के खिलाफ याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग से जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु और प. बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देने वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), कांग्रेस और टीएमसी द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग (ईसी) से मंगलवार को अलग-अलग जवाब देने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग से नई याचिकाओं पर दो सप्ताह में जवाब देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास और कलकत्ता हाईकोर्ट को तमिलनाडु और प. बंगाल में मतदाता सूची की एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हर प्रकार की कार्यवाही को स्थगित रखने का भी निर्देश दिया। उसने तमिलनाडु में इस प्रक्रिया का समर्थन करने वाली ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की दायर हस्तक्षेप याचिका को सूचीबद्ध करने की अनुमति दी। निर्वाचन आयोग ने नवंबर से अगले साल फरवरी तक 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का दूसरा चरण आयोजित करने की 27 अक्टूबर को घोषणा की थी। ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश - अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होने हैं।

छत्तीसगढ़: बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुरक्षाबलों को नक्सल रोधी इस कार्रवाई में मिली सफलता पर बधाई दी है। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया है।

- मुख्यमंत्री साय ने सुरक्षाबलों को कार्रवाई में मिली सफलता पर दी बधाई

पुलिस के अनुसार, जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा और विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के संयुक्त दल को नक्सल रोधी अभियान में रवाना किया गया था। बीजापुर जिले के एसपी डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि इस अभियान के दौरान सुबह 10 बजे से संयुक्त दल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से छह माओवादियों का शव, इंसास राइफल, स्टेनगन, .303 राइफल सहित अन्य हथियार, विस्फोटक सामान और अन्य माओवादी सामान बरामद किया गया है। बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि यह निर्णायक और महत्वपूर्ण बढ़त है।

सुनवाई का सीधा प्रसारण जज की मंजूरी के अधीन

मुंबई, एजेंसी

- बम्बई हाईकोर्ट ने प्रसारण शुरू किये जाने के महीनों बाद जारी नोटिस में की टिप्पणी

बम्बई हाईकोर्ट ने अदालती कार्यवाही का सीधा प्रसारण शुरू किये जाने के महीनों बाद अब एक नोटिस जारी कर कहा कि सीधा प्रसारण पीठासीन न्यायाधीश की सहमति के अधीन होगा। सोमवार को जारी नोटिस में बताया गया कि अदालत का न्यायाधीश सीधा प्रसारण की गई रिकॉर्डिंग की प्रतियों तक पहुंच को मंजूरी देने के लिए अधिकृत नामित अधिकारी होता है।

हाईकोर्ट के अदालती कार्यवाही का सीधा प्रसारण और रिकॉर्डिंग नियमों के अनुसार, सभी कार्यवाहियों का सीधा प्रसारण केवल 'जजों की सहमति के अधीन किया जाएगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने सोशल मीडिया पर प्रसारित छेड़छाड़ किए गए वीडियो पर चिंता जताई थी, जिसके बाद यह नोटिस जारी किया गया। छेड़छाड़ किये गए वीडियो में न्यायालय कक्ष में जूता फेंकने की घटना को गलत तरीके से दिखाया गया था। जुलाई में न्यायिक पारदर्शिता और सुनवाई तक जनता की पहुंच बढ़ाने को हाईकोर्ट ने अपनी पांच पीठों का सीधा प्रसारण शुरू किया था। जहां कुछ पीठों ने इससे परहेज किया वहीं कुछ एकल पीठों ने सीधा प्रसारण शुरू कर दिया। उच्चतम न्यायालय, पिछले साल से अपनी सभी कार्यवाहियों का सीधा प्रसारण कर रहा है।

महिला आईएएस ने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला कराया दर्ज

जयपुर। राजस्थान में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की महिला अधिकारी ने अपने आईएएस पति के खिलाफ घरेलू हिंसा और धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, भारती दीक्षित ने अपने पति आशीष मोदी के खिलाफ घरेलू हिंसा, शारीरिक उत्पीड़न, अवैध रूप से बंधक बनाए रखने और जान-माल की धमकी देने का आरोप लगाया है। दीक्षित वित्त विभाग में संयुक्त सचिव हैं जबकि मोदी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में निदेशक हैं। दोनों राजस्थान कैडर के 2014 बैच के अधिकारी हैं। दीक्षित ने आरोप लगाया कि मोदी ने 2014 में उनके पिता के कैंसर से पीड़ित होने पर उन्हें शादी के लिए मजबूर किया था।

दिल्ली में एक्यूआई 423 पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में मंगलवार को वायु गुणवत्ता इस मौसम की सबसे खराब स्थिति में पहुंच गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 423 दर्ज किया गया जो गंभीर श्रेणी में आता है। केंद्र ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में क्रमिक प्रतिक्रिया कार्रवाई योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत कड़े प्रदूषण-रोधी उपाय लागू किए।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 24 घंटे के औसत एक्यूआई के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता 362 के साथ बहुत खराब थी जो मंगलवार सुबह और खराब होकर 423 हो गई। शहर का मंगलवार को न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। दिल्ली में ठंड के दस्तक देने के बाद सोमवार को मौसम की पहली शीत लहर दर्ज हुई और आया नगर स्टेशन पर तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

हाइब्रिड मोड में पांचवीं तक की कक्षा के संचालन के आदेश

दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के मद्देनजर स्कूलों को पांचवीं कक्षा तक हाइब्रिड मोड में कक्षाएं चलाने का आदेश दिया। यह कदम केंद्र द्वारा क्रमिक प्रतिक्रिया कार्रवाई योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत प्रदूषण रोधी उपाय लागू किए जाने के बाद उठाया गया है। शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आदेश में कहा कि शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, नगर निगम और छावनी बोर्ड के सभी स्कूलों के प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे पांचवीं कक्षा तक के लिए 'हाइब्रिड मोड' में कक्षाएं संचालित करें यानी अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से स्कूल के साथ-साथ ऑनलाइन दोनों माध्यमों (जहां भी ऑनलाइन कक्षाएं संभव हो) में कक्षाएं संचालित करें।

पूरी दुनिया ने की दिल्ली धमाके की निंदा

बीजिंग/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका, चीन, जापान और इजराइल समेत दुनियाभर के नेताओं ने मंगलवार को कहा कि भारत की राजधानी दिल्ली में विस्फोट में 12 लोगों की मौत और कई के घायल होने से उन्हें गहरा दुख हुआ है। संवेदना व्यक्त करते हुए अमेरिका ने कहा कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है।

अमेरिका के विदेश विभाग के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, नई दिल्ली में हुए भयानक विस्फोट से प्रभावित लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति हमारी गहरी संवेदना

- शेख हसीना ने कहा- पाकिस्तान में हैं आतंकी संगठनों की जड़ें

है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, हम इस घटना से स्तब्ध हैं। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्हें यह जानकर गहरा दुख हुआ है कि विस्फोट में कई अनमोल जानें चली गईं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्रीलंका भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। भूटान में, राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने थिंपू में पीड़ितों के लिए प्रार्थना की, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि मालदीव इस कठिन समय में भारत के लोगों और सरकार के साथ खड़ा है।

इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने गहरी संवेदना जताते हुए 'एक्स' पर लिखा, इजराइल आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़ा है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी पार्टी अवामी लीग के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, पाकिस्तान में जड़ें जमाए आतंकवादी संगठनों ने बांग्लादेश समेत विभिन्न देशों में अपने नेटवर्क स्थापित कर लिए हैं और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता को कमजोर करने के लिए भारत में हमले कर रहे हैं। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और आयरलैंड के उपप्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने भी प्रभावित हुए लोगों के प्रति संवेदना जताई है।

वैश्विक नेताओं की नीतियों का नतीजा

विश्व में आतंकवाद का सदियों पुराना लंबा और जटिल इतिहास है। हालांकि आतंकवाद शब्द का प्रयोग पहली बार फ्रांसीसी क्रांति के दौरान हुआ था। अब यह एक वैश्विक समस्या है जिसे खत्म करना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। पहली शताब्दी ईस्वी में रोमन शासन का विरोध करने वाले यहूदी आंदोलन 'सिकारी जेलोट्स' को कुछ लोग पहला आतंकवादी समूह मानते हैं। आधुनिक आतंकवाद 1870 के दशक में यूरोप में उभरा, जब राजनीतिक उद्देश्यों के लिए हिंसा का व्यवस्थित उपयोग शुरू किया गया। 1979 में सोवियत-अफगान युद्ध ने धार्मिक रूप से प्रेरित उग्रवाद के उदय में एक महत्वपूर्ण मोड़ दिया, जिससे अल-कायदा जैसे संगठनों को बढ़ावा मिला। 11 सितंबर 2001 के हमले (9/11) ने वैश्विक स्तर पर जिहादी आतंकवाद को सुर्खियों में ला दिया और इसके खिलाफ 'आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध' की शुरुआत हुई।

बढ़ता आतंकवाद

वारदातें विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संगठनों ने सैकड़ों आतंकी समूहों को सूचीबद्ध किया है। ग्लोबल टेररिज्म डेटाबेस ने 1970 के बाद से आतंकवाद के 1,90,000 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं।

सबसे क्रूर आतंकी संगठन

- 2024 के ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स के अनुसार इस्लामिक स्टेट सबसे घातक, इसे सामूहिक हत्याओं, सिर कलम करने और यौन गुलामी के लिए जाना जाता है।
- हमास दूसरा क्रूर संगठन, जिसने अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हमला किया। इसे जीटीआई के इतिहास में 9/11 के बाद का सबसे बड़ा हमला कहा गया है।
- अल-कायदा से जुड़ा समूह जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन और सोमालिया, पूर्वी अफ्रीका में सक्रिय अल-शबाब बड़ी संख्या में मौतों के लिए जिम्मेदार।
- इनके अलावा, अल कायदा (अमेरिका में 9/11 का हमला), तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बोको हरम जैसे कुख्यात संगठन सबसे क्रूर माने जाते हैं।

खात्मा क्यों मुश्किल

- आतंकवाद के पीछे राजनीतिक, धार्मिक, वैचारिक, जातीय राष्ट्रवादी कारण, जिनका कोई एक समाधान नहीं।
- आतंकवादी समूह सीमाओं के पार काम करते हैं, जिससे सरकारों के लिए अकेले उनका मुकाबला करना मुश्किल।
- कुछ देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवादी समूहों को समर्थन देते हैं और सुरक्षित पनाहगाह प्रदान करते हैं।
- गरीबी, बेरोजगारी, असमानता व राजनीतिक अस्थिरता युवाओं को निरंतर कट्टरपंथी विचारों की ओर धकेलती है।

सबसे ज्यादा पीड़ित

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2024 के अनुसार आतंकवाद से सबसे ज्यादा पीड़ित देशों में बुर्किना फासो दूसरे वर्ष लगातार सबसे ऊपर है। इसके बाद क्रमशः पाकिस्तान, सीरिया, माली, नाइजर, नाइजीरिया, सोमालिया, इजराइल, अफगानिस्तान और कैमरून हैं। भारत इस सूची में 14वें नंबर पर है।

वैश्विक नेताओं की भूमिका

- प्रत्यक्ष तौर पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने, खुफिया जानकारी साझा करने और वित्तपोषण पर अंकुश लगाने जैसे निर्णय लिए हैं।
- कुछ देश अपने भूराजनीतिक हितों के आधार पर कुछ समूहों को आतंकवादी और दूसरों को स्वतंत्रता सेनानी के रूप में देखते हैं।
- विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने और कार्रवाई में अक्सर समन्वय की कमी होती है।
- सैन्य कार्रवाई पर बहुत अधिक ध्यान लेकिन गरीबी, अन्याय और राजनीतिक शिकायतों जैसे मूल कारणों को दूर करने पर कम।
- आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान मानवाधिकारों का उल्लंघन अक्सर स्थानीय आबादी के बीच नाराजगी पैदा करता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत-वियतनाम की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

नई दिल्ली। भारत और वियतनाम की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'विनबैक्स 2025' का छठा संस्करण मंगलवार को वियतनाम की राजधानी हनोई में शुरू हुआ। वियतनाम की यात्रा पर गए रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और वियतनाम सेना के उप-प्रमुख सीनियर लेफ्टिनेंट जनरल फुंग सी टैन ने सैन्य अभ्यास उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। विनबैक्स भारत और वियतनाम के बीच एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना तथा रक्षा सहयोग को मजबूत करना है। इस अभ्यास का पिछला संस्करण भारत में अंबाला में हुआ था।

रूसी सेना ने कुप्यांस्क में तेल डिपो और दो रेलवे स्टेशन कब्जाए

मॉस्को। रूसी सशस्त्र बलों के ज़ापद समूह की टुकड़ी ने यूक्रेन में खार्कोव क्षेत्र के कुप्यांस्क में एक तेल डिपो और दो रेलवे स्टेशनों पर कब्जा कर लिया है। मोटराइज्ड राइफल रेजिमेंट के कमांडर ने कहा, हमने कुप्यांस्क के पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित तेल डिपो पर कब्जा कर लिया है। ओलिविनो और पार्क वोस्तोचनोगो प्रिबितिया रेलवे स्टेशनों को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया गया है और यूक्रेनी सशस्त्र बलों से मुक्त करा लिया गया है। कमांडर ने बताया कि इसी समय रूसी सैनिक कुप्यांस्क-सोर्टिरोवोकन्हाया (सोर्टुवलनी) रेलवे स्टेशन को खाली करा रहे हैं। कमांडर ने कहा, यह टुकड़ी कुप्यांस्क-सोर्टिरोवोचनया रेलवे स्टेशन को खाली कराने के लिए युद्ध अभियान चला रही है।

तुर्किये का सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, 20 लोग थे सवार

अंकारा। तुर्किये का एक सैन्य मालवाहक विमान मंगलवार को अजरबैजान की सीमा के पास जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 20 लोग सवार थे। तुर्किये और जॉर्जिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने हताहतों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी। तुर्किये के समाचार चैनलों पर प्रसारित वीडियो फुटेज में विमान को नीचे की ओर गिरते हुए तथा सफेद धुआं छोड़ते हुए दिखाया गया है। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि सी-130 विमान ने अजरबैजान से उड़ान भरी थी और तुर्किये वापस आ रहा था, तभी दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

इस्लामाबाद: अदालत के बाहर हुए आत्मघाती विस्फोट में 12 की मौत

गृहमंत्री नकवी ने अफगान तालिबान पर जताया शक, कहा- कड़ा जवाब देंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में स्थित एक अदालत के बाहर मंगलवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और 27 घायल हो गए। हमलावर अदालत परिसर में घुसना चाहता था, लेकिन असफल होने पर उसने दोपहर 12.39 बजे जी-11 इलाके में इमारत के फाटक पर एक पुलिस वाहन के पास विस्फोट करके खुद को उड़ा लिया।

गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि मारे गए लोगों में सुरक्षाकर्मी और एक वकील भी शामिल हैं। किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन ऐसे हमले आमतौर पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानी (टीटीपी) द्वारा किए जाते हैं। नकवी ने अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा, हमारी पहली प्राथमिकता हमलावर की पहचान करना है, जब भी हमलावर की पहचान हो जाएगी, हम जानकारी सार्वजनिक करेंगे। नकवी ने कहा कि पीड़ितों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

इसके पहले पाकिस्तान की सरकारी मीडिया पीटीवी ने बताया था कि बचाव अधिकारियों को विस्फोट स्थल से 12 शव मिले हैं जिन्हें पाकिस्तान आयुर्विज्ञान संस्थान अस्पताल में भिजवाया गया है। 20 घायलों को पीआईएमएस अस्पताल के आपातकालीन विभाग में भर्ती किया गया है। पीटीवी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर का सिर सड़क पर पड़ा पाया गया। किसी भी समूह या व्यक्ति ने विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन यह हमला पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच उस तीसरे दौर की वार्ता के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसमें अफगानिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद के मुद्दे से निपटने के लिए कोई समझौता नहीं हो सका।

रक्षा मंत्री ने इस्लामाबाद में हुए हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, काबुल के शासक पाकिस्तान में आतंकवाद को रोक सकते हैं, लेकिन इस युद्ध को इस्लामाबाद तक लाना काबुल से एक संदेश है, जिसका जवाब देने के लिए अल्लाह के रहमोकरम से पाकिस्तान के पास जवाब देने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा, इस माहौल में, काबुल के शासकों के साथ सफल बातचीत की उम्मीद रखना बेमानी होगा।

इस्लामाबाद में आत्मघाती विस्फोट के बाद घटनास्थल पर पहुंचे लोग।

अफगानिस्तान आतंकवाद रोके वर्ना कार्रवाई करेंगे

गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को प्रायोजित करने वालों ने वित्तपोषण की राशि तीन गुना बढ़ा दी है। उन्होने कहा, हम आज के विस्फोट को कई कारकों से जोड़ रहे हैं। आने वाले घंटों में चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। इसके कई संदेश हैं। उन्होंने कहा, मैं इस समय कुछ नहीं कहना चाहता, जैसा अक्सर भारतीय ऐसी घटनाओं के तुरंत बाद दोषारोपण शुरू कर देते हैं। हम पूरे सबूत और विवरण के साथ आएंगे। नकवी ने कहा कि पाकिस्तान का स्पष्ट मानना है कि अफगानिस्तान को अपनी धरती से आतंकवाद को रोकना चाहिए, अन्यथा हमें उनके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।

खैबर में विस्फोट में 16 सुरक्षाकर्मी घायल

पेशावर। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों के काफिले को निशाना बनाकर किए गए आईईडी विस्फोट में 16 जवान घायल हो गए। पाकिस्तानी सेना का काफिला डेरा इस्माइल खान जिले से लौट रहा था तभी सोमवार देर रात लोनी गांव में आईईडी विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिण वजीरिस्तान जिले में कैडेट कॉलेज के मुख्य द्वार पर एक आत्मघाती हमले में छह घायल हो गए।

हंगरी-ब्रिटिश लेखक डेविड स्जेले को उपन्यास 'फ्लेश' के लिए बुकर पुरस्कार

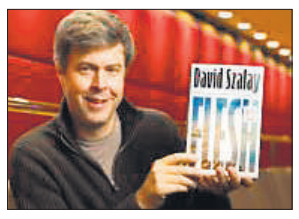

लंदन। हंगरी-ब्रिटिश लेखक डेविड स्जेले को उनके उपन्यास 'फ्लेश' के लिए बुकर पुरस्कार 2025 का विजेता घोषित किया गया। स्जेले ने भारतीय मूल की लेखिका किरण देसाई के उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सोनिया एंड सनी' को पीछे छोड़ते हुए यह सम्मान सोमवार रात लंदन में आयोजित एक समारोह में जीता।

स्जेले को एक ट्रॉफी और 50,000 पाउंड की नकद राशि पिछले वर्ष की बुकर पुरस्कार विजेता सामंथा हार्वे ने प्रदान की। उनका यह उपन्यास भावनात्मक रूप से अलग-थलग पड़े एक व्यक्ति की कहानी है, जिसकी जिंदगी उसके काबू से बाहर हो चुकी घटनाओं के कारण बिखर जाती है। बुकर पुरस्कार की जूरी ने कहा, सरल लेकिन सशक्त भाषा का प्रयोग करते हुए यह रोमांचक और प्रभावशाली पुस्तक एक व्यक्ति के जीवन का अत्यंत संवेदनशील चित्रण प्रस्तुत करती है। किरण दूसरी बार यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल करने से चूक गई हैं। बुकर के 56 साल के इतिहास में केवल पांच बार ऐसा हुआ है जब एक ही व्यक्ति ने दो बार यह पुरस्कार जीता है।

निठारी हत्याकांड: सुरेंद्र कोली आखिरी मामले से भी बरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अनुमान के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता कानून, तत्काल रिहा करें

वर्ष 2006 के सनसनीखेज निठारी हत्याकांड के एकमात्र दोषी सुरेंद्र कोली को उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को इस तरह के आखिरी मामले में आरोपों से बरी कर दिया और आदेश दिया कि अगर किसी अन्य मामले में उसकी आवश्यकता न हो तो उसे तुरंत रिहा किया जाए।

निठारी हत्याकांड का यह 13वां मामला था जिसमें कोली को बरी किया गया। उसे पहले ही 12 संबंधित मामलों में बरी किया जा चुका है। निठारी हत्याकांड का खुलासा 29 दिसंबर, 2006 को नोएडा के निठारी में व्यवसायी मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे एक नाले से आठ बच्चों के कंकाल मिलने के साथ हुआ था। उस समय कोली पंढेर के घर में घरेलू सहायक था। निठारी में 15 वर्षीय लड़की के बलात्कार और हत्या से संबंधित मामले में कोली की दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली सुधारात्मक याचिका को स्वीकार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता है।

सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि निठारी में हुए अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। यह अत्यंत खेद की बात है कि लंबे समय तक की गई जांच के बावजूद, वास्तविक अपराधी की पहचान इस तरह से स्थापित नहीं हो सकी है जो कानूनी मानकों को पूरा करे। न्यायालय ने कहा कि संदेह, चाहे कितना भी गंभीर क्यों न हो, उचित संदेह से परे सबूत का स्थान नहीं ले सकता तथा न्यायालय वैधता के स्थान पर आसान समाधान को प्राथमिकता नहीं दे सकते। निर्दोष होने की धारणा उस समय तक बनी रहती है जब तक अपराध साबित न हो जाए, यह साबित होना चाहिए स्वीकृत और विश्वसनीय साक्ष्य के माध्यम से; और जब साक्ष्य विफल हो जाते हैं, तो केवल वैध परिणाम यह है कि सजा को रद्द कर दिया जाए, भले ही मामला भयानक अपराध से संबंधित ही क्यों न हो।

> जब जांच समय पर, पेशेवर तरीके से और संवैधानिक मानकों के अनुसार की जाती है तो सबसे कठिन रहस्यों को भी सुलझाया जा सकता है और कई अपराधों को शुरुआत में ही हस्तक्षेप से रोका जा सकता है। इस मामले में असली अपराधी की पहचान करने की प्रक्रियाओं में लापरवाही और देरी ने तथ्यों की खोज की प्रक्रिया को कमजोर किया और उन रास्तों को बंद कर दिया, जो असली अपराधी की पहचान कर सकते थे। - सुप्रीम कोर्ट की पीठ

अमेरिकी सीनेट ने शटडाउन समाप्त करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट ने सरकारी 'शटडाउन' समाप्त करने के लिए सोमवार को विधेयक पारित कर दिया और इसी के साथ इतिहास का सबसे लंबा 'शटडाउन' खत्म होने के करीब पहुंच गया।

डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक छोटे समूह ने अपनी पार्टी के भीतर तीखी आलोचना के बावजूद रिपब्लिकन के साथ एक समझौते की पुष्टि की जिसकी मदद से यह विधेयक पारित हुआ। पिछले 41 दिन से जारी शटडाउन कुछ और दिन जारी रह सकता है क्योंकि संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा के

- खत्म होने के करीब पहुंचा अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन

सदस्य सितंबर के मध्य से अवकाश पर हैं। वे विधेयक पर मतदान करने के लिए वाशिंगटन लौटेंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने विधेयक के प्रति समर्थन का संकेत देते हुए कहा, हम जल्द ही शटडाउन समाप्त करेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक समूह ने स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी के विस्तार की गारंटी के बिना चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की जिससे उनके कॉकस के कई सदस्य नाराज हो गए। इस कॉकस का कहना है कि अमेरिकी चाहते हैं कि सब्सिडी के लिए लड़ाई जारी रखी जाए।

सीरियाः राष्ट्रीय संग्रहालय से रोमन काल की मूर्तियां चोरी

दमिश्क। सीरिया की राजधानी स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय से चोरों ने रोमन काल की कई प्राचीन मूर्तियां चुरा लीं। घटना के बाद संग्रहालय को अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया।

लंबे गृहयुद्ध और 54 साल के असद परिवार के शासन के पतन से जूझ रहे देश में संग्रहालय जनवरी में फिर से खोला गया था। मध्य दमिश्क स्थित देश के इस सबसे बड़े संग्रहालय में इतिहास से जुड़ी अमूल्य प्राचीन वस्तुएं रखी हैं। देश में अराजकता के माहौल के बाद संग्रहालय में धातु के गेट और निगरानी कैमरे लगाए गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि संगमरमर की छह मूर्तियां चोरी हो गई हैं।

भूटान के साथ ऊर्जा सहयोग बढ़ाने का आह्वान

थिंपू, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और भूटान सिर्फ सीमाओं से ही नहीं, बल्कि संस्कृति से भी जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और कनेक्टिविटी बढ़ाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, कनेक्टिविटी अवसर पैदा करती है और अवसर समृद्धि पैदा करते हैं। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत गेलेफु और समत्से शहरों को भारत के विशाल रेल नेटवर्क से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना पूरी होने पर भूटान के उद्योगों और किसानों की भारत के विशाल बाज़ार तक पहुंच और आसान हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि रेल और सड़क संपर्क के अतिरिक्त दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

मोदी ने गेलेफु माइंडफुलनेस सिटी पहल का उल्लेख करते हुए इसके

भूटान नरेश और महारानी के साथ मोदी ने भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की पूजा की।

- भूटान यात्रा पर गए मोदी ने एक कार्यक्रम में की टिप्पणी

विकास के लिए भारत के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि भारत जल्द ही आगंतुकों और निवेशकों की सुविधा के लिए गेलेफु के पास आव्रजन चौकी स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा भारत और भूटान का तेज़ी से विकास हो रहा है और उनकी ऊर्जा साझेदारी इस विकास को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत-भूटान जलविद्युत सहयोग की नींव पूर्व नरेश के नेतृत्व में रखी गई थी। मोदी ने सतत विकास और पर्यावरण-प्रथम दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए भूटान के नेतृत्व की सराहना की।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 12 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 22.58 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

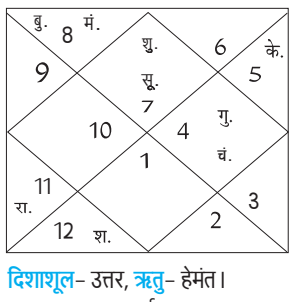

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्लेशा 18.35 तक तत्पश्चात मघा।

मेष आज किसी को बिना मांगे राय न दें। अपने व्यवहार को लेकर लोगों के बीच केन्द्र बने रहेंगे। नया व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं। गले में इन्फेक्शन और जुकाम की समस्या हो सकती है। किसी दीर्घकालिक लक्ष्य को लेकर आप योजना बना सकते हैं।

वृष आज कारोबार में आपको अपेक्षाकृत लाभ प्राप्त होगा। उलझे हुए मामलों को आप सुलझाने का प्रयास करें। आप काफी ज्यादा व्यस्त रहेंगे। अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपकी सेहत बहुत ही अच्छी रहेगी।

मिथुन आज आर्थिक मामलों में लापरवाही न करें। तनाव आपके ऊपर हावी हो सकता है। धन उधार देने से आपको बचना चाहिए। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क आज नई संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। आप सभी कार्य समय पर पूर्ण कर लेंगे। पुराने मित्रों से अपेक्षित सहायता मिलेगी। नया कारोबार शुरू करने के योग बन रहे हैं। पति-पत्नी के मध्य आपसी सामंजस्य बहुत अच्छा रहेगा।

सिंह आज दोस्तों पर आंख-मूंदकर विश्वास न करें। कुछ इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज खराब हो सकती हैं। मानसिक अशांति के कारण एकाग्रता में कमी रहेगी। एक साथ अनेक कार्य करने पड़ेंगे। बच्चों के ऊपर गर्व की अनुभूति होगी।

कन्या आज साझेदारी वाले व्यवसाय में विशेष उन्नति की संभावना बन रही है। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। जोखिम भरे निवेश लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं।

तुला आज बहुत सारा समय आत्ममंथन में व्यतीत होगा। सोशल मीडिया पर आप महत्वपूर्ण मुद्दों की चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। व्यापार में कुछ कमी महसूस होगी। दांपत्य संबंधों में निकटता बढ़ेगी। आपको सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है।

वृश्चिक आज आपके भीतर नई ऊर्जा का संचार होगा। गृहकार्यों में पूरा ध्यान नहीं दे पाएंगे। भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं। आपको दूसरो पर अधिक निर्भर होने से बचना चाहिए। अपनी आवश्यकताओं से अधिक धन खर्च न करें।

धनु आज धैर्य में कमी होने के कारण महत्वपूर्ण अवसरों को खो सकते हैं। आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। गलत कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। ऑनलाइन पेमेंट आदि के दौरान विशेष सावधानी रखें।

मकर आज व्यापारियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान दें। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। नई वस्तुओं को खरीद सकते हैं। पुराने ऋणों को चुकाने के लिए दिन बहुत अच्छा है। घर के अनुभवी सदस्यों से राय अवश्य लें।

कुंभ आज नई व्यापारिक साझेदारी होने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी पूर्वक बयानबाजी करनी चाहिए। समाज में आपको मान-सम्मान की चिंता रहेगी। वरिष्ठ अधिकारियों से बहसबाजी न करें।

मीन आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ हंसी-मजाक भरा समय बिताएंगे। मानसिक तनाव और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। तकनीकी विषयों के अध्ययन में आप रुचि ले सकते हैं।

सुडोकू-158

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
	2			6				
			7					
4								8
				3				
					4			
							7	
		5			1			

सुडोकू - 157 का हल

4	1	2	9	8	5	3	6	7
7	8	6	1	4	3	2	9	5
5	9	3	6	7	2	1	4	8
1	3	4	8	9	7	6	5	2
2	7	5	3	1	6	9	8	4
8	6	9	2	5	4	7	1	3
9	5	7	4	3	1	8	2	6
6	4	8	7	2	9	5	3	1
3	2	1	5	6	8	4	7	9

मैं कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूं। बाकी टीम के बारे में, मैं नामों की घोषणा बाद करूंगा। कर्नाटक क्रिकेट का स्तर खासकर पिछले तीन सालों में तेजी से गिरा है।

-वेंकटेश प्रसाद, पूर्व तेज गेंदबाज

स्टेडियम

बरेली, बुधवार 12 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

एटीपी फाइनल्स में सिनर की शानदार शुरुआत

तूरिन (इटली)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 7-5, 6-1 से हराकर खिताब बचाने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सिनर को साल के आखिर तक अपनी नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखने के लिए दुनिया के चोटी के आठ खिलाड़ियों के बीच चल रहे सत्र के इस अंतिम टूर्नामेंट में जीत दर्ज करनी होगी और इसके साथ ही उम्मीद करनी होगी कि कार्लोस अल्काराज़ फ़ाइनल में न पहुंचें।

वीनस करेंगी मैडिसन कीज का सामना

वॉशिंगटन। अमेरिका की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स 2026 सीजन से पहले एक प्रदर्शनी टेनिस मैच में ऑस्ट्रेलियन ओपन की विजेता हमवतन मैडिसन कीज का सामना करेंगी। शार्लोट स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह मुकाबला नॉर्थ कैरोलिना के स्पेक्ट्रम सेंटर में खेला जायेगा। चार बार की ओलंपिक चैंपियन वीनस विलियम्स चार दिसंबर को इस प्रदर्शनी मुकाबले में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 की विजेता मैडिसन कीज के खिलाफ खेलेंगी। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में सातवें नंबर की टेनिस खिलाड़ी मैडिसन कीज ने सोशल मीडिया चैनलों पर इस प्रदर्शनी मैच में खेलने की घोषणा की है।

आईपीएल नीलामी अबू धाबी में होगी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र की नीलामी दिसंबर के मध्य में अबू धाबी में होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारी ने मंगलवार को पीटीआई को यह जानकारी दी। दुबई (2023) और जेद्दा (2024) के बाद यह लगातार तीसरी बार होगा जब नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी। नीलामी का आयोजन 15 या 16 दिसंबर को होने की संभावना है। अधिकारी ने कहा अबू धाबी को नीलामी स्थल के रूप में चुना गया है।पिछले साल सऊदी अरब में हुई मेगा नीलामी के बाद यह एक छोटी नीलामी होगी।

मास्टर्स क्वालीफायर में हारीं नैशा

कुमामोतो (जापान)। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी नैशा कौर भटोये मंगलवार को यहां क्वालीफायर में न्यूजीलैंड की शाउना ली से सीधे गेम में हारकर कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहीं। यह 17 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी इस सुपर 500 टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वालीफिकेशन राउंड में 32 मिनट में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी से 17-21, 18-21 से हार गयी। इस प्रकार प्रतियोगिता के महिला एकल स्पर्धा में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय बुधवार को 475,000 डॉलर इनामी इस प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेंगे वेंकटेश

बेंगलुरु। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि वह 30 नवंबर को होने वाले चुनावों में कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे। द कैपिटल होटल में 'टीम गेम चेंजर्स' द्वारा आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में प्रसाद ने कहा कि वह जल्द ही अपनी बाकी टीम के नामों का खुलासा करेंगे। उन्होंने कहा पिछले 12 साल मुश्किल रहे हैं, लेकिन खासकर पिछले तीन साल बहुत निराशाजनक रहे हैं। महिला क्रिकेट पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यहां तक कि लीग मैच और चयन प्रक्रिया भी अव्यवस्थित तरीके से हो रही हैं।

दिल्ली 65 वर्षों में पहली बार जम्मू-कश्मीर से हारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सात बार की रणजी चैंपियन टीम की गिरती साख का कारण गुटबाजी व अंदरूनी कलह
- ग्रुप डी में आठ टीमों के बीच छठे स्थान पर दिल्ली को नॉकआउट के लिए चमत्कार की जरूरत

दिल्ली क्रिकेट को नई शर्मिंदगी से दोचार होना पड़ा जब सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल के शानदार शतक की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने मंगलवार को यहां उसे सात विकेट से शिकस्त देकर उसके खिलाफ रणजी ट्रॉफी में 65 साल में पहली जीत दर्ज की।

दिल्ली क्रिकेट की गिरती साख का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टीम तीन घरेलू मैचों में सिर्फ चार अंक हासिल कर सकी। टीम कुल सात अंकों के साथ ग्रुप डी में आठ टीमों के बीच छठे स्थान पर है और उसे नॉकआउट के लिए क्वालीफाई के लिए चमत्कार की जरूरत होगी। सात बार की रणजी चैंपियन दिल्ली की टीम के इस तरह के पतन के कई कारण है जिसमें संदिग्ध चयन, खराब रणनीतियां, चतुर कप्तानी के अभाव के अलावा दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में गुटबाजी और अंदरूनी कलह प्रमुख है। दिल्ली और जम्मू-कश्मीर की टीमों ने 1960 से अब तक 43 बार एक दूसरे का आमना सामना किया है और इनमें से 37 मैचों में दिल्ली ने जीत दर्ज की है जबकि जम्मू कश्मीर की यह पहली जीत है।

जीत के लिए 179 रन का पीछा कर रही जम्मू कश्मीर को मैच के आखिरी दिन 124 रन की जरूरत थी। सलामी बल्लेबाज इकबाल ने 147 गेंद में नाबाद 133 रन बनाकर जम्मू कश्मीर को आसान जीत दिला दी। जम्मू कश्मीर ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में 55 रन पर दो विकेट से आगे से की। इकबाल ने रात्रि प्रहरी वंशज शर्मा (60 गेंद में आठ रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर दिल्ली को जीत से दूर कर दिया। बीते दिन जिस पिच पर बल्लेबाजों को परेशानी का सामना करना पड़ा था वहां इकबाल ने जिम्मेदारी उठाते हुए मनन भारद्वाज और ऋतिक शौकिन जैसे दिल्ली के स्पिनरों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी की। इन स्पिनरों को पिच से कोई खास मदद नहीं मिली। इकबाल ने शतकीय पारी के दौरान एक हाथ से स्लॉग स्वीप पर मन मुताबिक बाउंड्री लगाये। जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने भी इस मैच की पहली पारी में शतक लगाकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के उपरांत एक-दूसरे का औपचारिक अभिवादन करते जम्मू-कश्मीर और दिल्ली के खिलाड़ी।

गिल ने लंबे समय तक किया अभ्यास

जायसवाल व सुदर्शन ने भी बहाया पसीना, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट 14 से

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल। एजेंसी

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि सीमित ओवरों के प्रारूपों से लाल गेंद वाले क्रिकेट में बदलाव में समय लगता है और इसलिए उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व अपनी तकनीक को दुरुस्त करने के लिए मंगलवार को यहां नेट्स पर करीब डेढ़ घंटा बिताया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है क्योंकि पिछले महीने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उसने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैच की सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराई थी। गिल ने पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में अर्धशतक और नाबाद शतक लगाया था, लेकिन इसके बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह रन बनाने के लिए जूझते रहे। वह ऑस्ट्रेलिया में वनडे और टी-20 मैचों की आठ पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए और उनका उच्चतम स्कोर 46 रन रहा। लेकिन टेस्ट टीम की कमान संभालने के बाद वह प्रतिबद्ध दिखे और उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल करने के लिए अभ्यास सत्र में कड़ी मेहनत की। नेट अभ्यास से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सीतांशु कोटक को उनके साथ लंबी बातचीत करते हुए देखा गया, जिसमें संभवतः उनके खेलने के तरीके पर चर्चा की गई। गिल बाद में स्लिप में फील्डिंग के अभ्यास के लिए अपने साथियों के साथ शामिल हुए और फिर यशस्वी जायसवाल के साथ नेट पर अभ्यास करने के लिए चले गए। स्पिन से शुरुआत करते हुए उन्होंने रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर का सामना किया।

तेज गेंदबाजी की नेट पर गिल ने पहले जसप्रीत बुमराह का कुछ ओवरों तक सामना किया। इसके बाद उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी और कुछ स्थानीय क्लब गेंदबाजों का सामना भी किया। इसके बाद सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य ने उनके लिए ऊंचाई से थ्रोडाउन करने के लिए साइडआर्म का इस्तेमाल किया। गिल नेट पर एक घंटे से अधिक समय बिताने के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल की निगरानी में 30 मिनट तक थ्रोडाउन पर अभ्यास करने के लिए पिच पर चले गए। गेंदबाजी कोच ने यहां पर उनके लिए करीब से खुद गेंदबाजी की। रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के लिए 67 और 156 रन की पारी खेलने वाले जायसवाल ने भी लंबे समय तक विकेट पर मोर्केल और थ्रोडाउन का सामना किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज़ सहज लय में दिख रहा था तथा आत्मविश्वास के साथ ड्राइव और पुल कर रहा था। नेट पर महत्वपूर्ण समय बिताने वाले एक अन्य बल्लेबाज तमिलनाडु के युवा साई सुदर्शन थे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दो अनधिकृत टेस्ट मैचों में केवल 84 रन बनाए थे।

अभ्यास सत्र के दौरान फुटबाल खेलते दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम व अन्य खिलाड़ी। एजेंसी

ध्रुव जुरेल ने मजबूत की दावेदारी

ध्रुव जुरेल ने दक्षिण आफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे मैच में दोनों पारियों में शतक लगाकर भारतीय बल्लेबाजी क्रम में एक स्थान के लिए अपना दावा मजबूत कर दिया है और इसमें तीसरा नंबर भी शामिल है। ऐसी अटकलें हैं कि जुरेल को बतौर बल्लेबाज टीम में रखा जा सकता है चूंकि चोट से उबरकर विकेटकीपर ऋषभ पंत खेलने जा रहे हैं। जुरेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला शतक जड़ा और टेस्ट में उनका औसत 47 . 77 है । लगभग तीन घंटे के अभ्यास के बाद गंभीर, कोटक, मोर्केल और गिल ने मुख्य पिच का निरीक्षण किया और वहां पर लंबे समय तक चर्चा की।

डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए महत्वपूर्ण है शृंखला

कोलकाता, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करेंगे सिराज
- भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर

मोहम्मद सिराज। फाइल फोटो

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को पूरा विश्वास है कि वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के गत विजेता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ के शुक्रवार से यहां शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की शृंखला में दमदार प्रदर्शन करेंगे।

भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है। उसने इस चक्र के शुरू में घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज को दो टेस्ट मैच में हराने से पहले इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की सीरीज 2-2 से बराबर की थी। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका ने अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब का बचाव करने के अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट शृंखला में 1-1 से ड्रॉ के साथ की। सिराज ने जियोस्टार पर कहा, यह शृंखला नए डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका गत चैंपियन है। भले ही उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शृंखला 1-1 से ड्रॉ खेली, लेकिन हम अपनी अच्छी फॉर्म से आश्वस्त हैं।

हमने सकारात्मक माहौल तैयार किया है। हमने इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल की। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया और वह 23 विकेट लेकर श्रृंखला में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ रहे। उन्होंने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और दो मैचों में 10 विकेट लिए। उन्होंने कहा मैं अच्छी लय के साथ गेंदबाजी कर रहा हूं और इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा हूं।

भारत ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराया

नई दिल्ली। भारत ने दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के शुरुआती मुकाबले में मंगलवार को यहां श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मॉडर्न स्कूल मैदान में इस विश्व कप का उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत दिव्यांगजनों के लिए समर्थनम ट्रस्ट की दिल्ली शाखा के छात्रों द्वारा सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत राष्ट्रगान के साथ हुई। ठाकुर ने इस मौके पर कहा मैं सभी टीमों को विश्व कप के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें हम आपको टेलीविजन पर देखेंगे।

निशानेबाजी में ऐश्वर्य ने जीता रजत

काहिरा, एजेंसी

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप

- ईशा और राणा की जोड़ी भी दूसरे स्थान पर रही

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर।

ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने मंगलवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में रजत पदक जीता। ईशा सिंह और सम्राट राणा की भारतीय जोड़ी ने भी इसके बाद 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता।

भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीन के कियानक्सुन याओ और काई हू की जोड़ी से 10-16 से हार का सामना करना पड़ा। ईशा और सम्राट ने कुल 586 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सुरुचि सिंह और श्रवण कुमार 579 अंक हासिल करने के बावजूद फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। ऐश्वर्य ने 466.9 अंक हासिल किए और चीन के युकुन लियू (467.1) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा का कांस्य पदक फ्रांस के रोमेन औफ्रेरे (454.8) ने जीता।

फाइनल में जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय नीरज कुमार 432.6 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले 24 वर्षीय ऐश्वर्या ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने हेतु विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। ऐश्वर्या ने क्वालीफिकेशन में 597 (40 एक्स) का स्कोर बनाकर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की उनके हमवतन नीरज भी 592 अंकों के साथ फाइनल में पहुंच गए।

रिजवान ने जानकारी दी, तभी मैंने कप्तानी स्वीकारी : शाहीन

रावलपिंडी, एजेंसी

पाकिस्तान के वनडे कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने दावा किया है कि उन्होंने कप्तानी तभी स्वीकार की जब उनके पूर्ववर्ती मोहम्मद रिजवान ने उन्हें यह पद छोड़ने की जानकारी दी। शाहीन ने सोमवार को मीडिया से कहा मैंने रिजवान से इस मामले पर चर्चा करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से यह जिम्मेदारी ली।

उन्होंने कहा रिजवान एकमात्र व्यक्ति थे जिनसे मैंने चर्चा की और मैंने उनसे पूछा कि मेरे कप्तानी स्वीकार करने के बारे में उन्हें कैसा लगा। शाहीन ने कहा रिजवान ने खुद फैसला किया कि वह मेरे लिए जगह बनाएंगे और इस तरह चीजें आगे बढ़ी। शाहीन को 2023 में पाकिस्तान की टी20 टीम का कप्तान बनाया गया था लेकिन न्यूजीलैंड में सिर्फ एक श्रृंखला के बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। शाहीन को 2023 क्रिकेट विश्व कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद बाबर आजम के इस्तीफा देने पर यह जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। महज एक श्रृंखला के बाद हालांकि उन्हें हटाकर फिर से बाबर को कप्तान बना दिया गया। शाहीन ने कहा कि रिजवान ने उन्हें पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि कप्तान के तौर पर वह बाबर और रिजवान का समर्थन करेंगे क्योंकि वे टीम के अहम खिलाड़ी हैं।

सुधार की कवायद

इंडियन सुपर लीग के वाणिज्यिक अधिकारों के लिए कोई बोली नहीं मिलने के बाद बढ़ी व्याकुलता

फुटबॉलरों की अपील- जल्द शुरू करें आईएसएल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों ने मंगलवार को एक संयुक्त बयान जारी कर प्रशासकों से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का नया सत्र जल्दी से जल्दी शुरू करने की अपील करते हुए कहा कि उनका गुस्सा और हताशा अब व्याकुलता में बदल गई है।

यह अपील ऐसे समय में की गई है जब अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पिछले सप्ताह कहा था कि 16 अक्टूबर को आईएसएल के वाणिज्यिक अधिकारों के लिए अनुरोध (आरएफपी) के बाद उसे कोई बोली नहीं मिली है।

इस आरएफपी में लीग के वाणिज्यिक और मीडिया अधिकारों के लिए 15 साल के अनुबंध के लिए बोलियां आमंत्रित की गई थीं।

स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा अभी हम जहां हैं, वहां से देरी करना अच्छा नहीं होगा। कोच, प्रशंसक, स्टाफ के सदस्य और खिलाड़ियों के लिए सब कुछ ठहर गया है। हमने बहुत मेहनत की है। हमने बहुत त्याग किया है और हम अपने सत्र को यूं ही खत्म नहीं होना देना चाहते हैं।

उन्होंने कहा पूरा भारतीय फुटबॉल तंत्र अनिश्चितता में डूबा हुआ है। सपने थम गए हैं। भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। हर दिन हम इंतजार करते हैं। हम व्याकुल हैं। हमें तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है।

गोलकीपर गुरप्रीत वालिया जैसे राष्ट्रीय टीम के कई फुटबॉलरों ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त करते हुए एक संदेश साझा किया। खिलाड़ियों ने बयान में कहा हम इंडियन सुपर लीग में खेलने वाले पेशेवर फुटबॉलर मिलकर यह अपील करते हैं कि हम इंडियन सुपर लीग का सत्र शुरू करने के लिए एकजुट हैं। सीधे शब्दों में कहें तो हम खेलना चाहते हैं। बयान में कहा गया है हमारे गुस्से, हताशा और परेशानी की जगह अब व्याकुलता ने ले ली है। हम उस खेल को खेलने के लिए बेताब हैं जिसे हम प्यार करते हैं। हम अपने परिवार और प्रशंसकों के लिए खेलने को लेकर बेताब हैं जो हमारे लिए सब कुछ हैं।

बयान में खेल प्रशासकों से आग्रह किया गया कि वे मौजूदा संकट से निपटने का रास्ता निकालें। इसके कारण मोहन बागान जैसे शीर्ष क्लबों को अपना अभ्यास सत्र रोकना पड़ा है।

'हमारी हताशा पर ईमानदारी पर गौर करें'

यह देश में हमारे खेल को संचालित करने वाले सभी लोगों से एक अपील है कि वे फुटबॉल सत्र को शुरू करने के लिए जो भी संभव हो वह करें। भारत को प्रतिस्पर्धी फुटबॉल की आज पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है। खिलाड़ियों ने बयान में कहा जहां तक हमारा सवाल है तो हम प्रतिबद्ध हैं, पेशेवर हैं और जैसे ही हमें बताया जाएगा हम तुरंत खेलने के लिए तैयार हैं। हम इस शानदार खेल को संचालित करने वाले लोगों से बस यही चाहते हैं कि वह हमारी हताशा पर ईमानदारी से गौर करें। हम पिछले एक लंबे समय से खुद को अंधेरी सुरंग में पा रहे हैं और हमें तत्काल रोशनी दिखाने की जरूरत है।